जबलपुर
रविवार, 19 मई 2024
वैशाख मास शुक्ल पक्ष-11
वर्ष : 19, अंक : 19
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 रुपये

मौसम
अधि. 40
न्यून. 28

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

ज्वेलरी-डायमंड में ग्रेजुएशन की मिलेगी डिग्री

'कौशल्य द स्किल विवि' से आईडीआई का समझौता

सूरत। सूरत में हजार से ज्यादा डायमंड कट और पॉलिश कंपनियां हैं। 500 से ज्यादा ज्वेलरी निर्माण इकाइयां हैं। लेकिन सूरत में कई बार उन्हें अच्छे और स्किल्ड कर्मचारी नहीं मिलते हैं। लिहाजा डिग्री कोर्स के लिए इंडियन डायमंड इंस्टीट्यूट (आईडीआई) ने गुजरात सरकार के कौशल्य द स्किल विवि के साथ एक समझौता किया है। सूरत में यह पहला ग्रेजुएशन कोर्स है।

सीएम यादव ने मुंबई में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे पर जमकर निशाना साधा

सोनिया ने कहा-रायबरेली अपने बेटे को सौंप रही हैं, ये परिवारवाद का प्रमाण, हमारी लड़ाई इसी 'अहंकार' से

बम गिराने वालों का समर्थन लेकर चुनाव में सामने हैं उद्धव ठाकरे

राहुल गांधी को अपने परिवार का इतिहास नहीं मालूम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

महाराष्ट्र में पांचवे चरण का प्रचार समाप्त होने के पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को मुंबई पहुंचे थे। यहां उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे पर जमकर निशाना साधा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मुंबई में भाजपा के लोकसभा प्रत्याशियों समर्थन में प्रेस कांफ्रेंस, शोभा यात्रा एवं जनसभा में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि राहुल को अपना ही इतिहास पता नहीं है। राहुल गांधी अमेठी में भाषण के दौरान कहते हैं, 42 साल पहले जब यहां आया तो देखा कि कोई विकास कार्य नहीं हुआ है। यहां तक की सड़कें ही नहीं थी। राहुल आखिर किसकी गलती बताना चाह रहे थे। ये भूल गए कि इनके दादा फिरोज गांधी अमेठी के रहे हैं।

बम ब्लास्ट के आरोपी इब्राहिम मूसा शिवसेना के लिए प्रचार कर रहे

डॉ. यादव ने कहा कि चुनाव में 1993 के बम ब्लास्ट के आरोपी इब्राहिम मूसा शिवसेना के लिए प्रचार कर रहे हैं। लोग बम गिराने वालों का चरित्र जानते हैं। दुख की बात है कि बम गिराने वालों का समर्थन लेकर नकली शिवसेना सामने आ रही है। बाला साहेब ठाकरे कहते थे कि मैं कांग्रेस का समर्थन एक चिमटी से भी छूना नहीं चाहूंगा। नकली शिवसेना को माफी मांगना चाहिए। उन्होंने गलत मार्ग का चुनाव कर लिया है। मुख्यमंत्री ने उद्धव ठाकरे कांग्रेस और शरद पवार के गठबंधन को लेकर कहा कि यही हम बार-बार बोल रहे हैं कि यह लोग न वीर सावरकर का सम्मान कर रहे हैं।

ये सरकार, सरकार का फर्क होता है

प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा इन दिनों प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार चल रही है। हमारी सरकार द्रुत गति से पूरे देश में विकास कार्य कर रही है। इसी सरकार के कारण इंफ्रास्ट्रक्चर में तेजी से काम चल रहा है, यहां तक कि अब हम समुद्र में टनल बना कर आवागमन कर रहे हैं। हमने वह सरकार भी देखी है जिसके कारण मेट्रो का काम रोक दिया गया। इतना ही नहीं विकास के काम पर भी अड़ंगे लगाए गए। ये सरकार, सरकार का फर्क होता है जो अब साफ तौर से दिखाई दे रहा है।

खबर संक्षेप

दुल्हन की वेशभूषा में युवक ने किया सुसाइड

इंदौर। शहर में आत्महत्या का एक अजीब मामला सामने आया है, जहां एक बीएससी के छात्र ने हाथ में चूड़ी और साड़ी पहन कर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। छात्र की खुदकुशी के मामले की जानकारी मिलते ही पूरे हॉस्टल में हड़कंप मच गया। पुलिस को शव के पास खून के धब्बे भी मिले हैं, जिसके चलते मामला संदिग्ध लग रहा है। शव पीएम के लिए भेज आगे की कार्रवाई कर रही है।

वाहन पलटा 2 महिलाओं की मौत, सात घायल

शाजापुर। जिले के अंतर्गत आने वाले ग्राम पनवाड़ी के पास फोरलेन पर शनिवार की सुबह सुनेरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पनवाड़ी में आवारा पशु को बचाने के चक्कर में एक चार पहिया तूफान वाहन पलट गया। इसमें एक महिला की मौके पर और एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं, सात लोग घायल हैं, जिनका उपचार किया जा रहा है।

सीएम केजरीवाल ने पीसी कर पीएम को कहा- ये एक-एक करके क्या आप हम लोगों को गिरफ्तार कर रहे हैं? एक साथ सभी को गिरफ्तार कर लीजिए

बिभव की अग्रिम जमानत खारिज, केजरी ने कहा आज भाजपा ऑफिस आ रहा हूं, अरेस्ट कर लेना

केजरीवाल ने अपनी पूरी प्रेस वार्ता में स्वाति मालीवाल का नाम लिया लेकिन, इस घटनाक्रम के पीछे इशारों में भाजपा की साजिश करार दिया

◆ कई दिनों की खोज के बाद बिभव को पुलिस ने पकड़ा और सिविल लाइंस थाने ले गई। इससे बिभव कुमार पर पुलिस का शिकंजा कस गया।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

शनिवार को स्वाति मालीवाल के साथ कथित मारपीट के आरोपी सीएम अरविंद केजरीवाल के पीए बिभव कुमार को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। कई दिनों की खोज के बाद बिभव को पुलिस ने पकड़ा और सिविल लाइंस थाने ले गई। इससे बिभव कुमार पर पुलिस का शिकंजा कस गया। जिसके बाद बिभव ने कोर्ट में अंतरिम जमानत अर्जी दाखिल की थी, जिसको दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने शनिवार को खारिज कर दिया। कोर्ट से बिभव कुमार की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज होने के तुरंत बाद केजरीवाल प्रेस कॉन्फ्रेंस की। केजरीवाल ने अपनी पूरी प्रेस वार्ता में स्वाति मालीवाल का नाम लिया, लेकिन इस घटनाक्रम के पीछे इशारों में भाजपा की साजिश करार दिया।

मालीवाल के शरीर पर कुल 4 जगहों पर चोट के निशान पाए गए हैं

स्वाति मालीवाल से 13 मई 2024 की सुबह दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास पर मारपीट की कथित घटना हुई थी

पुलिस सीएम केजरीवाल के घर पहुंची और घटना का रीक्रिएट किया।

केजरीवाल ने कहा...पीएम 'जेल का खेल' खेल रहे हैं

केजरीवाल ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री से कहना चाहता हूं कि आप 'जेल का खेल' खेल रहे हैं। रविवार को मैं अपने सभी शीर्ष नेताओं, विधायकों, सांसदों के साथ दोपहर 12 बजे भाजपा मुख्यालय आ रहा हूं। आप जिसे चाहें जेल में डाल सकते हैं। केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री जी, ये एक-एक करके क्या आप हम लोगों को गिरफ्तार कर रहे हैं? एक साथ सभी को गिरफ्तार कर लीजिए।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा

जनता केजरीवाल को माफ नहीं करेगी

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि जो बोलना है, अरविंद केजरीवाल को बोलना है। जो हुआ है, उनकी पार्टी में हुआ है, उनके घर में घटना घटी। वे(स्वाति मालीवाल) उन्हीं की पार्टी की राज्यसभा सांसद हैं। जनता सब देख रही है, जनता उन्हें माफ नहीं करेगी।

आंख, गाल और पैर में स्वाति को लगी चोट?

शनिवार को स्वाति मेडिकल रिपोर्ट सामने आ गई। रिपोर्ट में स्वाति मालीवाल के दाहिने गाल पर आंख के नीचे और बाएं पैर पर चोट के निशान पाए गए हैं। मालीवाल के शरीर पर कुल 4 जगहों पर चोट के निशान पाए गए हैं।

कौन है बिभव कुमार?

केजरीवाल और बिभव की दोस्ती वर्षों पुरानी है। 2015 में सीएम केजरीवाल के निजी सचिव बने बिभवलंबे समय से सीएम के साथ हैं। उनका ताल्लुक बिहार से है। वे वीडियो जर्नलिस्ट के तौर पर काम करते थे। उनकी मुलाकात अरविंद के साथ हुई और वह इंडिया अगेंस्ट करप्शन मैग्जीन के लिए काम करने लगे। सतर्कता विभाग ने कुछ सप्ताह पहले उनकी नियुक्ति को रद्द कर दिया था।

कोर्ट रूम में क्या हुआ?

सीएम हाउस के ड्राइंग रूम वाले कुछ वीडियो क्लिप्स भी दिखाए गए

▶▶ बिभव कुमार की अग्रिम जमानत याचिका पर तीस हजारी कोर्ट में सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील एन हरिहरन ने दलील दी कि उनके मुवक्किल दोपहर 12 बजे से पुलिस स्टेशन में मौजूद है, उनकी गिरफ्तारी की आशंका है क्योंकि उनके खिलाफ आईपीसी 308 समेत अन्य धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है और कोई ऐसी धारा नहीं लगी है जिसमें 7 साल से ज्यादा की सजा हो।

▶▶ इसका विरोध करते हुए एडिशनल पब्लिक प्रॉसीक्यूटर ने कोर्ट को बताया कि बिभव कुमार को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिसके बाद यह अदालत के आदेश में दर्ज किया गया कि दोपहर 4 बजे बिभव कुमार की गिरफ्तारी हुई है। कोर्ट ने कहा कि आरोपी पहले ही गिरफ्तार हो गया है। इसलिए, इस पर सुनवाई का कोई मतलब नहीं बनता, याचिका निष्प्रभावी हो गई है।

▶▶ सुनवाई के दौरान बिभव कुमार के वकीलों की ओर से कोर्ट को सीएम हाउस के ड्राइंगरूम वाले कुछ वीडियो क्लिप भी दिखाए गए, जिनसे इस बात की पुष्टि हो सके कि मालीवाल के साथ कोई मारपीट नहीं हुई थी।

हरियाणा के नूंह में बड़ा हादसा

श्रद्धालुओं की बस में लगी आग, 9 की मौत, 24 झुलसे

बनारस और वृंदावन से दर्शन करके लौट रहे थे 60 लोग

नूंह। हरियाणा के नूंह में टूरिस्ट बस में आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। यह हादसा कुंडली मानेसर पलवल एक्सप्रेसवे पर हुआ। बस में करीब 60 लोग सवार थे, जिसमें से 9 लोगों की मौत हो गई और 24 लोग घायल हो गए। मृतकों में 6 महिला और 3 पुरुष हैं। हादसा शुक्रवार शनिवार देर रात करीब 01:30 बजे हुआ। बस में सवार ज्यादातर लोग धार्मिक स्थलों के दर्शन करने निकले थे, जो बनारस और वृंदावन से दर्शन करके वापस आ रहे थे।

गांव वालों ने बस का पीछा कर ड्राइवर को दी आग की खबर

घटनास्थल पर मदद के लिए पहुंचे ग्रामीण साबिर, नसीम, साजिद और एहसान आदि ने बताया कि देर रात करीब 1:30 बजे एक चलती बस में उन्हें आग की लपटें दिखाई दी। उन्होंने आवाज लगाकर चालक को बस रोकने को कहा, लेकिन बस नहीं रुकी फिर एक युवक ने मोटर साइकिल पर सवार होकर बस का पीछा किया और चालक को आग लगने सूचना दी।

6 राज्यों व 2 केंद्र शासित प्रदेशों में 695 प्रत्याशी मैदान में

पांचवें चरण का प्रचार थम गया 20 मई को 49 सीटों पर मतदान

राहुल गांधी, स्मृति ईरानी, दिनेश प्रताप सहित कई दिग्गजों के भाग्य का होगा फैसला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव 2024 के पांचवें चरण का प्रचार शनिवार शाम को थम गया। आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 49 सीटों के लिए मई को मतदान होना है।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह समेत कई नेताओं ने घर से किया मतदान

इधर, पूर्व उपराष्ट्रपति मोहम्मद हामिद अंसारी, पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह, पूर्व उप प्रधानमंत्री आडवाणी और पूर्व मंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने घरेलू मतदान सुविधा का उपयोग करते हुए मतदान किया। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय ने यह जानकारी दी है। गुरुवार को बुजुर्ग मतदाताओं और दिव्यांग व्यक्तियों के लिए घर पर मतदान की सुविधा शुरू की गई और यह 24 मई तक रहेगी।

हरदा की महिला डीईओ पीएम सिंह सस्पेंड हुईं

नाबालिग पोते को बूथ के अंदर ले गए थे पूर्व मंत्री

हरदा। जिले में सेक्टर प्रभारी बनी जिला शिक्षा अधिकारी पीएम सिंह को नर्मदापुरम संभाग आयुक्त पवन शर्मा ने निलंबित कर दिया है। उन्होंने लोकसभा चुनाव के दौरान लापरवाही बरती थी। मतदान दिनांक 7 मई को हरदा पॉलिटेक्निक कॉलेज के मतदान केंद्र क्रमांक पर पूर्व मंत्री कमल पटेल मतदान करने पहुंचे थे।

छग में 5 लोगों की हत्या, फिर खुद फंदे से लटक गया हत्यारा

एफएसएल की टीम की मदद से इस जघन्य हत्या के कारणों की जांच की जा रही

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के सारंगढ़ जिले के एक घर में एक ही परिवार के 5 लोगों की खून से सनी लाश मिली है। वहीं एक लाश फांसी के फंदे पर लटकी मिली। मामला सलीहा थाना इलाके के थरगांव का है। जहां शनिवार को घर के अलग-अलग कमरे में एक मासूम बच्चा, 3 महिला और एक पुरुष की खून से लथपथ लाश मिली।

नया सिस्टमः आज उत्तरी मप्र के कई जिलों में चलेगी लू, एक दर्जन से अधिक जिलों में गरज-चमक के साथ पड़ेंगी बौछारें

आधे प्रदेश में लू, आधे में बादल-बारिश, भोपाल में गर्मी बढ़ी

अभी कुछ दिन तक भोपाल में हीट-वेव का असर नहीं होगा

शनिवार को तीन जिलों में लू चली, जबकि आधा दर्जन जिलों में पारा 43 से 44 डिग्री के करीब रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश में मौसम का मिजाज फिर बदल रहा है। आधे प्रदेश में लू का असर हो रहा है तो आधे में बादल और बौछारों के साथ ही कई जगह बारिश दर्ज की जा रही है।

शनिवार को तीन जिलों में लू चली, जबकि आधा दर्जन जिलों में पारा 43 से 44 डिग्री के करीब रहा। कई शहरों के आसमान पर बादल छाए रहे और कुछ जगह बौछारें पड़ीं। भोपाल में पारा डेढ़ डिग्री बढ़कर 42 डिग्री तक रहा।

लिंक रोड नंबर एक में लोग गर्मी से बचने के लिए जतन करते दिखे।

आज यहां चलेगी लू

हरदा, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुर, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में रविवार को लू का असर रहेगा। इसके साथ ही सोमवार को भी इन जिलों में लू के साथ तेज गर्मी का अलर्ट है। शनिवार शाम तक कई जिलों में आंधी के साथ बारिश दर्ज की गई। मंदसौर, रतलाम, बैतूल और छिंदवाड़ा में धूलभरी आंधी के साथ बारिश हुई। इसके साथ ही नीमच, शाजापुर, उज्जैन, सीहोर, देवास, इंदौर, गुना, अशोक नगर, शिवपुरी, सिवनी, राजगढ़, विदिशा, रायसेन, भोपाल, दतिया सहित एक दर्जन जिलों में शनिवार देर शाम से रविवार सुबह तक बादलों की जमावट और कुछ जगह गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान है।

हरियाणा के अंबाला में पीएम मोदी ने कांग्रेस समेत विपक्ष पर जमकर निशाना साधा

70 साल से भारत को परेशान करने वाले पाकिस्तान के हाथ में भीख का कटोरा, धाकड़ सरकार से देश को मिली मजबूती

गरीब, युवा, महिलाएं और किसान कल्याण मेरी ताकत

एजेंसी ▶▶ अंबाला

पीएम नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के अंबाला जिले में शनिवार को जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस समेत विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। पीएम ने कहा कि हरियाणा वो राज्य है जिसके रगों में देशभक्ति है और वो देश को तोड़ने वाली शक्तियों को अच्छी तरह पहचानते हैं।

हरियाणा मतलब धाकड़ होता है और मोदी ने भी 10 साल तक धाकड़ सरकार चलाई है। पाकिस्तान 70 वर्षों से भारत को परेशान कर रहा था, जिसके हाथ में बम का गोला रहता था, आज उसके हाथ में भीख का कटोरा है। जब धाकड़ सरकार होती है, तो ऐसे ही दुश्मन कांपता है। 4 चरणों के चुनाव में कांग्रेस और इंडी गठबंधन के सभी साथी चारों खाने चित्त हो चुके हैं। कांग्रेसी विदेश से हथियार मंगाने के नाम पर मोटी कमाई कर सकें। हमारे सैनिकों को कपड़े, जूते, बुलेट प्रूफ जैकेट भी ठीक से नसीब नहीं होते थे। उनके पास अच्छी राइफल तक नहीं थीं। मैंने भारत की सेनाओं को आत्मनिर्भर बनाया। आज भारत अब दूसरे देशों को हथियार बेच रहा है।

दुनिया में आज हरियाणा का इतना नाम है, तो उसके पीछे हमारे बेटियों की ताकत है। मोदी ने बेटियों के लिए सैनिक स्कूलों के भी दरवाजे खोल दिए हैं। एनडीए में महिला कैडेट्स का जो बैच ट्रेनिंग ले रहा है, उसमें बड़ी संख्या में हरियाणा की बेटियां हैं।किसानों का कल्याण मोदी की प्राथमिकता है। हमने पिछले 10 साल में, 20 लाख करोड़ रुपए का अनाज किसानों से एमएसपी पर खरीदा। मोदी विकसित भारत का संकल्प लेकर निकला है और विकसित भारत के 4 स्तंभ हैं। गरीब, युवा, महिलाएं और किसान... मोदी इन्हें मजबूत कर रहा है ताकि भारत मजबूत हो। हमारी सरकार ने ही साहिबजादों की याद में 'वीर बाल दिवस' मनाना शुरू किया है।

कांग्रेस का इतिहास सिर्फ धोखा देना रहा

कांग्रेस का इतिहास, हमारी सेनाओं को, फौजियों को धोखा देने का रहा है। देश का पहला घोटाला कांग्रेस ने भारत की सेना में ही किया था। इस ट्रैक रिकॉर्ड को कांग्रेस जब तक सत्ता में रही, हमेशा बनाए रखा। बोफोर्स घोटाला, पनडुब्बी घोटाला, हेलीकॉप्टर घोटाला...। कांग्रेस को सिर्फ वोट से मतलब है। दिल्ली और हरियाणा में हाथ में झाड़ू लेकर घूम रहे हैं और पंजाब में कह रहे हैं कि झाड़ूवाला चोर है।

बांदा में बोले शाहः हम डरना नहीं जानते पीओके को हम प्राप्त करके रहेंगे

गृह मंत्री अमित शाह ने यूपी के बांदा में जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर सीधा हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता मणिशंकर अय्यर कहते हैं कि पाकिस्तान के पास तो एटम बम है पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को मत मांगो। शाह ने कहा कि भाजपा डरना नहीं जानती। पीओके भारत का हिस्सा है और रहेगा। उन्होंने कहा कि मैं बताना चाहता हूं कि भारत के लोगों को अब डरने की जरूरत नहीं है। क्योंकि हमारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। उन्होंने कहा कि गठबंधन लोगों को गुमराह करने का काम कर रहा है।

देश चलाना चूरन बेचना नहीं है, 56 इंच का सीना चाहिए

शाह ने कहा कि देश को चलाना चूरन बेंचने जैसा नहीं है। देश को चलाने के लिए 56 इंच का सीना चाहिए। जो केवल नरेन्द्र मोदी के पास है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव चाय बेंचने वाले एक गरीब परिवार के नरेंद्र मोदी और चांदी का चम्मच लेकर पैदा होने वाले के राहुल गांधी के बीच का है। कांग्रेस केवल वोट बैंक की राजनीति करती है।

बस्ती पहुंचे रक्षामंत्री राजनाथ

जैसे डायनासोर खत्म हो गया वैसे कांग्रेस भी खत्म हो जाएगी

बस्ती में देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हरैया में जनसभा में विपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि 2014 में सपा की साइकिल की चेन उतार दिया था। 2017 में चैन को चढ़ने नहीं दिया। कहा कि भाजपा परिवारवाद की राजनीति नहीं करती, जैसे डायनासोर खत्म हो गया वैसे कांग्रेस भी खत्म हो जाएगी। भाजपा सरकार जातिवाद परिवारवाद की राजनीति नहीं करती बल्कि देश की राजनीति करती है। मोदी जी के नेतृत्व में चल रही सरकार ने यह साबित कर दिया है कि भारत कमजोर नहीं है। आज दुनिया के सभी राष्ट्राध्यक्ष कहते हैं कि भारत का भविष्य उज्जवल है।

हिमाचल में कांग्रेस पर बरसे नड्डा

यूपीए सरकार आतंकियों को बिरयानी खिलाती रही, मोदी सरकार ने घर में घुसकर मारा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने हिमाचल के कांगड़ा संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। नड्डा ने कहा कि 10 साल पहले देश में मजबूर सरकार थी। मजबूर सरकार में आतंकवादी हमला करते थे और हमारे पीएमपाकिस्तान को डोजियर भेजते थे और कहते थे इन एक्शन करो। मोदी के नेतृत्व वाली मजबूत सरकार ने सर्जिकल स्ट्राइक करके घर में घुसकर आतंकवादियों को मारा। कश्मीर से धारा 370 को धराशायी किया। उन्होंने कहा कि मजबूर सरकार कश्मीर से आतंकवादियों के नेताओं को वार्ता के लिए बुलाती थी और बिरयानी खिलाती थी। उन्होंने कहा कि आपदा के समय हिमाचल को मोदी सरकार 1782 करोड़ रुपए दिए और यहां की सरकार ने उस राशि की बंटरबांट की।

खरगे का भाजपा पर आरोप

राम मंदिर-बुलडोजर के दावों से पीएम जनता को भड़का रहे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम नरेंद्र मोदी पर मतदाताओं को भड़काने का आरोप लगाया है।चुनाव आयोग से भाजपा नेता के बार-बार के दावों के बाद कार्रवाई करने का आह्वान किया कि विपक्षी इंडिया गुट सत्ता में आने पर राम मंदिर पर बुलडोजर चलाएगा। खरगे ने कहा कि हमने आज तक बुलडोजर का इस्तेमाल नहीं किया है। उन्होंने कहा कि आयोग को भड़काऊ भाषण देने वालों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। प्रधानमंत्री खुद ऐसा कर रहे हैं। वह लोगों को भड़का रहे हैं।

राय को नोटिस : वाराणसी लोकसभा से प्रत्याशी व कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को निर्वाचन से हेट स्पीट देने पर नोटिस जारी किया गया।

सीएम योगी का कांग्रेस पर जमकर प्रहार

कांग्रेस का घोषणापत्र मुस्लिम लीग का, ये गांधी की पार्टी नहीं

धुले। महाराष्ट्र के धुले में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा और उसके घोषणापत्र की तुलना मुस्लिम लीग से की। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस महात्मा गांधी की नहीं है। यह सोनिया और राहुल की कांग्रेस है। यह कांग्रेस का एक विकृत संस्करण है।अगर आप कांग्रेस का घोषणापत्र देखेंगे, तो आपको लगेगा कि यह मुस्लिम लीग का है, यह आपका (एससी, एसटी और ओबीसी) आरक्षण मुसलमानों को देना चाहते हैं। योगी ने मालेगांव में कहा कि औरंगजेब की आत्मा कांग्रेस में घुस गई है।

रेवन्ना स्कैंडलः भाजपा नेता का आरोप

डिप्टी सीएम शिवकुमार ने ऑफर किए थे 100 करोड़

जेल में बंद भाजपा नेता जी देवराजगौड़ा ने आरोप लगाया है कि कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने उन्हें जेडीएस के प्रदेश अध्यक्ष एच डी कुमारस्वामी पर हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना द्वारा कथित यौन उत्पीड़न के वीडियो वाले पेन ड्राइव को लीक करने का आरोप लगाने के लिए 100 करोड़ रुपएकी पेशकश की थी। उनके इस खुलासे से इस मामले में नया मोड़ आ गया है।

केसरगंज के सांसद

बृजभूषण ने चुनावी अखाड़े से किया संन्यास का ऐलान

केसरगंज। लोकसभा सदस्य और भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने चुनावी राजनीति से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि मैं अब जीवन में कभी भी चुनाव नहीं लड़ूंगा। मेरे पास करने के लिए कई सारे काम हैं। भाजपा ने इस बार उनके बेटे करण भूषण को चुनावी अखाड़े में उतारा है।

राजस्थान के मंत्री का सरकार पर आरोप

1146 करोड़ का लगेगा चूना!

जयपुर। राजस्थान सरकार में कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने सीएम भजनलाल शर्मा को एक पत्र लिखकर राज्य सरकार में खलबली मचा दी है। उन्होंने एक बहुमंजिला आवासीय परियोजना में अनियमितताओं का आरोप लगाया है। मंत्री के अनुसार इससे सरकारी खजाने को 1,146 करोड़ रुपए का नुकसान होने का आरोप है।

खबर संक्षेप

बोले कन्हैया कुमार- मैं डरने वाला नहीं हूं

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली से लोकसभा के लिए कांग्रेस उम्मीदवार कन्हैया कुमार पर शुक्रवार को चुनाव प्रचार के दौरान हमला किया गया। माला पहनाने के बहाने कुछ लोगों ने उन पर स्याही फेंक फिर थप्पड़ मारा। उन्होंने कहा, सांसद महोदय, आप कितने भी गुंडे भेजकर मुझ पर हमले करवा लीजिए, मैं डरने वाला नहीं हूं। मैं गांधी जी और बाबा साहब को मानने वाला हूं।

रिलायंस कैपिटल को बेचने 10 दिन का वक्त दें

मुंबई। उद्योगपति अनिल अंबानी ने कर्ज में डूबी रिलायंस कैपिटल (आरसीएपी) के लिए सबसे अधिक सफल बोली लगाने वाले हिंदुजा समूह की कंपनी को अभी अधिग्रहण के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ सकता है. दरअसल, अनिल अंबानी ने आरबीआई से हिंदुजा को आरसीएपी का मालिकाना हक देने की समय सीमा को 10 दिन और बढ़ाने की अपील की है।

बेटे-बहू और पोते को जलाने की कोशिश

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुर शहर के एक मोहल्ले में मकान के मालिकाना हक को लेकर परिवार में ही विवाद हो गया। पिता ने घर में सो रहे अपने बेटे, बहू और पोते को जलाने के लिए पेट्रोल डाल दिया। माचिस जलाने से पहले ही उसका बेटा जाग गया। उसने पिता पर हमला बोल दिया। थोड़ी देर में व्यक्ति का दूसरा पोता आ गया उसने दादा को पकड़ लिया।

वोटिंग प्रतिशत बढ़ने पर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा एडीआर

सीजेआई चंद्रचूड़ की पीठ ने कहा

जरूरत पड़ी तो रातभर सुनवाई के लिए बैठेंगे वैकेशन बेंच इस याचिका पर करेगी सुनवाई

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने ईवीएम रिप्लेस करने का लगाया आरोप

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से फाइनल वोटिंग परसेंटेज में हुई बढ़ोतरी को लेकर जवाब मांगा है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की थी और इस पर सुनवाई हुई।

एडीआर ने अपनी याचिका में आशंका जताई कि ईवीएम मशीनों को रिप्लेस किया जा सकता है ताकि फाइनल वोटिंग परसेंटेज बढ़ाया जाए। सोमवार से ही कोर्ट की गर्मी की छुट्टियों शुरू हो रही हैं लेकिन वेकेशन बेंच इस याचिका पर सुनवाई करेगी। वहीं चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने चुनाव आयोग को 24 मई तक जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। इसके अलावा कोर्ट ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो हम मामले की सुनवाई के लिए पूरी रात बैठेंगे।

पेपर से वोटिंग करवाने की भी अपील की

एडीआर ने अपनी याचिका में वोटिंग परसेंटेज को लेकर संदेह जताया है। साथ ही उसने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी संदेह जताया है। इसके अलावा एडीआर ने बैलट पेपर से वोटिंग करवाने की अपील की है। हालांकि चुनाव आयोग के वकील ने एडीआर की अर्जी पर सवाल खड़े किए।

चुनाव आयोग 24 मई तक जवाब दाखिल करे

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से पूछा सवाल

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से पूछा कि वेबसाइट पर मतदान के आंकड़ेडालने में क्या दिक्कत है? इस पर चुनाव आयोग के वकील ने कहा कि इसमें समय लगता है क्योंकि बहुत सारा डाटा इकट्ठा करना होता है। फिर चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि चुनाव आयोग को याचिका पर जवाब देने के लिए कुछ समय दिया जाना चाहिए। 25 मई को ही छठे चरण के लिए वोटिंग होगी लेकिन 24 मई को इस मामले पर सुनवाई होनी है।

चुनाव आयोग ने एडीआर के आरोपों को नकारा

चुनाव आयोग के वकील ने कहा कि एडीआर ने बिल्कुल गलत आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि एडीआर की ओर से वकील प्रशांत भूषण पेश हुए और वह सिर्फ इसलिए पेश हुए क्योंकि वे कोर्ट में कुछ लाना चाहते हैं। अदालत को इस पर विचार नहीं करना चाहिए।

मालीवाल से बदसलूकी मामला

बिभव से 23 सवालों के जवाब जानना चाहेगी दिल्ली पुलिस

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की राज्य सभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट मामले में आरोपी बिभव कुमार को शनिवार को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बिभव कुमार को सीएम आवास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार करने के बाद पुलिस बिभव को लेकर सिविल लाइंस ले गई। यहां बिभव कुमार से दिल्ली पुलिस कुछ जरूरी सवाल पूछ सकती है।

दिल्ली पुलिस के संभावित सवाल

- स्वाति मालीवाल कितने बजे सीएम आवास पहुंचीं?
- आपको किसने जानकारी दी कि समालीवाल सीएम आवास में हैं?
- आप उस वक्त कहां थे?
- क्या स्वाति ने सीएम से मिलने से पहले अपॉइंटमेंट लिया था या फिर आने की जानकारी दी थी?
- आप जब ड्राइंग रूम में पहुंचे वहां कौन-कौन था?
- वहां पहुंचते ही आपके और स्वाति के बीच क्या बात हुई?
- उस वक्त स्वाति मालीवाल ड्राइंग रूम में कहां बैठी थीं?
- क्या आपके और स्वाति के बीच वहां झगड़ा हुआ? हुआ तो वजह क्या थी?
- क्या आपने सालीवाल पर हाथ उठाया था?
- क्या आपने स्वाति को चांटा मारा और सिर सेंटर टेबल पर मारा?
- क्या आपने उनकी शर्ट खिंची और लात मारी?
- आप दोनों के बीच ये बहस कितनी देर तक चली?
- क्या सीएम आवास की सिक्योरिटी को ड्राइंग रूम में बुलाया या फिर शोर सुनकर वो खुद वहां पहुंची?
- क्या उस वक्त सीएम केजरीवाल भी बंगले के अंदर मौजूद थे?
- क्या आपने इस बात की जानकारी तुरंत सीएम केजरीवाल को दी?
- बंगले पर उस वक्त कौन-कौन मौजूद था?

मुक्तसर में दर्दनाक दुर्घटना

बरसी समागम के दौरान गैस सिलेंडर फटने से 7 लोग झुलसे

एजेंसी ▶▶ श्री मुक्तसर साहिब

मुक्तसर के गिद्दड़बाहा में डेरा सिद्ध बाबा गंगा राम में चल रहे बरसी समागम दौरान सिलेंडर फट जाने से डेरे के 7सेवादार झुलस गए। घायलों को सिविल व निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। यहां से 5 को बठिंडा रेफर कर दिया गया है। डा.राजीव जैन के मुताबिक बठिंडा रेफर किए गए 5में तीन सेवादार 60-70 फीसद झुलसे हैं। धमाके की आवाज सुन कर श्रद्धालु भयभीत हो गए और अफरा-तफरी मच गई।

सिलचर के कंप्यूटर इंस्टीट्यूट में आग

कछार। असम के कछार जिले के सिलचर शहर के श्यामा प्रसाद रोड स्थित एक कोचिंग संस्थान, वसुंधरा अपार्टमेंट में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लग गई। इसके बाद छात्रों को पता चला कि वे नीचे नहीं जा सकते तो सभी लोग अपार्टमेंट की छत पर भाग गए। लोगों ने सीढ़ियों का इंतजाम किया और छात्रों को छत से नीचे उतारा गया।

चुनाव में सी विजिल एप पर 4 लाख 24 हजार शिकायतें मिलीं

चुनाव आयोग ने किया दावा

99 फीसदी से ज्यादा मामलों का किया निराकरण

89 फीसदी शिकायतों का समाधान 100 मिनट की समयसीमा के भीतर किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव 2024 की घोषणा के बाद से 15 मई तक भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के लाखों मामले को रिकॉर्ड समय में निपटाने का दावा किया है।

ईसीआई की ओर से शनिवार को बताया गया कि आम चुनाव 2024 की घोषणा के बाद से, 15 मई, 2024 तक के सीविजिल एप के माध्यम से 4.24 लाख से अधिक शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इनमें से 4,23,908 शिकायतों का निपटारा किया जा चुका है।

409 मामले भी निपटारे की प्रक्रिया में

चुनाव आयोग ने कहा कि बाकी बचे 409 मामले भी निपटारे की प्रक्रिया में हैं। इस तरह देखें तो अब तक लगभग 99 फीसदी से ज्यादा शिकायतों का समाधान कर दिया गया है। चुनाव आयोग का दावा है कि इनमें से 89 फीसदी शिकायतों का समाधान 100 मिनट की समयसीमा के भीतर किया गया है। इससे पहले चुनाव आयोग ने इस तरह की जानकारी 29 मार्च को दी थी। हालांकि, तब सीविजिल ऐप के जरिए मिली शिकायतों की संख्या 79 हजार थी।

अवैध होर्डिंग्स और बैनरों के खिलाफ सबसे ज्यादा शिकायतें आईं

चुनाव आयोग को सीविजिल एप के माध्यम से मिलने वाली आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से जुड़ी शिकायतों में अब तक सबसे ज्यादा शिकायतें अवैध होर्डिंग्स और बैनरों के खिलाफ रही हैं। इसके बाद चुनाव के दौरान राजनीतिक पार्टियों या उम्मीदवारों की ओर से पैसे, तोहफे और शराब बांटने से जुड़ी शिकायते थीं। कुछ शिकायतें निजी और सरकारी संपत्तियों को खराब करने से जुड़े थे।

कई और शिकायतें दर्ज की

इसके अलावा हथियारों के प्रदर्शन और धमकी देने, तय समय पर प्रचार खत्म नहीं करने, इजाजत की समय सीमा के बाद स्पीकर के इस्तेमाल की शिकायतें भी शामिल हैं। 16 मार्च को 2024 के देश में 18वीं लोकसभा के लिए आम चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की गई थी। 4 जून को चुनाव के नतीजे घोषित किए जाएंगे।

सेमीकंडक्टर चिप्स के निर्माण की दौड़ में भारत भी शामिल | अमेरिकी कंपनी माइक्रोन 2027 से उत्पादन शुरू करेगी | धोलेरा में 28 नैनोमीटर से लेकर 14 नैनोमीटर तक के चिप्स बनाए जाएंगे

गुजरात के धोलेरा में बन रहा 'मिनी ताइवान' साणंद व असम में उत्पादन संयंत्र ले रहा आकार

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

चीन का पड़ोसी छोटा सा देश ताइवान आज पूरी दुनिया को सेमीकंडक्टर चिप्स की आपूर्ति कर रहा है। चिप्स की बढ़ती मांग के चलते अब अमेरिका, जापान जैसे देश भी चिप्स संयंत्र का तेजी से विस्तार कर रहे हैं। अब इस रेस में भारत भी शामिल हो चुका है। भारत में गुजरात और असम में सेमीकंडक्टर चिप्स के संयंत्र तैयार हो रहे हैं। गुजरात में दो संयंत्र बनने हैं, एक साणंद में और दूसरा धोलेरा में। तीसरा संयंत्र असम में बनाया जाएगा। धोलेरा का संयंत्र तो ताइवान की मदद से ही तैयार किया जा रहा है। इन संयंत्र के तैयार हो जाने के बाद देश के इंजीनियर्स को भारत से बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

धोलेरा में लग रहे संयंत्र की लागत 91 हजार करोड़ रुपए

असम में लग रहे संयंत्र की लागत 27 हजार करोड़ रुपए

ताइवान की कंपनी है पार्टनर

टाटा ग्रुप और ताइवान की पॉवचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉर्पोरेशन (पीएसएमसी) धोलेरा में 91 हजार करोड़ रुपए की लागत से संयंत्र लगा रहे हैं। मार्च-2024 में पीएम नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली इस संयंत्र का शिलान्यास किया था। इस संयंत्र में 28 नैनोमीटर से लेकर 14 नैनोमीटर तक के चिप्स बनाए जाने हैं। इन चिप्स का इस्तेमाल टैबलेट, लैपटॉप, स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक वाहन में होगा।

माइक्रोन साणंद में संयंत्र लगाएगी

अमेरिकी कंपनी माइक्रोन साणंद में संयंत्र लगाएगी। इसके लिए अगस्त-2023 में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की मौजूदगी में एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस एमओयू से पहले जुलाई-2023 में पीएम नरेंद्र मोदी अमेरिका गए थे और वहां माइक्रोन कंपनी ने गुजरात में संयंत्र लगाने का ऐलान किया था। संयंत्र के निर्माण का काम 2027 तक पूरा हो जाएगा।

जापान-थाईलैंड का संयुक्त उद्यम

जापान की रेनेसास इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन और थाईलैंड की स्टार माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ मिलकर गुजरात के साणंद में संयंत्र बनाएगी। यह सेमीकंडक्टर संयंत्र 7,600 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा। यहां हर दिन 1.5 करोड़ चिप्स बनाए जा सकते हैं। इससे प्रत्यक्ष रूप से 20 हजार और अप्रत्यक्ष रूप से 60 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।

सेमीकंडक्टर पॉलिसी

गुजरात सरकार ने 2022 से 2027 तक के लिए सेमीकंडक्टर नीति बनाई है और यह नीति बनाने वाला वह भारत का पहला राज्य बन गया है। गुजरात सेमीकंडक्टर नीति 2022-27' के तहत सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को सब्सिडी और प्रोत्साहन दिया जाएगा। परियोजना के लिए कुल 75 प्रतिशत सब्सिडी और भूमि खरीद पर जीरो स्टांप शुल्क की योजना बनाई गई है।

असम में प्रतिदिन 4.8 करोड़ चिप्स

टाटा ग्रुप की टाटा सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट प्राइवेट लिमिटेड (टीएसएटी) गुजरात के अलावा असम के मोरीगांव में 27 हजार करोड़ रुपए के निवेश से संयंत्र लगा रही है। इस संयंत्र में रोजाना 4.8 करोड़ चिप्स बनाने की क्षमता होगी। मार्च 2024 में पीएम नरेंद्र मोदी ने इसका भूमिपूजन किया था

धोलेरा में स्पेशल इंवेस्टमेंट रीजन

अहमदाबाद से करीब 100 किमी की दूरी पर धोलेरा में स्पेशल इंवेस्टमेंट रीजन (एसआईआर) प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। यहां इतनी बड़ी जगह है कि अहमदाबाद से भी बड़ा शहर बसने वाला है। यहां सिंगापुर जैसा अत्याधुनिक शहर बसाया जा रहा है। जैसे ताइवान का सिंचू वैश्विक सेमीकंडक्टर हब बन गया है, वैसे ही धोलेरा भी गुजरात का सेमीकंडक्टर हब बनेगा। सिर्फ सेमीकंडक्टर ही नहीं, कई व्यवसाय यहां आएंगे। इसमें डिफेंस, एविएशन, फार्मास्यूटिकल्स, एग्रो और फूड प्रोसेसिंग, हाईटेक इंजीनियरिंग जैसे बिजनेस शामिल होंगे। सड़कों का काम पूरा हो चुका है और कई छोटे संयंत्र भी शुरू हो चुके हैं।

खबर संक्षेप

ट्रक के खड्डे में गिरने से पाक में 13 की मौत

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में शनिवार को एक मिनी ट्रक के सड़क से फिसलकर खड्ड में गिर जाने से पांच बच्चों सहित एक ही परिवार के 13 लोगों की मौत हो गई और नौ घायल हो गए। बताया कि वाहन खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू जिले से पंजाब के खुशाब जिले की ओर आ रहा था, तभी यह हादसा हुआ। तेज गति के कारण चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया।

पीएम ने दीं जन्मदिन की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा के जन्मदिन पर उन्हें बधाई दी। पीएम मोदी ने कहा कि जगदीप धनखड़ हमेशा नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में काम करते हैं। पूर्व पीएम देवेगौड़ा के जुनून की सराहना करते हुए कहा कि देश के प्रति उनकी सेवा के लिए सभी राजनीतिक वर्ग में उनका सम्मान है।

गुवाहाटी हाईकोर्ट के दो जजों को करें स्थायी

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने केंद्र से गुवाहाटी हाईकोर्ट के दो न्यायाधीश को स्थायी करने की सिफारिश की है। इसके अलावा, न्यायाधीश राजेश सेखरी को इस साल 29 जुलाई से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट का अतिरिक्त न्यायाधीश बनाने का सुझाव दिया है।

अमेरिका ने पीएम मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की

विश्व में भारत से अधिक जीवंत लोकतंत्र कोई नहीं, भारत के साथ हमारा रिश्ता बेहद करीबी

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

जॉन किर्बी ने मतदान के अधिकार का प्रयोग करने के लिए भारत के लोगों की सराहना करते हुए कहा कि दुनिया में भारत से ज्यादा जीवंत लोकतंत्र नहीं है। उन्होंने कहा कि हम भारतीय लोगों की वोट देने की उनकी क्षमता और उनकी भावी सरकार में आवाज उठाने की क्षमता की सराहना करते हैं।

व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने मतदान के अधिकार का प्रयोग करने के लिए भारत के लोगों की सराहना करते हुए कहा कि दुनिया में भारत से ज्यादा जीवंत लोकतंत्र नहीं हैं। हम भारतीय लोगों की वोट देने की उनकी क्षमता और उनकी भावी सरकार में आवाज उठाने की क्षमता की सराहना करते हैं।

व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि निश्चित रूप से हम पूरी मतदान प्रक्रिया के दौरान उनके (भारत) अच्छे होने की कामना करते हैं। जॉन किर्बी चल रहे भारतीय चुनावों पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा कि भारत में 96 करोड़ लोग वोटिंग प्रक्रिया का हिस्सा बन रहे हैं, जो 2,660 रजिस्टर्ड पार्टियों के कैंडिडेट को चुनने वाले हैं। भारतीय हजारों उम्मीदवारों में से 545 संसद सदस्यों का चुनाव चुनाव करने के लिए दस लाख मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का प्रयोग प्रशंसनीय हैं।

- *भारत-अमेरिका ने इंडो-पैसिफिक क्वाड का विस्तार किया*
- *दोनों देश नई प्रौद्योगिकियों पर मिलकर काम कर रहे*
- *दोनों देशों की सेनाएं भी कई युद्ध अभ्यास में हिस्सा ले चुकी*
- *संबंध लगातार घनिष्ठ हो रहे*

भारत, ब्रिटेन ने 'रोडमैप 2030' की समीक्षा की

नई दिल्ली। विदेश सचिव विनय क्वात्रा की दो दिवसीय लंदन यात्रा के दौरान भारत-ब्रिटेन 'रोडमैप 2030' की व्यापक समीक्षा की गई। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। दोनों पक्ष व्यापार, रक्षा और सुरक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने पर भी सहमत हुए। भारत और ब्रिटेन के बीच विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) के 16वें दौर में भाग लेने के लिए विदेश सचिव ने 16 से 17 मई तक लंदन का दौरा किया। भारत और ब्रिटेन ने व्यापार एवं अर्थव्यवस्था, रक्षा और सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन के क्षेत्रों में संबंधों का विस्तार करने के लिए 2021 में 10 वर्षीय 'रोडमैप' अपनाया था। एफओसी में, विदेश सचिव ने ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) में स्थायी अवर सचिव सर फिलिप बार्टन के साथ बातचीत की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं और परस्पर हित के क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। मंत्रालय ने कहा कि विदेश सचिव और (ब्रिटेन के) स्थायी अवर सचिव ने रोडमैप 2030 की विस्तृत समीक्षा की।

पीएम मोदी के नेतृत्व के लिए आभारी

किर्बी ने कहा कि आपने इसे राजकीय दौरे (अंतिम दौरे) पर देखा था। हमने सभी प्रकार की नई पहलें शुरू कीं, महत्वपूर्ण नई प्रौद्योगिकियों पर एक साथ काम कर रहे हैं। हमने और इंडो-पैसिफिक क्वाड की प्रासंगिकता को बढ़ाया और विस्तारित किया, जिसका भारत एक हिस्सा है। दोनों देशों की सेनाएं भी कई युद्ध अभ्यास में हिस्सा ले चुकी हैं। यह बहुत जीवंत, बहुत सक्रिय साझेदारी है। इसके लिए हम पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के लिए आभारी हैं।

भारत से संबंध घनिष्ठ हो रहे

जॉन किर्बी ने कहा कि भारत-अमेरिका संबंध प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तहत विशेष रूप से बाइडेन प्रशासन के पिछले तीन वर्षों के दौरान मजबूत हुए हैं। भारत के साथ हमारा रिश्ता बेहद करीबी है और लगातार घनिष्ठ होता जा रहा है। राष्ट्रपति जो बाइडेन पीएम नरेंद्र मोदी के साथ दोस्ती और गहरी करना चाहते हैं।

किर्गिस्तान के बिश्मेक में भड़की हिंसा

पाक छात्रों को पीटा, भारत ने 'अपनों' को सतर्क किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मध्य एशियाई देश किर्गिस्तान के बिश्मेक में मेडिकल की पढ़ाई करने गए भारतीय और पाकिस्तानी छात्रों की जान खतरे में पड़ गई है।

किर्गिस्तान से खबर आई है कि वहां स्थानीय लोगों ने तीन पाकिस्तानी छात्रों को पीट-पीटकर मार डाला। स्थानीय लोग अन्य पाकिस्तानी छात्रों को भी निशाना बना रहे हैं।

चूंकि भारतीय और पाकिस्तानी दिखने में एक जैसे लगते हैं, इसलिए भारतीय छात्रों के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। ऐसे हालात में भारतीय विदेश मंत्रालय ने किर्गिस्तान में रहने वाले भारतीय छात्रों के लिए एडवाइजरी जारी की है और उन्हें सतर्क रहने और हास्टल के बाहर नहीं जाने की सलाह दी है।

दूतावास छात्रों के संपर्क में

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारतीय छात्रों को भारतीय दूतावास के साथ नियमित संपर्क में रहने की सलाह दी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि बिश्केक में भारतीय छात्रों के कुशल-क्षेम पर नजर रखी जा रही है। अब स्थिति शांत बताई जा रही है। मैं छात्रों को दूतावास के नियमित संपर्क में रहने की सलाह देता हूं। भारतीय दूतावास ने कहा कि किसी भी समस्या के मामले में दूतावास से संपर्क करें। हमारा 24×7 संपर्क नंबर 0555710041 है। हम अपने छात्रों के संपर्क में हैं। स्थिति फिलहाल शांत है।

स्थानीय लोगों से लड़ाई विवाद के पीछे की वजह

राजधानी बिश्केक में 13 मई को एक कॉलेज के हास्टल में मिस्र के कुछ मेडिकल छात्रों की किर्गिज के स्थानीय लोगों से लड़ाई हो गई। विवाद बढ़ने पर उनके बीच मारपीट शुरू हो गई। स्थानीय लोगों के हस्तक्षेप के बाद पुलिस ने कई लोगों को गिरफ्तार कर लिया। जो असली गुनहगार थे, वे नहीं पकड़े गये। इससे लोगों का गुस्सा और बढ़ गया। इस दौरान कुछ स्थानीय लोग बगल के हॉस्टल में रह रहे पाकिस्तान के छात्र-छात्राओं के कमरे में घुसकर तोड़फोड़ करने लगे और जो छात्र सामने मिला उसकी पिटाई की।

राजभवन में छेड़छाड़ का मामला

पुलिस ने तीन अधिकारियों के खिलाफ दर्ज की एफआईआर

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

राज्यपाल सीवी आनंद बोस पर छेड़छाड़ का आरोप लगाने वाली महिला को कथित तौर पर गलत तरीके से रोकने के आरोप में राजभवन के तीन अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

महिला का आरोप

पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता महिला को 2 मई को गलत तरीके से रोककर राजभवन छोड़ने से रोकने के लिए तीन अधिकारियों को एफआईआर में शामिल किया गया है। हम उस शाम उनकी भूमिका की जांच करेंगे। 2 मई को महिला ने बोस पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया था जिसके बाद कोलकाता पुलिस ने जांच शुरू की थी। संविधान के अनुच्छेद 361 के तहत, किसी राज्यपाल के खिलाफ उसके कार्यकाल के दौरान कोई आपराधिक कार्यवाही शुरू नहीं की जा सकती है।

खाद्य पदार्थों में कीटनाशकों का उपयोग

केंद्र व एफएसएसएआई से सुप्रीम कोर्ट ने मांगा जवाब

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को खाद्य फसलों और खाद्य पदार्थों पर

कीटनाशकों और अन्य रासायनिक कीटनाशकों के उपयोग व अत्यधिक उपयोग के संबंध में याचिका पर नोटिस जारी किया। कोर्ट ने खाद्य पदार्थों में कृत्रिम रसायनों के अत्यधिक उपयोग को लेकर केंद्र सरकार और भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) से जवाब मांगा। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने पर्यावरणविद् और वकील आकाश वशिष्ठ द्वारा दायर याचिका में उठाए गए मुद्दों पर विचार करने के लिए सहमत हुए। याचिका में कहा गया कि कीटनाशक युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन देश भर में कैंसर और अन्य घातक बीमारियों का प्रमुख कारण बन गया है। सीजेआई ने कहा कि हम नोटिस जारी करेंगे।

नीट पेपर सॉल्वर गिरोह का भंडाफोड़

2 मेडिकल छात्र समेत 4 गिरफ्तार पटना से राजस्थान तक जुड़े हैं तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम यानी नीट की परीक्षा देश की सबसे बड़ी और कठिनमत परीक्षाओं में से एक है।

हर साल लगभग 23 से 24 लाख उम्मीदवार मेडिकल कोर्स में एडमिशन के लिए नेशनल एलिबिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट यूजी) में बैठते हैं। उम्मीदवारों की इतनी बड़ी संख्या होने की वजह से परीक्षा को लेकर कई कड़े सुरक्षा इंतजाम किए जाते हैं, बावजूद इसके कुछ लोग 05 मई को आयोजित हुई नीट परीक्षा सेंधमारी करने में कामयाब हो गए। हालांकि दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सॉल्वर गैंग के चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

कई शहरों में छापेमारी

दिल्ली पुलिस के मुताबिक बीती 5 मई को भारतीय विद्या भवन मेहता विद्यालय में नीट परीक्षा के दौरान दो छात्रों का बायोमेट्रिक डेटा मैच नहीं हो रहा था, उन्हें पकड़ा गया। इसके बाद तिलक मार्ग थाने में केस दर्ज किया गया। स्पेशल की टीम ने इसकी जांच शुरू की। टीम बाकी आरोपियों का पता लगाने के लिए दिल्ली, अलवर, जयपुर और नोएडा में सिलसिलेवार छापे मार रही है।

4 मोबाइल फोन, 1 कार जब्त

नई दिल्ली डीसीपी देवेश कुमार महला के मुताबिक, नीट के एग्जाम के दौरान नकल पर बड़ी कार्रवाई करते हुए स्पेशल स्टाफ ने पेपर सॉल्व करने वाले रैकेट में शामिल 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में सरकारी मेडिकल कॉलेजों के 2 एमबीबीएस छात्रों के साथ-साथ वो लोग भी शामिल हैं, जिन्होंने इस साजिश में उनकी मदद की। कार्रवाई के दौरान 4 मोबाइल फोन और 1 कार जब्त की।

भारत-ऑस्ट्रेलिया-इंडोनेशिया के बीच त्रिपक्षीय कार्यशाला आयोजित

समुद्री सुरक्षा गतिविधियों में सहभागिता तथा सहयोग बढ़ाने पर बनी सहमति

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत-ऑस्ट्रेलिया-इंडोनेशिया त्रिपक्षीय समुद्री सुरक्षा कार्यशाला (टीएमएसडब्ल्यू) के दूसरे संस्करण का आयोजन 15 से 17 मई, 2024 तक कोच्चि में आईएनएस द्रोणाचार्य पर किया गया था। रक्षा मंत्रालय के अनुसार इस कार्यशाला का मुख्य विषय 'हिंद महासागर क्षेत्रः क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा बढ़ाने के लिए सहयोगात्मक प्रयास' पर केंद्रित था, जिसे इस समुद्री क्षेत्र में तीन समुद्री पड़ोसी देशों के बीच वर्तमान में चल रही समुद्री सुरक्षा गतिविधियों से संबंधित चुनौतियों एवं सहयोग के अवसरों पर चर्चा करने के लिए चुना गया था। यह महत्वपूर्ण कार्यशाला दक्षिणी नौसेना कमान मुख्यालय के मार्गदर्शन में आयोजित की गई थी और इसमें भाग लेने वाली तीन देशों की नौसेनाओं के प्रतिनिधियों की व्यापक भागीदारी देखी गई।

भारत और यूएई के बीच बैठक संपन्न

भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईईसी) दक्षता पैदा करने और लागत कम करने के लिए प्रभावी वैकल्पिक मार्ग प्रदान करेगा। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने खलीफा बंदरगाह, फुजैरा बंदरगाह और जेबेल अली बंदरगाह का दौरा किया। उन्होंने माल की आवाजाही सुविधाजनक बनाने के लिए संबंधित बंदरगाह अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की।

इनकी रही खास उपस्थिति

कार्यशाला की अध्यक्षता नौसेना स्टाफ के सहायक प्रमुख (एफसीआई) रियर एडमिरल निर्भय बापना ने की। आयोजन की सह-अध्यक्षता रॉयल ऑस्ट्रेलियन नेवी के कमोडोर फ्लोटिलास, कमोडोर पॉल ओ'ग्राडी, टीएनआई (एएल) से सीआईसी इंडोनेशियाई फ्लीट कमांड के संचालन के लिए सहायक एफएडीएम हेरी ट्रिविबोवो और भारतीय नौसेना के कमोडोर (विदेशी सहयोग) कमोडोर मनमीत एस खुराना द्वारा की गई।

सूचना तंत्र व क्षमता बढ़ाएंगे

कार्यशाला में सभी चर्चाएं हिंद महासागर क्षेत्र में वर्तमान अवसरों और चुनौतियों पर केंद्रित थीं। जिसमें आईएफसी-आईओआर की सूचना विनिमय तंत्र व क्षमताएं, समुद्री डोमेन जागरूकता, गैर-पारंपरिक एवं अवैध समुद्री गतिविधियां, समुद्री कानून प्रवर्तन, क्षमता वृद्धि और क्षमता निर्माण, पारस्परिक सहभागिता तथा सहयोग बढ़ाने के मार्ग आदि शामिल हैं।

सिंगापुर में कोविड-19 की नई लहर

लगातार बढ़ रही कोरोना मरीजों की संख्या मास्क पहनने व घर में रहने की

एजेंसी ▶▶ सिंगापुर

सिंगापुर में लगातार बढ़ रहे कोरोना के मामलों ने दुनिया के दूसरे देशों में भी डर पैदा करना शुरू कर दिया है। 5 से 11 मई के बीच करीब 26000 मामले सामने आए। सिंगापुर के स्वास्थ्य मंत्री ओंग ये कुंग ने मास्क पहनने की सलाह दी है। मंत्री के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया है

रोज 250 केस आ रहे

स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि जून के मध्य और अंत के बीच सिंगापुर में एक नई लहर देखने को मिलेगी। कोरोना महामारी के रोजाना आने वाले मामले 181 से बढ़कर लगभग 250 हो गए हैं। मंत्रालय ने कहा कि बिस्तर की क्षमता को बचाने के लिए नए कदम उठाए जा रहे हैं। सार्वजनिक अस्पतालों को अपने गैर-जरूरी वैकल्पिक सर्जरी के मामलों को कम करने और उपयुक्त रोगियों को संक्रमणकालीन देखभाल सुविधाओं में स्थानांतरित करने को कहा गया है। बीमार व्यक्ति की घर पर देखभाल करें।

ऐश्वर्या, कियारा और उर्वशी ने ढाया कहर

कान्स फिल्म फेस्टिवल

पेरिस। 77वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में ऐशवर्या राय बच्चन अपना जादू चला रही हैं। दूसरे दिन उन्होंने अपने स्टाइलिश लुक से सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। ऐश्वर्या राय ने चल रहे कांस फिल्म फेस्टिवल में अपने पहले दिन के लुक से खूब लाइमलाइट बटोरीं तो वहीं अब एक्ट्रेस के दूसरे दिन का लुक भी चर्चा में बना हुआ है। अपनी खूबसूरती ही नहीं बल्कि फैशन सेंस के लिए भी दुनियाभर में मशहूर ऐश्वर्या राय ने कांस के दूसरे दिन बहुत ही यूनिक गाउन पहना हुआ था। पिछले 22 साल से कांस फिल्म फेस्टिवल में अपने स्टाइल और डिफरेंट आउटफिट से लोगों का दिल जीतने वाली भारतीय अभिनेत्री ऐश्वर्या राय का दूसरे दिन का लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह एकदम नए लुक में नजर आ रही हैं। ऐश्वर्या ने कांस के सेकंड डे अपीयरेंस में सिल्वर और ब्लू कलर का गाउन पहना था, जिसमें वह बला की खूबसूरत दिख रही हैं।

रौतेला पिंक गाउन में दिखीं सुपर स्टाइलिश

इन-दिनों उर्वशी रौतेला कान्स फिल्म फेस्टिवल 2024 के लिए फ्रेंच रिवेरा में हैं। एक्ट्रेस ने रेड कार्पेट पर वॉक किया। पिंक गाउन में वह बेहद ग्लैमरस लग रही हैं। उर्वशी रौतेला ने कान्स फिल्म फेस्टिवल 2024 में खालिद एंड मारवान लेबल की ओर से डिजाइन किए गए गुलाबी गाउन में अपनी पहली उपस्थिति दर्ज की। गाउन के चारो ओर फेदर लगे हुए थे, वहीं उन्होंने माथे पर हेयरबैंड लगाया हुआ था।

यूनिक गाउन से खींचा ध्यान

पहले दिन मोनोक्रोमैटिक गाउन से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचने वाली ऐश्वर्या राय ने कांस के दूसरे दिन अपने सिल्वर और ब्लू कलर के यूनिक गाउन में अपनी अदाओं से एक बार फिर महफिल लूट ली। एक हाथ में चोट लगे होने के बावजूद ऐश्वर्या राय बच्चन ने रेड कार्पेट पर अपने लुक्स से सभी को दीवाना बना दिया।

आन्या टेलर जॉय-क्रिस हेम्सवर्थ ने रेड कार्पेट पर बिखेरा जलवा

फ्रांस में आयोजित 77वें कान फिल्म फेस्टिवल खूब सुर्खियों में छाया हुआ है। पूरी दुनिया के सिने प्रेमियों को कान फिल्म फेस्टिवल का बेसब्री से इंतजार रहता है। 14 मई को बड़ी धूमधाम और ग्लैमर के साथ कान फिल्म फेस्टिवल का उद्घाटन हुआ। इस दौरान हॉलीवुड के कई कलाकार 'फ्यूरियोसा: ए मैड मैक्स सागा' के प्रीमियर के लिए इकट्ठा हुए। इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने वाले सितारों में आन्या टेलर जॉय और क्रिस हेम्सवर्थ की जोड़ी भी दिखाई दी। जॉर्ज मिलर के निर्देशन में बनी यह फिल्म 2015 की मैड मैक्स फ्रेंचाइजी की पांचवीं फिल्म फ्यूरियोसा 2015 की ऑस्कर विजेता हिट 'मैड मैक्स: फ्यूरी रोड' पर आधारित है। पिछली फिल्म में इम्पीरेटर फ्यूरियोसा के रूप में चार्लीज थेरॉन ने मुख्य भूमिका निभाई थी। नई फिल्म फ्यूरियोसा यानी आन्या टेलर जॉय पर केंद्रित है, जिसे उनके बचपन में वारलॉर्ड डिमेंटस यानी क्रिस हेम्सवर्थ द्वारा अपहरण कर लिया गया था और वे कई माताओं के ग्रीन प्लेस में अपने घर वापस जाने का रास्ता खोजने के लिए खुद को तैयार करती हैं।

टीवी मसाला

तारक मेहता के 'रोशन सिंह सोढ़ी' 25 दिन बाद घर वापस लौटे...

मुंबई। लोकप्रिय टीवी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में रोशन सिंह सोढ़ी की भूमिका निभाने के लिए प्रसिद्ध गुरुचरण सिंह, जो 22 अप्रैल से लापता थे। शुक्रवार को घर लौट आए हैं। कई दिनों तक

गायब रहने के बाद अभिनेता खुद ही वापस घर लौट आए हैं। परिवार वालों ने दिल्ली में उनकी गुमशुदगी की एफआईआर दर्ज करवाई थी। वापस लौटने पर सोढ़ी से पुलिस ने पूछताछ की। दिल्ली पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज किया था और अभिनेता की तलाश के लिए जांच चल रही थी। पुलिस के मुताबिक गुरुचरण ने पूछताछ के दौरान अधिकारियों को बताया कि वह अपना सांसारिक जीवन छोड़ चुके हैं और धार्मिक यात्रा पर हैं। पुलिस ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में वह अमृतसर और लुधियाना जैसे कई शहरों में गुरुद्वारों में रुके थे, लेकिन बाद में उन्हें एहसास हुआ कि उसे घर लौट जाना चाहिए। 22 अप्रैल को अभिनेता को दिल्ली से मुंबई के लिए फ्लाइट पकड़नी थी। हालांकि, वह फ्लाइट में नहीं चढ़े और लापता हो गए। उनका फोन नंबर 24 अप्रैल तक सक्रिय था, जिसके जरिए कई लेनदेन किए गए थे, जैसा कि पुलिस जांच से पता चला है। जिस दिन वह लापता हुए, उस दिन के सीसीटीवी फुटेज में अभिनेता को अपनी पीठ पर एक बैग लेकर चलते हुए देखा गया है।

जीत का जज्बा लेकर 'खतरों के खिलाड़ी 14' में जा रही हैं शिल्पा

मुंबई। 'खतरों के खिलाड़ी 14' का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। रोहित शेट्टी के इस रोमांचकारी शो में टीवी के सितारे खतरों से खेलते हुए दिखाई देते हैं। इसमें हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों को लेकर भी चर्चाओं का बाजार अक्सर गर्म रहता है। इस बार शिल्पा शिंदे भी शो में शिरकत करने वाली हैं। अभिनेत्री ने शो में हिस्सा लेने को लेकर अपना अनुभव साझा किया है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा। शिल्पा शिंदे से पूछा गया कि शो के लिए वह कैसे तैयारी कर रही हैं। इस पर अभिनेत्री ने कहा, मैं अच्छा खाना खा कर और अच्छी नींद लेकर तैयारी कर रही हूं क्योंकि मुझे नहीं पता कि वहां कैसा खाना मिलेगा। तो मैं उससे एनर्जी ले रही हूं। बाकी मैं वहां जाने के लिए काफी उत्सुक हूं और अब आगे देखते हैं कि क्या होता है।

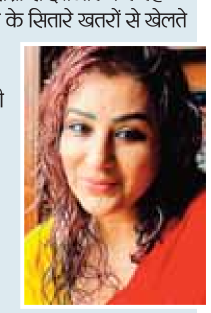

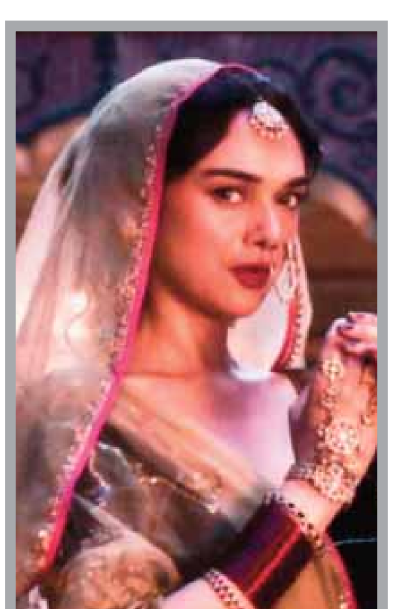

गजगामिनी चाल देख फैंस हुए दीवाने

मुंबई। संजय लीला भंसाली की पहली वेब सीरीज हीरामंडी: द डायमंड बाजार में अदिति राव की एक्टिंग का हर कोई दीवाना हो गया है। सीरीज में अदिति के रोल को बेहद पसंद किया गया। अब उनके रोल से भी ज्यादा वायरल हो रही है उनकी गजगामिनी चाल। एक्ट्रेस ने वायरल हो रही अपनी वीडियो क्लिप पर रिएक्ट किया है। खास बातचीत में अदिति राव हैदरी ने बताया कि उन्हें नहीं पता था कि इस चाल को क्या कहते हैं क्योंकि भरतनाट्यम डांसर के रूप में उन्होंने ऐसा कभी कुछ नहीं सीखा था। उन्होंने बताया कि इस वॉक को संजय लीला भंसाली ने उनसे करने को कहा था। अदिति ने कहा, "वो किसी से पूछना चाहती हैं, संजय सर, मेरे डांस टीचर कि ये क्या है। क्या ये गजगामिनी चाल या स्वान वॉक है। यह कौन सी वॉक है जो मुझे नहीं पता है।"

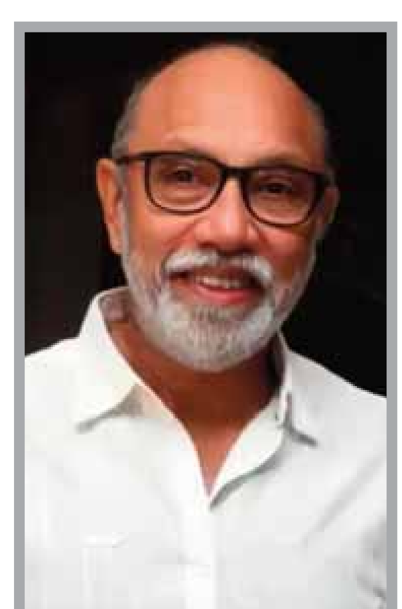

'बाहुबली' के कटप्पा बनेंगे पीएम मोदी

मुंबई। साउथ अभिनेता सत्यराज अपनी दमदार अदाकारी के लिए जाने जाते हैं। वे कई फिल्मों में अपने अभिनय का जौहर दिखा चुके हैं। उन्होंने प्रभास अभिनीत फिल्म फ्रेंचाइजी 'बाहुबली' में कटप्पा का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीत लिया था। यह सत्यराज के करियर की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका थी। वहीं, अब चर्चा है कि सत्यराज एक और महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हैं। दरअसल, सोशल मीडिया पर अभिनेता की अगली फिल्म को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। वे अगली बार बायोपिक में नजर आने वाले हैं और खबर है यह कि बायोपिक में सत्यराज वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि, ये अफवाहें इंटरनेट पर तेजी से फैली हुई हैं। अभी इन खबरों की पुष्टि होना बाकी है।

करियर की खातिर इन अभिनेत्रियों ने छुपाई पहचान नाम बदलकर फैंस के दिलों पर कर रहीं राज

***मुंबई।** टीवी अभिनेत्रियों के चाहने वाले बॉलीवुड अभिनेत्रियों से कम नहीं हैं। टीवी हसीनाओं के भी लाखों में फैंस हैं, जिन्हें उनके बारे में हर बात जानने की खूब दिलचस्पी रहती है। सोशल मीडिया पर इन अभिनेत्रियों की तस्वीरें आते ही छा जाती हैं। मगर इन अभिनेत्रियों को ये पहचान यूं ही हासिल नहीं हुई है। इसके लिए इन्होंने कड़ी मेहनत की है। तब जाकर ये मुकाम हासिल हुआ है। वहीं, कई अभिनेत्रियों ने तो करियर की खातिर अपना नाम तक बदल दिया है। आज हम इस लेख में उन्हीं अभिनेत्रियों के बारे में बात करेंगे, जिन्होंने अपने अभिनय करियर के लिए नाम बदल लिया। तो चलिए जानते हैं...*

अंकिता लोखंडे : टीवी की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक अंकिता लोखंडे का नाम भी इस लिस्ट में शामिल हैं। अंकिता अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में बनी रहती हैं। टीवी शो 'पवित्र रिश्ता' से अंकिता को पहचान मिली थी। मगर उनके बारे में ये बहुत कम लोग जानते होंगे कि उनका नाम पहले तनुजा लोखंडे था। उन्होंने बाद में अपना नाम अंकिता रखा।

रश्मि देसाई : टीवी अभिनेत्री और बिग बॉस 13 फेम रश्मि देसाई का नाम भी इस लिस्ट में शामिल हैं। अभिनेत्री दो बार अपना नाम बदल चुकी हैं। बचपन में उनका नाम शिवानी था, जिसे बदलकर बाद में उनकी मम्मी ने दिव्या नाम रख दिया था। मगर पर्दे पर अपनी पहचान बनाने के लिए अभिनेत्री ने अपना फिर से नाम बदल दिया और रश्मि देसाई रख लिया।

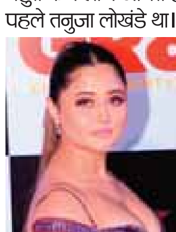

दलजीत कौर : टीवी अभिनेत्री दलजीत कौर का नाम भी इसमें शामिल हैं। वह भी अपना नाम बदल चुकी हैं। दलजीत कौर का नाम पहले दीपा कौर था। अभिनय करियर की शुरुआत से दलजीत ने अपना नाम बदलकर दलजीत कौर रख लिया था। अभिनेत्री को सीरियल 'इस प्यार को क्या नाम दूं' से पहचान मिली थी।

अनिता हसनंदानी : अनिता हसनंदानी का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। अनिता किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने कई बड़े सीरियल में अपने अभिनय का दमखम दिखाया है। वह कई बॉलीवुड फिल्मों में भी बतौर लीड एक्ट्रेस काम कर चुकी हैं। जब उन्होंने अभिनय करियर की शुरुआत की तब उनका नाम नताशा हसनंदानी था, जिसे बदलकर बाद में उन्होंने अनिता हसनंदानी कर लिया था।

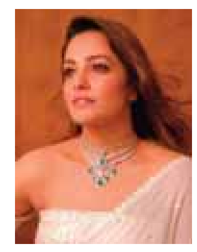

निया शर्मा : टीवी की सबसे बोल्ड अभिनेत्रियों में से एक निया शर्मा का नाम भी इसमें शामिल है। निया का नाम इंडस्ट्री में आने से पहले निशा शर्मा था। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने से पहले अपना नाम निशा से बदलकर निया शर्मा रख लिया था।

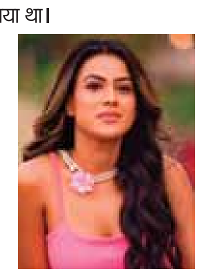

एक्स बॉयफ्रेंड ने लीक किए प्राइवेट वीडियो

मुंबई। पूनम पांडे इंडस्ट्री की कंट्रोवर्शियल एक्ट्रेस-मॉडल में से एक हैं। वो अकसर ही किसी ना किसी विवाद की वजह से हेडलाइंस में रहती हैं। एक बार सोशल मीडिया पर उनका बाथरूम वीडियो लीक हुआ था। पूनम के प्राइवेट वीडियो ने हर किसी को हैरान कर दिया था। सालों बाद अब उन्होंने लीक वीडियो के बारे में बात की है। एक्ट्रेस का कहना है कि उनके साथ ऐसी गंदी हरकत किसी और ने नहीं, बल्कि खुद उनके बॉयफ्रेंड ने की थी। यूं तो सोशल मीडिया पर पूनम पांडे की कई तस्वीरें और वीडियोज वायरल होते रहते हैं, लेकिन जब सोशल मीडिया पर उनका बाथरूम वीडियो लीक हुआ, तो हर ओर हड़कंप मच गया था। इस वीडियो को यूट्यूब ने ब्लॉक कर दिया था। पूनम ने लीक वीडियो के बारे में बात करते हुए कहा- सोशल मीडिया पर वो वीडियो उनके एक्स बॉयफ्रेंड ने शेयर किया था। इंटरव्यू में उन्होंने कहा- मुझे आज भी याद है और मैं इसे कभी नहीं भूल पाऊंगी। हम एक-दूसरे से लड़ रहे थे और मुझे खुद को बचाना था। लड़ाई के दौरान उसने ट्रिमर उठाया और मेरे बालों को ट्रिम करने जा रहा था। पर किसी तरह मैंने उससे ट्रिमर छीना और कमरे से भाग निकली। पूनम कहती हैं कि उस लड़ाई के बाद एक्स बॉयफ्रेंड ने उनके प्राइवेट वीडियोज लीक करने की धमकी दी।

जबलपुर में बढ़े हनीट्रैप के मामले

हुस्न के जाल में फंस कर बर्बाद हो रहे परिवार

हरिभूमि जबलपुर।

हनुमानताल थाना क्षेत्र के चांदनी चौक निवासी एक युवक हनी ट्रैप का शिकार हुआ वो आत्महत्या करने जा रहा था, लेकिन पड़ोस में रहने वाले एक वकील ने सही समय पर सही मार्गदर्शन देकर उसे बचा लिया। युवक ने मामला क्षेत्रीय थाने में दर्ज कराया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। ऐसे एक दो नहीं सैंकड़ों मामले जबलपुर शहर में हर महीने आ रहे हैं। जहां एक लड़की आगे बढ़कर लड़के से दोस्ती करती है और फिर लड़की पीछे हटती है और गैंग सामने आ जाती है। जानकारी के आभाव है लोग लाखों की ठगी से लेकर आत्महत्या तक का शिकार बन रहे हैं। जबलपुर में युवाओं को निशाना बनाने का एक खास तरह का स्कैम चल रहा है। जिसे मॉडर्न भाषा में हनी ट्रैप स्कैम भी कहते हैं। इस स्कैम की शुरुआत सोशल मीडिया के जरिये दोस्ती करके होती है। फिर उसके बाद धीरे धीरे खेल शुरु होता है। फोन पर उकसाकर बात करना और उसे रिकार्ड कर लेना या फिर वीडियो कालिंग में नंगे वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग के जाल में फंसाना। वीडियो आयोडियो वायरल करने, फर्जी रेप केस जैसे मामले में फंसाने तक की धमकी देकर वसूली करने के मामले सामने आ रहे हैं। वहीं कुछ मामलों में ब्लैकमेल करके अपराध की दुनिया में ढकेले जाने की भी जानकारियां भी आई हैं।

कैसे होता है खेल

अब तक जो मामले सामने सामने आए हैं, उनमें मुख्य रूप से इस खेल में पूरी गैंग होती है। जिसमें लड़की को सामने किया जाता है। कई बार इस गैंग में फर्जी पत्रकारों से लेकर नेताओं तक के शामिल होने की खबर आई है। लड़की फेसबुक इंस्टाग्राम वाट्सअप के जरिये दोस्ती करती है और फिर आगे का खेल शुरु करती है। बाकायदा फोन पर बात करके लड़कों को विश्वास में लेती है। जिसके बाद वीडियो कालिंग पर नग्न वीडियो बना लिये जाते हैं। या अशलील आडियो रिकार्डिंग कर ली जाती है। मुझे यह पसंद है, ऐसे बात करो या वो बनकर बात करो के गेम में लड़के को उलझा कर ऐसी बात बोल और करवा ली जाती हैं। जो बाते सामान्य हालात में अपराध समझ में आएं। ऐसे वीडियो और आडियो क्लिप हासिल कर लेने के बाद असल खेल और ब्लेकमेलिंग की शुरुआत होता है। इसमें दर्दनाक यह है कि देश प्रदेश में ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं जहां इस तरह के ट्रैप में फंसे लोग आत्महत्या और कई बार सपरिवार आत्म हत्या तक को मजबूर हुये है।

आप पीड़ित हैं आरोपी नहीं

सायबर एक्सपर्ट का कहना है कि किसी भी हाल में किसी से भी कभी मोबाईल पर किसी भी तरह कि ऐसी बात या वीडियो काल न करें। जिसको यदि किसी और दिखाया जाए तो आपको शर्मिंदगी महसूस हो। वहीं अगर आपको विश्वास के जाल मे फंसा कर वीडियो काल में आपका अश्लील वीडियो बना है। तो क्राईम आपने नहीं किया है क्राईम आपके साथ हुआ है। इसलिये पुलिस केस की किसी धमकी से न डरें। भारतीय संविधान और कानून पर भरोसा रखें। अगर आपने गलती नही की है तो आपके साथ कुछ नहीं होगा।

क्षेत्रीय थाने में शिकायत करें

जानकारी कहते हैं कि अगर किसी वजह से इस तरह के किसी स्कैम में फंस चुके हैं। आप सबसे पहले अपने परिवार के किसी समझदार सदस्य को पूरी बात समझाएं। फिर उनको साथ लेकर समाज में किसी जनप्रतिनिधी, भरोसेमंद वकील आदि से सम्पर्क करें। और संबंधित थाने में जाकर एफआईआर दर्ज कराएं। फिर पुलिस और परिवार के मार्गदर्शन में आगे चलें।

एसपी ने बैठक में समंस वारंट तामील कराने दिए निर्देश

डॉक्टर की तरह कोर्ट मोहर्रिर अपने को अपडेट रखे

जबलपुर। पुलिस अधीक्षक आदित्य प्रताप सिंह ने यहां कहा कि कोर्ट मोहर्रिर एवं चालान ड्यूटी आरक्षक न्याय एवं पुलिस के बीच सेतु का काम करते है। लिहाजा कोर्ट मोहर्रिर और चालान डयूटी आरक्षक अपने आप को अपडेट रखे। संमंस वारंट समय पर तामील कराए जाए और गैरम्यादी वारंटियों के जमानतदारों के विरुद्ध कार्रवाई की जानकारी न्यायालय से अनुरोध कर प्राप्त कर थाना प्रभारियों का उपलब्ध कराए। श्री सिंह यहां पुलिस लाईन स्थित सामुदायिक भवन में एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस बैठक में अतिरिव्त पुलिस अधीक्षक अपराध समर वर्मा, अतिरिव्त पुलिस अधीक्षक शहर (यातायात) प्रदीप कुमार शेण्डे, अतिरिव्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सूर्यकांत शर्मा, अतिरिव्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्रीमति सोनाली दुबे उपस्थित रहे।

बैठक पुलिस अधीक्षक ने सभी कोर्ट मोहर्रिर, चालान ड्यूटी आरक्षक/ प्रधान आरक्षक से व्यवहारिक समस्याओ को सुना और उनके समाधान के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि संमंस वारंट जारी करके सही नाम पता लिखेंगे तो निश्चित ही तामीली का प्रतिशत भी बढ़ेगा। अक्सर अधूरे नाम पता के कारण संमस वारंट की तामीली मे दिक्कतें आती है, समंस वारंट जारी करते समय पूरा नाम पता आवश्यक रूप से लिखें, साथ ही जमानतदारों के नाम पता भी लिखें। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि जो स्थाई वारंटी दस्तयाब नहीं हो रहे हैं उनके जमानतदारों की प्राथमिकता के आधार पर जमानत निरस्त कराये जाने हेतु जमानतदारों की जानकारी न्यायालय से अनुरोध कर अपने थाना प्रभारी को दें ताकि सम्बंधित जमानतदारों के विरूद्ध धारा 446 जा.फौ. के तहत कार्यवाही की जा सके। प्रकरण के अंतिम निर्णय पश्चात न्यायालय के द्वारा भेजी जाने वाली परिणाम पर्ची जिला अभियोजन अधिकारी के माध्यम से सम्बंधित थाने मे उपलब्ध कराये। इसके साथ ही आपके द्वारा सभी कोर्ट मोहर्रिर को निर्देशित किया गया कि न्यायालय में कानून व्यवस्था बनाये रखते हुये साक्षियों की सुरक्षा एवं अभियुक्त की अभिरक्षा सुनिश्चित करें।

स्टेट बार चेयरमैन भदौरिया के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पेश

- 25 में 19 सदस्यों ने हस्ताक्षरित पत्र सौंपा, 21 दिन के भीतर होगी चर्चा व मतदान
- सामान्य सभा से पूर्व बैठक कक्ष में तालाबंदी से मचा हंगामा

जबलपुर। प्रदेश के एक लाख से अधिक वकीलों की सर्वोच्च संस्था एमपी स्टेट बार काउंसिल के चेयरमैन प्रेम सिंह भदौरिया के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पेश किया गया है। यह जानकारी स्टेट बार प्रवक्ता राधेलाल गुप्ता व वाइस चेयरमैन आरके सिंह सैनी ने दी। उन्होंने बताया कि शनिवार को सामान्य सभा से पूर्व बैठक कक्ष में तालाबंदी को लेकर जमकर हंगामा मचा। सदस्यों के भारी विरोध के बाद ताला खुलवाया गया। इसी के साथ सामान्य सभा की बैठक को गति दी गई। इस दौरान वर्तमान चेयरमैन भदौरिया से असंतुष्ट 25 में 19 सदस्यों से हस्ताक्षरित पत्र सौंप दिया। नियमानुसार अब स्टेट बार सचिव को अब 21 कार्यदिवसों के भीतर अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा व मतदान के लिए बैठक आहूत करनी होगी।

वाइस चेयरमैन के हस्तक्षेप से निपटा विवाद

स्टेट बार के वाइस चेयरमैन आरके सिंह सैनी ने बताया कि पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत सभी सदस्य सुबह स्टेट बार भवन पहुंच गए थे। लेकिन वे यह देखकर आक्रोशित हो गए कि बैठक कक्ष में ताला लगा हुआ है। पूछाताछ पर पता चला कि यह सब चेयरमैन भदौरिया के निर्देश पर किया गया है। यह सुनते ही सदस्य हंगामा करने लगे। इस बीच हस्तक्षेप कर ताला खुलवाया गया। जिसके साथ ही सामान्य सभा की बैठक प्रारंभ हो गई और सदस्यों का गुस्सा शांत हो गया। हालांकि जिस भय के चलते चेयरमैन भदौरिया ने तालाबंदी करवाई थी, उसके अनुरूप उनके विरुद्ध बहुमत के आधार पर अविश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत कर दिया गया।

मप्र राज्य न्यायिक अकादमी व इंदौर-ग्वालियर में नए कोर्ट भवनों का शिलान्यास आज

जबलपुर। मध्य प्रदेश राज्य न्यायिक अकादमी के न्यू काम्पलैक्स और हाई कोर्ट की इंदौर व ग्वालियर खंडपीठ के नए कोर्ट भवनों का शिलान्यास समारोह रविवार, 19 मई को सायं पांच बजे से मानस भवन सभागार, जबलपुर में आयोजित होगा। ये निर्माण विजन-2047 की मंशा के अनुरूप कराए जा रहे हैं। उक्त जानकारी हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल मनोज कुमार श्रीवास्तव ने दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रवि मलिमठ, हाई कोर्ट की इंदौर बेंच के प्रशासनिक न्यायाधीश एसए धर्माधिकारी, ग्वालियर बेंच के प्रशासनिक न्यायाधीश विवेक रूसिया, मप्र राज्य न्यायिक अकादमी, जबलपुर के प्रभारी चेयरमैन न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल के अलावा हाई कोर्ट बार एसोसिएशन, जबलपुर के अध्यक्ष अधिवक्ता डीके जैन, हाई कोर्ट बार, इंदौर के अध्यक्ष रितेश इनानी, हाई कोर्ट बार, ग्वालियर के अध्यक्ष पवन पाठक मंचासीन होंगे।.

माडयूलर किचिन बनाने के नाम पर 1 लाख रुपए हड़पे

जबलपुर। अधारताल थाना अतंर्गत एक माडयूलर किचिन का काम करने वालें युवक ने काम के बदले 1 लाख रुपए गूगल पे में ले लिए और उसके बाद काम नहीं किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अमानत में ख्यानत का मामला दर्ज कर लिया है। अधारताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार अधारताल निवासी 48 वर्षीय अरविन्द भार्गव ने बंदरिया तिराहा स्थित कमलेश विश्वकर्मा से अपने घर के माडयूलर किचिन बनाने के लिए बात की। 1 लाख रुपए में सौदा तय हुआ। कमलेश ने काम के पहले पैसा ले लिया, दोनों एक दूसरे से परिचित थे विश्वास में अरविन्द भार्गव ने 17 अप्रैल 24 को एचडीएफसी बैंक अधारताल के खाते से अपनी पत्नी के मोबाइल से कमलेश के मोबाइल पर 1 लाख रुपए गूगल पे पर ट्रांसफर कर दिया था। लेकिन इसके बाद भी कमलेश ने काम नहीं किया और विश्वासघात किया। पैसा मांगने पर लगातार बहाने बना रहा है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 406 के तहत अमानत में ख्यानत का मामला दर्ज कर लिया।

2 आरोपी गिरफ्तार, 2 दीवाल कूदकर भागे

20 प्रतिशत कमीशन पर खिला रहे थे आईपीएल क्रिकेट का सट्टा

जबलपुर। गोराबाजार थाना अतंर्गत दत्त टाउनशिप में ब्लॉक ए फ्लेट नंबर 503 मे आईपीएल क्रिकेट का सट्टा खिला रहे दो सटोरिए को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1 टीव्ही, 8 मोबाइल, कप्रेशर बॉक्स और नगद 2 हजार 500 रुपए जब्त किए है। पकड़े गए आरोपी ने स्वीकार किया है कि 20 प्रतिशत कमीशन लेकर ऑनलाईन आईडी पर सट्टा खिला रहे थे। पुलिस का छापा पड़ते ही आरोपी दीवाल कूदकर भाग गए।

गोराबाजार थाना प्रभारी नेहरु सिंह खण्डाते ने बताया कि राधा कन्या स्कूल के पास सराफा कोतवाली निवासी 32 वर्षीय विकास जैन अपने वर्तमान पते दत्त टाउनशिप ब्लॉक ए फ्लेट नंबर 503 तिलहरी गोराबाजार में अपने साथी हाउबाग रेलवे स्टेशन के पास गोरखपुर निवासी 28 वर्षीय अंकित कुमार सिंह के साथ आईपीएल क्रिकेट मैच टीव्ही में देखकर अपने मोबाइल से ऑनलाईन सट्टा खिलवा रहे थे। मुखबिर की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने विकास जैन के कब्जे से एक सेमसंग कम्पनी का मोबाइल, एक नोकिया कम्पनी का कीपेड मोबाइल, एक काले रंग का नोकिया कम्पनी का मोबाइल, एक सेल्सर कम्पनी का कीपेड मोबाइल, एक टच स्क्रीन

माईक्रो मेक्स कम्पनी का मोबाइल, एक सेमसंग कम्पनी का कीपेड मोबाइल, एक काले रंग का सेमसंग कम्पनी का कीपेड मोबाइल, एक स्टार साईन कम्पनी की 43 इंच की एलईडी टीव्ही, एक रिकार्डर एक कार्प्रेस बाक्स, जिसमें मोबाइल चार्जर लीड लगी हैं, एक रजिस्टर जिसमें सट्टा तथा रूपये एवं ग्राहक का शार्ट नेम लिया है नगदी 1 हजार रूपये तथा अंकित सिंह के कब्जे से एक सेमसंग कम्पनी का मोबाइल, एक कार्फ्रेस बाक्स जिसमें 5 चार्जर लीड केबल लगी है, एक रजिस्टर जिसमें सट्टा के अंक रूपये तथा ग्राहक का शार्ट नेम लिखा है नगदी 1500 रूपये जब्त किये है। वहीं अन्य दो आरोपी अंधेरदेव कोतवाली निवासी संदेश जैन एवं विनोद मराठे पुलिस को देखकर पीछे के दरवाजे से दीवाल कूदकर मौके से फरार हो गये। पूछताछ में दोनों ने बताया कि आनलाईन रेडी अन्ना एप, फेसबुक, इंस्टाग्राम से इंटरनेट संसाधन का उपयोग कर पिछले 2 माह से आईपीएल का सट्टा खिलाने के एवज में 20 प्रतिशत कमीशन मिलता था। प्रतिदिन के हिसाब से 5 हजार 10 हजार रूपये प्राप्त हो जाता था और बाकी की रकम 80 प्रतिशत आनलाईन आईडी रेडी अन्ना देने वाले बुकी को दिया जाता था। आरोपी विकास जैन, अंकित कुमार सिंह, संदेश जैन, विनोद मराठे के विरूद्ध धारा 4(क) सट्टा एक्ट तथा 66 डी आईटी एक्ट के तहत कार्रवाई कर मामला जांच में लिया है।

दवाओं के नमूने भी लिये जा रहे हैं और परीक्षण के लिए भोपाल स्थित राज्य प्रयोगशाला भेजा जा रहा

मेडिकल स्टोर्स के निरीक्षण की कार्यवाही जारी

जबलपुर। दवाओं का नशे के रूप में दुरुपयोग तथा नकली एवं अमानक दवाओं के विक्रय को रोकने कलेक्टर दीपक सक्सेना के निर्देशानुसार औषधि निरीक्षकों द्वारा दवा दुकानों की लगातार जाँच की जा रही है। इस दौरान दवाओं के नमूने भी लिये जा रहे हैं और परीक्षण के लिए भोपाल स्थित राज्य प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। इसी क्रम में औषधि निरीक्षको शरद जैन एवं देवेंद्र जैन द्वारा कटंगी रोड स्थित मेसर्स माँ नर्मदा फार्मेसी का गत दिवस आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान दुकान के संचालन में औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों का उल्लंघन पाया गया। निरीक्षण में इस दुकान पर निरीक्षण पुस्तिका नहीं थी, फार्मासिस्ट की अनुपस्थिति में दुकान का संचालन किया जा रहा था, दवाओं का स्टॉक मिलान नहीं पाया गया तथा रेफ्रीजिरेटर में संधारित दवाओं का उचित संग्रहण भी नहीं पाया गया।

औषधि निरीक्षक शरद जैन के मुताबिक दुकान संचालन में पाई गई इन अनियमिततओं के आधार पर दुकान संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। नोटिस का जबाव संतोषजनक नहीं होने के कारण मेसर्स माँ नर्मदा फार्मेसी कटंगी रोड जबलपुर का लाइसेंस तीस दिनों के लिए निलंबित किया गया है। उन्होंने बताया कि निलंबन आदेश के बाद इस दुकान से औषधि के क्रय

अथवा विक्रय को पूर्णत अवैधानिक माना जायेगा तथा फर्म के लाइसेंस को निरस्त भी किया जा सकेगा।

समायरा एसोसिएट का लाइसेंस निरस्त

औषधि निरीक्षक शरद जैन के मुताबिक नशे के रूप में दुरूपयोग की जाने वाली कोडीन युव्त सिरप के दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने के कारण पूर्व में मैसर्स समायरा एसोसिएट्स बलदेवबाग, जबलपुर का लाइसेंस निलंबित किया गया था। पर्याप्त समय अवधि के उपरांत भी लाइसेंस धारी के द्वारा क्रय-विक्रय दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत फर्म की प्रोप्राइटर श्रीमति ममता कोरी को थोक दवाओं के व्यापार हेतु प्रदत्त थोक औषधि विक्रय अनुज्ञप्तियाँ तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी गई है। उन्होंने बताया कि निरस्तीकरण आदेश के पश्चात अनावेदक द्वारा औषधि के क्रय अथवा विक्रय को पूर्णत अवैधानिक माना जायेगा। यदि ऐसा किया जाता है तो यह कृत्य प्रशासनिक अथवा न्यायालयीन कार्यवाही किये जाने योग्य होगा।

दवा दुकान के संचालन के संबंध में दिये निर्देश

औषधि निरीक्षक शरद जैन के मुताबिक नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन मयंक अग्रवाल ने विगत दिनों व्हीसी के जरिये आयोजित बैठक में औषधि दुकानों के संचालन के संबन्ध में विस्तृत निर्देश दिये हैं । इन निर्देशों में भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रमुख शेडयूल एच 2 की दवाओं पर क्यूआर कोड या बारकोड लगाना अनिवार्य किया गया है । शासन द्वारा अधिसूचित जिन औषधियों पर क्यू आर कोड या बारकोड नहीं है दवा दुकान संचालकों को उन्हें स्टॉकिस्ट या निर्माता को वापस भिजवाना होगा।

हत्यारे किस्सू को पकड़ने हिमाचल प्रदेश, चित्रकूट टीमें रवाना

25 हजार रूपए का इनामी वारंटी है बदमाश, लंबे समय से पुलिस को दे रहा चकमा

हरिभूमि, जबलपुर।

हत्या के प्रकरण में फरार स्थाई 25 हजार रूपये का ईनामी वारंटी किस्सू उर्फ किशोर तिवारी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें हिमाचल प्रदेश के ज्वालाजी जिला कांगडा तथा चित्रकूट टीमें रवाना हुई है। पुलिस कप्तान आदित्य प्रताप सिंह के निर्देश पर पुलिस की टीमें छापेमारी करेगी। दावा किया जा रहा है कि जल्द ही आरोपित पुलिस गिरफ्त में होगा।

वारंट की सूचना मिलते ही अंडर ग्राउंड

गौरतलब हैं कि न्यायालय द्वारा अपराध क्रमांक 295/85 धारा 364, 365, 302, 201, 120बी,34 भादवि के प्रकरण में आरोपी किस्सू उर्फ किशोर तिवारी पिता गोवर्धन तिवारी 61 वर्ष निवासी हीरागंज कटनी का 4 मार्च 2022 को गैरम्यादी वारंट जारी किया गया था। फरार वारंटी किस्सू उर्फ किशोर तिवारी के विरूद्ध जारी गैरम्यादी वारंट की तामीली के लगातार प्रयास किये गये किंतू किस्सू उर्फ किशोर तिवारी सकूनत से लगातार फरार है।

आईजी ने घोषित किया इनाम

आरोपी की गिरफ्तारी के लिए हर सम्भावित स्थानों पर दबिश दी गयी किन्तु गिरफ्तारी नहीं की जा सकी। किस्सू उर्फ किशोर तिवारी पिता गोवर्धन तिवारी 61 वर्ष निवासी हीरागंज कटनी की गिरफ्तारी पर पुलिस महानिरीक्षक जबलपुर जोन जबलपुर अनिल सिंह कुशवाह द्वारा 25 हजार रूपए के नगद पुरूस्कार से पुरूस्कृत करने की उद्घोषणा की गई है।

राजनैतिक रसूख का प्रभाव बन रहा रोड़ा

गौरतलब है कि हत्यारे किस्सू उर्फ किशोर तिवारी की राजनैतिक पकड़ अच्छी खासी है। पिछली मर्तबा भी उसने पुलिस को लंबे समय तक छकाया था हालांकि बाद में एक बड़े नेता के कहने पर उसको पेश कराया गया था। उसकी गिरफ्तारी में राजनैतिक रसूख भी आड़े आ रहा है। लेकिन जबलपुर पुलिस ने भी किस्सू को दबोचने के लिए कमर कस ली है।

पवईधाम में श्री शिवसमाराधन महायज्ञ द्वितीय दिवस उमड़े श्रद्धालु

जीव के अभय प्रदान करती है श्रीमद् भागवत कथा : देवकीनंदन ठाकुर

जबलपुर। जीवन-मरण, भय-दरिद्र एवं दुखों से मुक्ति प्रदान कर अभय पद एवं अमृत पान तथा आनंद की अनुभूति कराने वाला एकमात्र श्रीमद्भागवत महापुराण ही है। सदियों से जीव मात्र को मोक्ष प्रदान करने वाला यह ग्रंथ आज भी उतना ही प्रबल एवं प्रासंगिक है जितना कि अंधकार दूर करने में मार्तंड है। यह विचार वृंदावन से पधारे विश्व विख्यात कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर महाराज ने पाटन के पवई धाम में श्री शिवसमाराध महायज्ञ के दौरान आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के द्वितीय दिवस व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि संपूर्ण मानव समुदाय को चाहिए कि वह भागवत की कथा सुनकर आत्म कल्याण अवश्य करें एवं अपने जीवन को परम सौभाग्य की प्राप्ति कराए।

भागवत जीवन दर्शन

देवकीनंदन ठाकुर महाराज ने कहा कि भागवत एक जीवन दर्शन है, इसमें ऐसी कथाएँ हैं जो मानव को जीवन जीने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा कि महर्षि वेदव्यास जी ने वेदों के चार भागों में विभक्त किया। इसके बाद उन्होंने 17 पुराणों की रचना की। इससे भी वे संतुष्ट नहीं हुए। उनका मन खिन्न था। ऐसे में देवर्षि नारद ने उन्हें श्रीमद् भागवत कथा की रचना करने की प्रेरणा दी। वेदव्यास जी ने भागवत की रचना कर सुखदेव जी को भागवत का ज्ञान कराया। जिसे सुखदेव जी ने राजा परीक्षित को श्रवण कराया।

नर्मदा शुद्धिकरण का संकल्प दिलाएँगे

कथा के पूर्व स्वामी महेन्द्रानंद महाराज ने बढ़ते प्रदूषण पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि माँ नर्मदा के रूप में परमात्मा ने हम पर बड़ी कृपा की है। इसलिए हमारा दायित्व है कि हम माँ नर्मदा को स्वच्छ रखें। उन्होंने माँ नर्मदा की शुद्धिकरण के लिए अभियान चलाने की बात की रखी। इसके पूर्व प्रातः 108 यजमानों ने भगवान शंकर का पूजन-अभिषेक किया। अमरकंटक से पधारे ऋषभ देव महाराज ने 108 वैदिक विद्वानों से पूजन संपन्न कराया। यजमानों ने वैदिक मंत्रों के बीच आहुतियाँ दीं। इस अवसर पर राजेश सिंह ठाकुर, पूर्व विधायक देवेन्द्र सिंह पटेल, महेन्द्र सिंह ठाकुर, आनंद मोहन पल्हा, श्याम मनोहर पटेल, हेमंत पटेल, हरमोहन शर्मा, निलेश पचौरी, गोविंद ठाकुर, ओम नारायण पचोरी, मोहन तिवारी, राकेश सिंह, देवेंद्र यादव, मनीष पचोरी, गोपाल साहू, ओंकार पटेल, रोहिणी, बादल, वरुण पचोरी, राजेंद्र, श्रुति, लक्ष्य पचौरी, ठाकुर उदयभान सिंह, आचार्य जागेंद्र सिंह, अनिरुद्ध विश्नोई आदि मौजूद रहे।

विश्व संग्रहालय दिवस पर रानी दुर्गावती संग्रहालय में पांच दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी आरंभ

पांचवी सदी के मंदिरों के नंदी के छायाचित्रों ने मोहा मन

पुरातत्व एव संरक्षण विषय पर आयोजित हुई व्याख्यानमाला

जबलपुर। विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर आज रानी दुर्गावती संग्रहालय में नंदी प्रतिमा विषय पर पांच दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। पांचवीं सदी से 17वीं शताब्दी के बीच निर्मित मंदिरों पर विराजमान नंदी के चित्रों पर आधारित प्रदर्शनी में मध्यप्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, ओडिशा और नेपाल, पाकिस्तान, आस्ट्रेलिया एवं अमेरिका के मंदिरों में विराजमान नंदी के छायाचित्र लगाए गए हैं।

22 मई तक चलने वाली निःशुल्क प्रदर्शनी का शुभारंभ पुरातत्वविद् तथा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधीक्षक शिवकांत वाजपेयी ने किया। इस अवसर पर कला वीथिका में पुरातत्व एवं संरक्षण विषय पर व्याख्यानमाला का आयोजन भी किया गया। इसमें पुरातत्वविद् डा. शिवकांत वाजपेयी, पुरातत्वविद् डा. यतिश जैन, प्राध्यापक डा. रजंना जैन, पुरातत्व विभाग के उपयंत्री प्रदीप पुरविया, मानचित्रकार प्रमोद कुमार राव ने पुरातत्व एवं संरक्षण विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संचालन राजकुमार रौसल्या ने किया। छायाचित्र प्रदर्शनी का लगभग 250 लोगों ने अवलोकन किया इनमें स्कूल एवं कालेज के छात्र-छात्रा भी शामिल रहे।

संगीतमय श्रीमद् भागवत साप्ताहिक ज्ञान यज्ञ आज से

जबलपुर। सार्वजनिक शिवालय मंदिर, श्रीराम नगर शिवनगर, गुलौआ चौक में कथा वाचक सुप्रिया दुबे, कृष्ण प्रिय, श्रीधाम वृन्दावन द्वारा संगीतमय श्रीमद् भागवत साप्ताहिक ज्ञान यज्ञ आज से प्रारंभ किया जा रहा है, जिसके मुख्य यजमान राजनाथ सिंह, श्रीमति मंजू सिंह हैं। प्रथम दिवस भव्य कलश यात्रा 19 मई सांय 4 बजे कथा स्थल से सैकड़ों मातृशक्तियों, पुरुषों, बच्चे, कन्याओं, बैंड बाजों सहित भजन कीर्तन मंडली के साथ रामनगर से रेलवे फाटक, गुलौआ चौक, शुक्ला नगर, रामनगर गेट तक निकाली जाएगी जो कथा स्थल पहुंचकर समाप्त होगी और प्रथम दिवस की कथा प्रारंभ होगी। कथा 19 से 26 मई तक सांय 4 से 7 बजे तक होगी। आयोजकों ने बताया भगवान शिव शंकर एवं मां नर्मदा की असीम कृपा से श्रीराम नगर शिव नगर में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। भक्ति, ज्ञान, वैराग्य एवं मुक्ति प्रदायनी इस पुनीत कथा में आप सादर आमंत्रित हैं। कथा में अपने इष्ट मित्रों सहित कथामृत का रसपान कर धर्म लाभ अर्जित करें।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने किया खरीफ फसलों की तैयारियों की समीक्षा

जबलपुर। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री एस.एन. मिश्रा की अध्यक्षता में आज संभाग स्तरीय एपीसी की बैठक होटल कल्चुरी में आयोजित की गई। जिसमें जबलपुर संभाग के सभी जिलों के रबी 2023-24 की समीक्षा एवं खरीफ 2024 की तैयारियों पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए गए। इस दौरान एसीएस कृषि श्री अशोक वर्णवाल, संभागीय आयुक्त श्री अभय वर्मा, डायरेक्टर हॉर्टिकल्टर सहित संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर व संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में मुख्य रूप से कहा गया कि कम समयावधि में तैयार होने वाले बीजो की बोनी को प्रोत्साहित किया जाये। जिससे किसानों को अगली फसल के लिये पर्याप्त समय भी मिलने के साथ रकबा भी बढ़ेगा। बैठक में उर्वरकों की मांग व उपलब्धता की समीक्षा के साथ अन्य सूक्ष्म सहयोगी खादों के उपयोग के बारे में कहा गया। मृदा परीक्षण को लेकर कहा गया कि जहां-जहां मृदा परीक्षण केन्द्र है उन्हें सक्रिय करें और मृदा के आधार पर खाद-बीज का उपयोग करें। बैठक में सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाओं पर जोर देकर इन्हें प्रभावी बनाने पर जोर दिया ताकि समय पर फसलों को पानी उपलब्ध हो सके। आधुनिक कृषि में आधुनिक खाद-बीज के साथ आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग पर जोर दिया और कहा गया कि उबर जैसे किसान एप को ज्यादातर किसानों तक पहुंचाये जिससे किसान व सर्विस प्रोवाईडर उसमें अपना रजिस्ट्रेशन करा सके। कृषि उपकरणों की ज्यादातर मांग एक समय विशेष पर होती है और ऐसी स्थिति में सर्विस प्रोवाईडर को आधुनिक उपकरण सुनिश्चित कराने में सहूलियत होती है। बैठक में कहा गया कि कृषि के लिये किये जा रहे अच्छे नवाचारों को बढ़ावा दें और उनका डॉक्यूमेंटेशन भी करें। फसल बीमा में ऋणी किसानों के साथ अऋणी किसानों को भी जोड़े। इसे प्राथमिकता में लेकर कार्य करें। एफपीओ से संपर्क बनाये, मंडी को हाईटेक करें, जिससे ट्रांजेक्शन टाइम कम हो, ऑटो पेकेजिंग आदि हो, कैशलेस सिस्टम अपनाये, हर जिले में एक मंडी को कैशलेस सिस्टम प्रणाली से युक्त करें। इसके साथ ही कहा गया कि किसानों के जमीनों के रजिस्ट्री के साथ फसल और किसानों की रजिस्ट्री भी हो।

महिन्द्रा एक्सयूवी '3 एक्स.ओ' की लॉन्चिंग

जबलपुर। स्टार ऑटोमोबाइल्स (एमपी) लिमिटेड जबलपुर द्वारा शुक्रवार को महिन्द्रा की एक्सयूवी 3 एक्स.ओ. की ग्रेंड लॉन्चिंग हुई, इस दौरान 50 से ज्यादा बुकिंग प्राप्त हुई। इसकी विशेषताओं पर बात करते हुए स्टार ऑटोमोबाइल्स के एक्सपर्ट अंकित दुबे ने जानकारी दी कि ये अपने सेगमेंट की एक बेहतरीन कार है, जिसमें कई यूनिक व नए फीचर्स कस्टमर्स को अट्रैक्ट करेंगे। एक्सयूवी 3 एक्स.ओ. की लॉन्चिंग के अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, बरगी विधायक नीरज सिंह, भाजपा नगर अध्यक्ष प्रभात साहू, और संस्था के डायरेक्टर रेवत सिंह, सीईओ शरद द्विवेदी, जनरल मैनेजर शैलेंद्र पांडेय व शहर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम में मनोज पांडे, विमलेश सिंह, अलका दीक्षित, विनय डेहरिया, संस्कार पांडे, वंदनी विश्वकर्मा, सोनिया सिंह, संध्या ठाकुर, सुबोध यादव, हरेंद्र पटैल, प्रीतेश वर्मा,मनीष अवस्थी, नरपत सिंह, अनिल पटेल, सत्येंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

जगत जननी माता जानकी नवमी समारोहपूर्वक मनाई

जबलपुर। संस्कारधानी में रह रहे प्रवासी मैथिल समाज मिथिला मैथिल मंच जबलपुर के तत्वावधान में जगत जननी माता जानकी जन्म समारोह 17 मई शुक्रवार को संध्याकाल जेके सेलिब्रेशन सदर में धूमधाम से मनाया गया, जिसमें सभी मिथिलावासी अपने पारम्परिक वेशभूषा, धोती कुर्ता, पाग दोपटा में पहुँचे। सभी प्रतिभागियों ने अपनी-अपनी एक से एक बढ़कर एक मनमोहक प्रस्तुतियां मंच पर दी। जिसमें संरक्षक नारायण झा (भोला झा), अध्यक्ष श्रीकान्त झा, उपाध्यक्ष शम्भू झा, कोषाध्यक्ष दीपक मिश्र, सचिव मनोज श्रीवास्तव, सहसचिव उदयनाथ पाठक, संस्थापक सदस्य सरोज झा, कार्यकारी सदस्या शिवा चौधरी, वाणी झा एवं सभी संस्थापक सदस्य और मैथिलगण का असीम योगदान रहा।

फेडरेशन कप डॉज बॉल प्रतियोगिता में भाग लेने महिला पुरुष की टीम रवाना

जबलपुर। मध्य प्रदेश डॉज बॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि पटेल सचिव संजय रणनावरे एवं संयुक्त सचिव डॉक्टर प्रसन्नजीत चटर्जी द्वारा अवगत गया कराया की 15/5/2024 से 17/5/2024 तक रामाकुंडम तेलंगाना में फेडरेशन कप डॉज बॉल प्रतियोगिता पुरुष एवं महिला वर्ग आयोजित की गई है एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष टीम मैनेजर प्रदीप पटेल ने बताया फेडरेशन कप प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु विगत दिवस राज्य स्तरीय डॉज बॉल चयन प्रतियोगिता का किया गया था जिसमें मध्य प्रदेश महिला वर्ग टीम में खुशबू, पाखी सरकार, अमीषा, समीक्षा, पार्वती, आयुषी,भूमिका रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय अवंतिका शुक्ला, रेखा धुर्वे, वैशाली हैं। टीम मैनेजर प्रदीप पटेल व कोच सतेन्द्र कुमार हैं, जबकि पुरुष वर्ग में सुदर्शन लोवंशी, प्रमोद पटेल, अवनीश अहिरवार, युग बर्मन, समर्थ, पंकज पटेल, राज बोरासी, शिवम शर्मा, अश्विन अभिज्ञ जैन, ऋतिक, दिव्यराज पाटीदार हैं, टीम के मैनेजर आरिफ खान, कोच शिवानी होगी।

लक्ष्मी नारायण यज्ञ में उमड़ रहे श्रद्धालु

पाटन। सकरा स्तिथ प्रसिद्ध खेरमाई के दरबार में चल रहे श्री लक्ष्मी नारायण 51 कुंडिए यज्ञ में भगवान परदेश्वर का अभिषेक किया गया एवं राम कथा कहते हुए श्री राघवेन्द्र महाराज ने राम जन्म की कथा का श्रवण कराया। प्रज्ञा पीठाधीश्वर साध्वी विभानंद गिरी जी के सानिध्य एवं महंत बालयोगी स्वामी चक्रानंद गिरी जी महाराज के संयोजन में चल रहे यज्ञ में नित्य कन्या भोजन एवम भंडारा आयोजित किया जा रहा है। देश के विभिन्न स्थानों से आए साधु संतो की उपस्तिथि आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। स्वामी चक्रानंद जी ने यज्ञ के विषय में बताते हुए कहा कि यह तृतीय यज्ञ किसानों एवं समस्त जनता के मंगल के लिए किया जा रहा है काशी से आए विद्वान विधि विधान से 72 यजमानों से वैदिक मंत्रों की आहुतियां समर्पित करवा रहे है पाटन कटंगी एवम ग्रामीण से लोग दर्सनार्थ हेतु बढ़ी संख्या में भाग ले रहे है।

हज यात्रियों का टीकाकरण व स्वास्थ्य परीक्षण शिविर संपन्न

जबलपुर। हज यात्रियों का टीकाकरण, स्वास्थ्य परीक्षण तथा प्रशिक्षण कैम्प 17 एवं 18 मई को दोपहर 2.30 से 6.30 बजे तक ईडब्ल्यूएस गर्ल्स हायर सेकण्डरी स्कूल गोहलपुर में जिला हज कमेटी द्वारा लगाया गया, कार्यक्रम उपरांत आजमीन हज का स्वागत के साथ समापन हुआ। कार्यक्रम में मकबूल अहमद अंसारी जिला अध्यक्ष, हाजी इरशाद खान, मुन्ना जनसंघी, शैफुल्ला अंसारी, निजाम कुरैशी, इम्तयाज अहमद, आयूब अंसारी, खलील अंसारी, सहादत शाह, ताज उस्मानी, हामिद मंसूरी सहित समाजसेवी अकील अंसारी, शब्बीर अंसारी, अरहम अंसारी, मंसूर अंसारी, हाजी मुज्जफर (प्रशिक्षक) हासिम, नियाज कुरैशी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

श्री ईश्वर सिंह- व्हीकल-मढ़ई निवासी श्री ईश्वर सिंह, एडवोकेट (नोटरी) जी का निधन हो गया। वे, स्वर्गीय मलखान सिंह राठौर के पुत्र, एवं चंद्रभान, विजय और रविन्द्र सिंह के भाई थे। अंतिम संस्कार गोकलपुर श्मशान घाट में सम्पन्न हुआ।

श्री रविशंकर जायसवाल- सिहोरा आजाद चौक वार्ड नम्बर 3 निवासी श्री रविशंकर जायसवाल का 75 साल की उम्र में निधन हो गया है। अंतिम संस्कार आज रविवार को प्रातः 9 बजे बाबाताल मुक्तिधाम सिहोरा में किया जायेगा। वे वीरेंद्र जयसवाल,ओम जयसवाल के भाई एंव अनिरुद्ध बिट्टू जयसवाल के पिता थे।

श्री गोपी लाल टिटोनी- गंगानगर गढ़ा निवासी श्री गोपी लाल टिटोनी (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विजय कुमार पाण्डेय- शक्तिनगर नब्बे क्वाटर निवासी श्री विजय कुमार पाण्डेय (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री राधेश्याम अग्रवाल- अनमोल ड्यूपलेक्स त्रिमूर्ति नगर निवासी श्री राधेश्याम अग्रवाल (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री धनराज चौधरी- बाबा टोला ठक्करग्राम निवासी श्री सुरेश चौधरी के पुत्र श्री धनराज चौधरी (28) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती दसोदा बाई- विश्वकर्मा मोहनिया लाला लाजपतराय वार्ड नं. 70, निवासी श्री छकोड़ी लाल की धर्मपत्नी श्रीमती दसोदा बाई (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री चमन प्रजापति- गोपाल होटल सिद्धबाबा रोड निवासी श्री रामनाथ प्रजापति के पुत्र श्री चमन प्रजापति (32) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री छोटे लाल बेन- धनवंतरी नगर परसवाड़ा निवासी श्री छोटे लाल बेन का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती राम बाई समद- कांचघर श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड निवासी श्री किशन लाल समद की धर्मपत्नी श्रीमती राम बाई समद (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.

फिक्स साइज:-	8x4 से.मी.	ब्लैक&व्हाईट	300/-
फिक्स साइज:-	8x4 से.मी.	रंगीन	400/-
फिक्स साइज	10x8 से.मी.	रंगीन	1000/-

सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का समापन

जबलपुर। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद लॉर्डगंज शाखा चंदना संभाग का ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया जिसमें 1 मई से 15 मई तक क्लास लगाई गई जिसमें ड्राइंग, मेहंदी, कैलीग्राफी, डांस क्लास आयोजित की गई, ड्राइंग एंड मेहंदी की क्लास नूतन जैन, दीपिका सिंह एवं दीपक चौरसिया ने ली एवं डांस और कैलीग्राफी की क्लास रितु चौधरी ने ली। सभी क्लासेस में सभी बच्चों ने बहुत अच्छे से सीखा, इस तरह का शिविर हमारी संस्था करीब 25 सालों से लगातार लगाती आ रही है इस शिविर में करीब 200 बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन, मंगलाचरण एवं ध्वज वंदना द्वारा किया गया। शाखा अध्यक्ष पूजा जैन विद्यार्थी द्वारा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लॉर्डगंज ट्रस्ट कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप जैन, युवा विद्वान अमित शास्त्री, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विमला दीदी का सम्मान किया गया। इस अवसर पर संभाग अध्यक्ष संध्या कौशल, संभाग सचिव श्वेता मोदी, अध्यक्ष पूजा जैन विद्यार्थी, सचिव मनीषा जैन, कोषाध्यक्ष रीता जैन पन्नी उपस्थित रहीं।

स्मॉलकैप स्कीम्स का कमाल

10 साल में 940% तक रिटर्न

बाजार में इस समय लगातार निवेशक बढ़ रहे हैं। कई स्कीम्स अच्छा रिटर्न दे रही हैं और निवेशको को मालामाल कर रही हैं। पिछले दिनों स्मॉलकैप म्युचुअल फंड्स ने आउटपरफॉर्म किया। इसलिए निवेशकों ने भी म्यूचुअल फंड की स्मॉलकैप कैटेगरी को खूब पसंद किया जा रहा है। इससे स्मॉलकैप फंड का न सिर्फ 1 या 2 साल का रिटर्न, बल्कि लंबी अवधि का रिटर्न और मजबूत हुआ है। ऐसे में इन स्कीम्स में निवेश आपको भी मालामाल कर सकता है। बस योजना बनाएं, लक्ष्य तय करें और निवेश के लिए आगे आएं।

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

इन दिनों बाजार में निवेश के लिए सैंकड़ों स्कीम्स मौजूद हैं। इनमें निवेश की दिलचस्पी ले रहे हैं। पिछले कुछ सालों में देखा जाए तो हर साल लाखों की संख्या में नए निवेशक जुड़ रहे हैं। म्युचुअल फंडों का मार्केट कैप लगातार बढ़ता जा रहा है। कई स्कीम्स अच्छा रिटर्न दे रही हैं और निवेशकों को मालामाल कर रही हैं। स्मॉलकैप म्युचुअल फंड्स ने आउटपरफॉर्म किया। इसलिए निवेशकों ने भी म्यूचुअल फंड की स्मॉलकैप कैटेगरी को खूब पसंद किया जा रहा है। इससे स्मॉलकैप फंड का न सिर्फ 1 या 2 साल का रिटर्न, बल्कि लंबी अवधि का रिटर्न और मजबूत हुआ है। पिछले कुछ महीनों का एवरेज देखें तो स्मॉलकैप फंडों में अच्छा खासा निवेश आया है। इसकी एक वजह है कि पिछले दिनों स्मॉलकैप स्टॉक्स ने आउटपरफॉर्म किया। इसलिए बेहतर रिटर्न पाने के लिए निवेशकों ने म्यूचुअल फंड की स्मॉलकैप कैटेगरी को खूब पसंद किया जा रहा है। ऐसे में इन स्कीम्स में निवेश आपको भी मालामाल कर सकता है।

लंबी अवधि में ज्यादा मुनाफा

स्मॉलकैप फंड का न सिर्फ 1 या 2 साल का रिटर्न, बल्कि लंबी अवधि का रिटर्न और मजबूत हुआ है। इस रिपोर्ट में हमने कुछ स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड की जानकारी जुटाई है, जिन्होंने बीते 10 साल में सबसे अच्छा परफॉर्म किया है। इन स्कीम में निवेशकों का पैसा 10 साल में 10 गुना तक बढ़ गया है। यानी एक लाख रुपये का निवेश 10 लाख रुपये तक हो गया। निवेशक मालामाल हुए हैं। जानकारों का कहना है कि स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड में लंबी अवधि के लिए निवेश करना पैसे बढ़ाने का सबसे अच्छा तरीका है।

क्या हैं स्मॉल कैप फंड

स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड प्रमुख रूप से 5,000 करोड़ से कम मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं। यह इक्विटी म्यूचुअल फंड की एक सब-कैटेगरी है और इनका प्रदर्शन बाजार के उतार-चढ़ाव से प्रभावित होता है। स्मॉल कैप कंपनियों में बाजार में गिरावट के दौरान अधिक अस्थिरता यानी वोलैटिलिटी दिखती है। हालांकि बेस्ट स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड में लंबी अवधि में हाई रिटर्न देने की क्षमता होती है। स्मॉल-कैप फंड में, फंड मैनेजर पोर्टफोलियो का कम से कम 65% स्मॉल-कैप शेयरों में निवेश करता है।

10 वर्ष में टॉप रिटर्न वाले फंड

निप्पॉन इंडिया स्मॉलकैप फंड

- 10 साल में एकमुश्त निवेश पर रिटर्न: 26.36% सालाना
- 10 साल में एकमुश्त निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न: 940%
- 1 लाख निवेश की 10 साल में वैल्यू: 10,40,092 रुपये
- 10 साल में एसआईपी निवेश पर रिटर्न: 25.02% सालाना
- कुल एसेट्स: 45749 करोड़ रुपये
- एक्सपेंस रेश्यो: 1.52%

एसबीआई स्मॉलकैप फंड

- 10 साल में एकमुश्त निवेश पर रिटर्न: 25.38% सालाना
- 10 साल में एकमुश्त निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न: 863%
- 1 लाख निवेश की 10 साल में वैल्यू: 9,62,777 रुपये
- 10 साल में एसआईपी निवेश पर रिटर्न: 21.77% सालाना
- कुल एसेट्स: 27759.65 करोड़ रुपये
- एक्सपेंस रेश्यो: 1.62%

एक्सिस स्मॉलकैप फंड

- 10 साल में एकमुश्त निवेश पर रिटर्न: 23.83% सालाना
- 10 साल में एकमुश्त निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न: 750%
- 1 लाख निवेश की 10 साल में वैल्यू: 8,50,042 रुपये
- 10 साल में एसआईपी निवेश पर रिटर्न: 22.52% सालाना
- कुल एसेट्स: 20136.63 करोड़ रुपये
- एक्सपेंस रेश्यो: 0.52%

डीएसपी स्मॉलकैप फंड

- 10 साल में एकमुश्त निवेश पर रिटर्न: 22.32% सालाना
- 10 साल में एकमुश्त निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न: 651%
- 1 लाख निवेश की 10 साल में वैल्यू: 7,51,330 रुपये
- 10 साल में एसआईपी निवेश पर रिटर्न: 19.64% सालाना
- कुल एसेट्स: 13038.55 करोड़ रुपये
- एक्सपेंस रेश्यो: 1.77%

कोटक स्मॉलकैप फंड

- 10 साल में एकमुश्त निवेश पर रिटर्न: 21.71% सालाना
- 10 साल में एकमुश्त निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न: 615%
- 1 लाख निवेश की 10 साल में वैल्यू: 7,14,698 रुपये
- 10 साल में एसआईपी निवेश पर रिटर्न: 20.77% सालाना
- कुल एसेट्स: 14815.19 करोड़ रुपये
- एक्सपेंस रेश्यो: 1.65%

● एक लाख रुपये का निवेश बन गया 10 लाख तक

● कई स्मॉलकैप स्कीम निवेशकों दे रही बढ़िया मुनाफा

● स्मॉल-कैप फंड लंबी अवधि में हाई रिटर्न की गारंटी

स्मॉल कैप फंड्स की खासियत

सेबी के नियमों के अनुसार, स्मॉल-कैप फंडों को अपने इन्वेस्टमेंट कॉर्पस का कम से कम 65 फीसदी स्मॉल-कैप शेयरों में आवंटित करना होता है। स्मॉलकैप में मिड टर्म की अवधि में मिडकैप और लार्जकैप की तुलना में रिस्क लेवल ज्यादा होता है, लेकिन वे हायर रिटर्न दे सकते हैं और लंबी अवधि में दूसरी कैटेगरी से बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। स्मॉल-कैप कंपनियों के पास ज्यादा एक्सपेंशन की संभावना है, जिससे ग्रोथ की संभावनाएं भी ज्यादा होती हैं।

मैन्युफैक्चरिंग फंडों में भी निवेश पर विचार कर सकते हैं निवेशक

बिजनेस डेस्क

अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए सरकार द्वारा विनिर्माण पर जोर दिए जाने के कारण मैन्युफैक्चरिंग का क्षेत्र पिछले कुछ समय से सुर्खियों में रहा है। संभावित जबरदस्त वृद्धि का फायदा उठाने की चाहत रखने वाले निवेशक विनिर्माण फंडों में निवेश करने पर विचार कर सकते हैं। ऐसे कई फंड बाजार में पहले से मौजूद हैं, लेकिन टाटा म्युचुअल फंड ने हाल में टाटा निफ्टी 500 मल्टीकैप इंडिया मैन्युफैक्चरिंग 50:30:20 इंडेक्स फंड के नए फंड ऑफर (एनएफओ) को जारी किया है। जानकारों का कहना है कि 'सरकार का घरेलू विनिर्माण पर काफी जोर रहा है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में विनिर्माण की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए नीति निर्माताओं द्वारा ठोस प्रयास किया जा रहा है।' ऐसे में निवेशक मैन्युफैक्चरिंग फंडों में भी निवेश पर विचार कर सकते हैं। इस समय इन फंडों में निवेश एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है।

विनिर्माण पर जोर

विनिर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मेक इन इंडिया और पीएम गतिशक्ति ने नीतिगत ढांचे की नींव रखी है। विनिर्माण क्षमता सृजित करने के उद्देश्य से शुरू की गई अन्य प्रमुख नीतिगत पहलों में उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, निर्यात प्रोत्साहन और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के उदार कायदे कानून शामिल हैं। आत्मनिर्भर भारत के तहत आयात के बजाए घरेलू उत्पादन पर जोर दिया गया है। चीन+1 मॉडल के जोर पकड़ने के साथ ही कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां अब भारत को अपना पसंदीदा गंतव्य मानती हैं। इन पहलों के कारण विनिर्माण क्षेत्र में काफी निवेश आने की उम्मीद है। 'हाल में भारत का पीएमआई (विनिर्माण गतिविधियों का सूचकांक) 57.2 के उच्च स्तर पर पहुंच गया। कई क्षेत्रों में क्षमता उपयोगिता कोविड-पूर्व स्तर से आगे निकल चुकी है। ऐसे में क्षमता बढ़ाने की जरूरत है। अधिकतर कंपनियां भविष्य की मांग वृद्धि के लिहाज से क्षमता विस्तार पर निजी निवेश कर रही हैं।' विनिर्माण के दायरे में कई क्षेत्र शामिल हैं। इसमें से कुछ घरेलू खपत पर केंद्रित हैं जबकि अन्य निर्यात केंद्रित हैं। इसमें पुरानी अर्थव्यवस्था और हाईटेक कारोबार दोनों शामिल हैं। विनिर्माण केंद्रित फंड वित्तीय सेवा कंपनियों के शेयरों में निवेश नहीं करते हैं।

इस समय ऐसे कई फंड बाजार में पहले से मौजूद, टाटा निफ्टी पांच सौ मल्टीकैप इंडिया मैन्युफैक्चरिंग का एनएफओ

●

सरकार का घरेलू विनिर्माण पर काफी जोर रहा, बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत को पसंदीदा गंतव्य मान रही

●

पोर्टफोलियो में विविधीकरण के लिहाज से यह प्रभावी विकल्प

फंड कंपनियों का आकर्षण

कई प्रमुख फंड कंपनियां विनिर्माण केंद्रित फंड की ओर आकर्षित हुई हैं। इनके फंड अपने कोष का करीब 80 फीसदी हिस्से का निवेश विनिर्माण कंपनियों के शेयरों में करते हैं। निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग टोटल रिटर्न इंडेक्स (टीआरआई) इस श्रेणी के फंड के लिए बेंचमार्क है। इस सूचकांक के शीर्ष तीन क्षेत्रों में वाहन एवं वाहन कलपुर्जा, पूंजीगत वस्तु और स्वास्थ्य सेवा शामिल हैं। इन क्षेत्रों में आवंटन क्रमशः 31.1 फीसदी, 20.3 फीसदी और 15.1 फीसदी है। इस सूचकांक ने अगस्त 2021 में अपनी स्थापना से मार्च 2024 के बीच 15.6 फीसदी का चक्रवृद्धि वार्षिक रिटर्न दिया है।

क्या है जोखिम

अन्य सभी थीमेटिक पेशकश की तरह इन फंडों में भी जोखिम रहता है। जानकारों का कहना है कि 'निवेशकों को उन क्षेत्रों से संबंधित उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है, जिनमें फंड ने निवेश किया है।' विनिर्माण क्षेत्र की कंपनियां चक्रीय स्थिति का सामना करना पड़ता हैं। 'इसके प्रदर्शन में ब्याज दरें, मुद्रास्फीति और मुद्रा की चाल जैसे वृहद आर्थिक कारकों की प्रमुख भूमिका होती है।' विनिर्माण केंद्रित कई फंडों का ट्रैक रिकॉर्ड सीमित रहा है।

किसे निवेश करना चाहिए?

निवेशकों को मल्टीकैप फंड और फ्लेक्सीकैप फंड जैसे विविध इक्विटी फंडों का उपयोग करते हुए अपना पोर्टफोलियो तैयार करना चाहिए। बुनियादी पोर्टफोलियो तैयार करने के बाद ही उन्हें विनिर्माण केंद्रित फंड में निवेश करना चाहिए। 'यह फंड पहली बार निवेश करने वाले निवेशकों के लिए नहीं है। अधिक जोखिम उठाने की क्षमता रखने वाला अनुभवी निवेशक लंबी अवधि के लिहाज से इन फंडों में निवेश पर विचार कर सकता है।' 'जिन निवेशकों को खास क्षेत्रों के बारे में पर्याप्त जानकारी है और जो अपने पोर्टफोलियो में कुछ खास आक्रामकता को समायोजित कर सकते हैं, वे इन फंडों में निवेश कर सकते हैं। अगर निवेशक संतृप्ति स्तर पर पोर्टफोलियो से बाहर निकलने की विशेषज्ञता रखता है तो यह उनके लिए उपयुक्त हो सकता है।'

निवेश में देरी, आपको भी कर सकती है लक्ष्य से दूर

निवेश में हर एक साल की देरी घटाती है कंपाउंडिंग की ताकत

रिटर्न में भी आएगा लाखों का अंतर, समय पर शुरू करें निवेश

सुरक्षित निवेश चाहते हैं तो म्युचुअल फंड एसआईपी सबसे बेहतर

कम उम्र में निवेश से फाइनेंशियल टारगेट जल्द हो जाते हैं पूरे

सुझाव

बिजनेस डेस्क

अक्सर देखने में आता है कि निवेश की योजना बनाने में जितनी देरी या लापरवाही होगी, आप अपने फाइनेंशियल टारगेट को पूरा करने में उतना ही पीछे होते चले जाएंगे। कम उम्र में निवेश शुरू करने का मतलब है कि फाइनेंशियल टारगेट को पूरा करने के लिए ज्यादा समय। आज के दौर में बच्चे जल्द से जल्द आत्मनिर्भर बनना चाहते हैं। खास तौर से मेट्रो शहरों में युवा कम उम्र से ही अर्निंग मेंबर बन जाते हैं। एक तरह से कह लें तो उनमें जागरुकता भी बढ़ रही है, लेकिन क्या यही जागरुकता निवेश और बचत के मामले में भी है। क्या ये युवा नौकरी शुरू करते ही अपने रिटायरमेंट या नॉन वर्किंग ईयर्स के बारे में सोचते हैं। आमतौर पर बहुत से मामलों में इसका जवाब नहीं होगा। क्योंकि अर्निंग शुरू होने के कुछ साल वे अपनी तुरंत की जरूरतों और शौक पूरा करने पर ज्यादा खर्च करते हैं। इसलिए रिटायरमेंट के लिए फाइनेंशियल प्लानिंग उनकी प्राथमिकता में पीछे रह जाता है। लेकिन ये गलती कर वे कंपाउंडिंग की ताकत का फायदा लेने में उन लोगों से पीछे रह जाते हैं, जिन्होंने समय पर निवेश शुरू कर दिया है।

लक्ष्य पूरा करने में न रह जाएं पीछे

फाइनेंशियल एडवाइजर भी यही सलाह देते रहते हैं कि जितना जल्दी हो सके, भविष्य के बारे में सोचकर फाइनेंशियल प्लानिंग शुरू करें और लगातार निवेश बनाए रखते हुए अपनी प्लानिंग में अनुशासित बने रहें।

निवेश की योजना बनाने में जितनी देरी या लापरवाही होगी, आप अपने फाइनेंशियल टारगेट को पूरा करने में उतना ही पीछे होते जाएंगे। कम उम्र में निवेश शुरू करने का मतलब है कि फाइनेंशियल टारगेट को पूरा करने के लिए ज्यादा समय। वहीं लंबी अवधि में निवेश से आपको कंपाउंडिंग का पूरा फायदा भी मिलता है। निवेश का सुरक्षित विकल्प चुनना चाहते हैं तो आपके लिए म्युचुअल फंड एसआईपी बेहतर है। वहीं स्माल सेविंग्स स्कीम उनके लिए बेहतर है जो बाजार का रिस्क जरा भी नहीं लेना चाहते हैं।

उदाहरण से समझें

इसे हम एक उदाहरण से समझ सकते हैं। मान लिया 3 दोस्तों ए, बी और सी ने एक साथ नौकरी शुरू की। ए ने 25 साल की उम्र से फाइनेंशियल प्लानिंग शुरू किया, जबकि बी ने 30 की उम्र और सी ने 35 की उम्र से निवेश करना शुरू किया। तीनों ने एक ही म्यूचुअल फंड स्कीम में एक समान एसआईपी शुरू की। एक ही स्कीम होने से तीनों ने अनुमानित रिटर्न 12 फीसदी सालाना माना। रिटायरमेंट की उम्र 55 साल तय की। ऐसे में ए, बी और सी के पास निवेश के लिए 30 साल, 25 साल और 20 साल मिल गया।

पहला

- निवेशक ए : 30 साल का लक्ष्य
- मंथली एसआईपी : 5000 रुपये
- अवधि: 30 साल
- अनुमानित रिटर्न: 12% सालाना
- कुल निवेश: 18 लाख रुपये
- 30 साल बाद फंड: 1,76,49,569 रुपये (1.8 करोड़)
- फायदा: 1,58,49,569 रुपये (1.6 करोड़)

दूसरा

- निवेशक बी : 25 साल का लक्ष्य
- मंथली एसआईपी: 5000 रुपये
- अवधि: 25 साल
- अनुमानित रिटर्न: 12% सालाना
- कुल निवेश: 15 लाख रुपये
- 30 साल बाद फंड: 94,88,175 रुपये (95 लाख रुपये)
- फायदा: 79,88,175 रुपये (करीब 80 लाख रुपये)

तीसरा

- निवेशक सी: 20 साल का लक्ष्य
- मंथली एसआईपी: 5000 रुपये
- अवधि: 20 साल
- अनुमानित रिटर्न: 12% सालाना
- कुल निवेश: 12 लाख रुपये
- 30 साल बाद फंड: 49,95,740 रुपये (करीब 50 लाख रुपये)
- फायदा: 37,95,740 रुपये (करीब 38 लाख रुपये)

क्या मिला रिजल्ट

- पहले केस में निवेश के लिए 30 साल का समय मिल गया और कुल 18 लाख निवेश के बदले कुल फंड 1.8 करोड़ हो गया। यानी करीब 1.6 करोड़ का फायदा हुआ।

- दूसरे केस में निवेश के लिए 25 साल का समय मिला और कुल 15 लाख निवेश के बदले कुल फंड 95 लाख रुपये हुआ और करीब 80 लाख रुपये का फायदा हुआ।
- तीसरे केस में निवेश के लिए 20 साल का समय मिला और कुल 12 लाख निवेश के बदले कुल फंड करीब 50 लाख रुपये हुआ और करीब 38 लाख रुपये का ही फायदा हुआ।

कितना दिख रहा अंतर

आप खुद तय कर सकते हैं कि 18 लाख निवेश कर 1.80 करोड़ पाना चाहेंगे, कि 15 लाख के बदले 95 लाख या 12 लाख के बदले सिर्फ 50 लाख। यहां निवेशक सी ने अगर 10 साल पहले निवेश शुरू किया होता तो उसे सिर्फ 6 लाख और निवेश बढ़ाने पर 50 लाख के बदले 1.80 करोड़ मिल गए होते जो 1.30 करोड़ ज्यादा है। यही कंपाउंडिंग की ताकत है। इसी तरह से यहां निवेशक सी ने अगर 5 साल पहले निवेश शुरू किया होता तो उसे सिर्फ 3 लाख और निवेश बढ़ाने पर 95 लाख के बदले 1.80 करोड़ मिल गए होते जो 85 लाख रुपये ज्यादा हैं।

हर रोज जमा करें 6 रुपये मिलेगा अच्छा फायदा

बिजनेस डेस्क

बच्चे के जन्म के बाद कई माता-पिता अपने बच्चे के भविष्य की योजना बनाना शुरू कर देते हैं, निवेश के विभिन्न रास्ते तलाशते हैं। इनमें लड़कियों के लिए पोनमा बचत योजना और लड़कों के लिए पोनमगन बचत योजना जैसी लिंग-विशिष्ट योजनाएं लोकप्रिय रही हैं। इसी तरह डाकघरों ने बाल जीवन भीम योजना शुरू की गई है, जो विशेष रूप से बच्चों के लिए डिजाइन की गई जीवन बीमा योजना है। यह पहल डाक और मनीऑर्डर के पारंपरिक केंद्र से निवेश और वित्तीय विकास को सुविधाजनक बनाने में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने के लिए डाकघरों की विकसित भूमिका को रेखांकित करती है। बाल जीवन भीम योजना 8 से 12 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए है, जो 18 वर्ष की आयु तक वित्तीय सुरक्षा प्रदान करती है। इस योजना की एक उल्लेखनीय विशेषता इसकी वहनीयता है, जिसके लिए 6 रुपये से शुरू होने वाले न्यूनतम दैनिक निवेश की आवश्यकता होती है। 18 वर्ष की आयु से पहले बीमित बच्चे की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु की स्थिति में योजना 1 लाख रुपये तक के बीमा कवरेज का वादा करती है।

बाल जीवन भीम योजना बना देगी लाखों की रकम

आवेदन प्रक्रिया और लाभ

बच्चे के लिए बीमा करवाने के इच्छुक माता-पिता सीधे किसी भी नजदीकी डाकघर में आवेदन कर सकते हैं। बाल जीवन भीम योजना व्यापक ग्रामीण डाक जीवन बीमा पहल का हिस्सा है, जिसमें डाक जीवन बीमा योजना भी शामिल है। आरपीएलआई के तहत 1,000 रुपये के वार्षिक निवेश पर 48 रुपये बोनस मिल सकता है, जबकि डाक जीवन बीमा योजना में समान निवेश राशि पर 52 रुपये का थोड़ा अधिक बोनस मिलता है। ये बोनस पॉलिसी की परिपक्वता पर एकमुश्त भुगतान किए जाते हैं, जो अतिरिक्त वित्तीय सुरक्षा प्रदान करते हैं।

डाकघर अहम संस्थान

डिजिटल भुगतान प्लेटफ़ॉर्म में उछाल के बावजूद डाकघर कई लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण संस्थान बने हुए हैं, जो अब बच्चों के भविष्य को वित्तीय रूप से सुरक्षित करने के लिए बाल जीवन भीम योजना जैसे रास्ते पेश कर रहे हैं। यह योजना माता-पिता को मानसिक शांति प्रदान करती है।

सोना कितना खरा : कैसे करें निवेश कि हो जाएं मालामाल

क्या बेहतर सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड या डिजिटल गोल्ड, फायदे और अंतर जानने के बाद ही करें इंवेस्टमेंट

बिजनेस डेस्क

सर्राफा बाजार में इन दिनों सोने की चर्चा जोरों पर हैं। जानकारों का कहना है कि इस साल सोना 75 से 80 हजारी तक हो सकता है। ऐसे में सोने में निवेश एक बेहरीन अवसर है। अगर आपके मन में भी सोने में निवेश कर अच्छा मुनाफा कमाने की चाहत है तो आप भी इसमें निवेश कर सकते हैं। गोल्ड यानी सोना लॉन्ग टर्म परफॉर्मर रहा है। निवेश के लिए यह एक भरोसेमंद विकल्प है। हो सकता है कि इसमें इक्विटी की तरह से अचानक हाई रिटर्न न मिले, लेकिन यह लंबी अवधि में स्टेबल रिटर्न देने के लिए जाना जाता है। लंबी अवधि में इसका रिटर्न कई एसेट क्लास से बेहतर भी रहा है। न सिर्फ आर्थिक अनिश्चितता में बल्कि गोल्ड ने तो शेयर बाजारों की तेजी में भी हाई रिटर्न दिया है। ऐसे में एक्सपर्ट पोर्टफोलियो में 5 से 8 फीसदी अलोकेशन गोल्ड में रखने की बात करते हैं। उनका यह भी कहना है कि गोल्ड में निवेश का बेस्ट विकल्प सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) हो सकता है, क्योंकि इसमें मिलने वाले कुछ बेनेफिट इसे खास बनाते हैं। गोल्ड में इंवेस्ट करने की इच्छा है तो फिजिकल गोल्ड से बढ़िया है कि आप सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड या फिर डिजिटल गोल्ड में इंवेस्ट करें। अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर किसमें निवेश करना ज्यादा बेहतर है और दोनों में क्या-क्या अतंर है तो चलिए इस रिपोर्ट में आपको बताते हैं कि सोने में निवेश के लिए क्या बेहतर है।

क्या है सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड एक सरकारी बॉन्ड होता है। इसे आरबीआई के द्वारा जारी किया जाता है। ये बॉन्ड 1 ग्राम सोने का होता है इसका मतलब है कि 1 ग्राम सोने की जो कीमत होती है वहीं, बॉन्ड की कीमत होती है। इसमें अगर आप निवेश करते हैं तो जोखिम का खतरा भी काफी कम होता है। इसमें आप 24 कैरेट के 99.9 प्रतिशत शुद्ध सोने में इंवेस्ट कर सकते हैं। बात करें इसकी मैच्योरिटी की तो बता दें कि इसमें निवेश को मार्केट रेट के हिसाब से पैसे मिलते हैं और सब्सक्राइबर्स को 2.5 प्रतिशत का सालाना ब्याज मिलता है।

क्या होता है डिजिटल गोल्ड

आज के डिजिटल युग में लोगों सिर्फ फिजिकल गोल्ड में ही नहीं, बल्कि डिजिटल गोल्ड में भी निवेश करना बहुत पसंद कर रहे हैं। यह एक ऐसे प्रकार का गोल्ड है, जिसे आप आसानी से बेच भी सकते हैं और इसमें निवेश करना भी काफी सुरक्षित माना जाता है। सिर्फ यही नहीं, आप डिजिटल गोल्ड में एक रुपये से भी निवेश करना शुरू कर सकते हैं। डिजिटल गोल्ड को डिजिटल वॉलेट में रखा जाता है और समय के साथ इसकी कीमत भी बढ़ती जाती है। गूगल पे, फोन पे, अन्य कई सारे ऐप्स के माध्यम से भी आप डिजिटल गोल्ड खरीद सकते हैं। भारत में एमएमटीसी-पीएएमपी इंडिया प्रा. लिमिटेड, ऑगमोंट गोल्ड लिमिटेड जैसी कंपनियां डिजिटल गोल्ड ऑफर करती हैं। आप डिजिटल गोल्ड को फिजिकल रूप में भी बदल सकते हैं। इसे आप गोल्ड बार, गोल्ड के सिक्कों में भी बदल सकते हैं।

डिजिटल गोल्ड और सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में अंतर

डिजिटल गोल्ड में आपको गोल्ड के दामों का तुरंत अपडेट मिलता है। आप रीयल-टाइम मार्केट अपडेट के आधार पर गोल्ड को खरीद या बेच सकते हैं। सिर्फ यही नहीं, डिजिटल गोल्ड को आप फिजिकल गोल्ड में आसानी से कन्वर्ट कर सकते हैं, जबकि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में आपको यह ऑप्शन नहीं मिलता है। इसके अलावा सॉवरेन गोल्ड में 5 साल का लॉक-इन टाइम पीरियड होता है और 5 साल पूरा होने के बाद ही आप प्री-मैच्योर रिडम्पशन करा सकते है। मुख्य रूप से सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड 8 साल में मैच्योर होता है। वहीं, डिजिटल गोल्ड में कोई भी लॉक-इन पीरियड नहीं होता है और इसे कभी भी खरीदा या बेचा जा सकता है। डिजिटल गोल्ड खरीदने के लिए आपको सिर्फ इंटरनेट और नेटबैंकिंग की जरूरत होती है। डिजिटल गोल्ड पर टैक्स प्लस सेस और सरचार्ज चुकाना पड़ता है और इसके कारण इसका मुनाफा कम हो जाता है। वहीं, डिजिटल गोल्ड को लेकर आधिकारिक तौर पर ऑफिशियल रेगुलेटरी संस्था नहीं है, जबकि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम केंद्र सरकार के तहत काम करती है। इन दोनों में ही निवेश करने से पहले आपको इनके बारे में पूरी जानकारी प्राप्त करनी चाहिए।

इस सप्ताह कई अहम राजनीतिक व कूटनीतिक घटनाएं हुई हैं। चौथे चरण के चुनाव में जहां मतदान प्रतिशत बढ़ा है, यह बढ़ोतरी आगे शेष चरणों में भी देखने को मिल सकती है। आप के मुखिया दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को चुनाव प्रचार की सशर्त अनुमति अदालत से मिली तो उन्होंने 75 प्लस का मुद्दा उठाकर भाजपा को सफाई देने के लिए मजबूर कर दिया, लेकिन स्वाति मालीवाल पिटाईकांड के बाद से वे सवालों के घेरे में हैं। शेष तीन चरण के लिए जहां भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है, पीएम नरेन्द्र मोदी ताबड़तोड़ रैली कर रहे हैं, वे फिर अयोध्या गए हैं। भाजपा पूरी क्षमता से जुटी हुई है तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी रायबरेली तक सिमटते दिख रहे हैं, पर्चा भरने के एक सप्ताह के दरम्यान राहुल ने केवल एक रैली ओडिशा में की। राज्यों में कांग्रेस के प्रचार में राहुल सरीखे बड़े नेता नदारद हैं, सपा मुखिया अखिलेश यूपी तक सीमित हैं। आप केवल 19 सीटों पर लड़ रही है, महाराष्ट्र में शरद पवार, उद्धव व कांग्रेस नेता मोमेंटम नहीं बना पा रहे हैं, इसके उलट भाजपा शिद्दत से चुनाव प्रचार कर रही है, भाजपा के दिग्गज नेता शेष चरण के सभी राज्यों में अपने उम्मीदवार के समर्थन में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। इस बीच ईरान के साथ चाबहार पोर्ट समझौते ने भारत के लिए मध्य एशिया से यूरोप तक के ट्रेड द्वार खोल दिए हैं। चाबहार डील पर अमेरिका की धमकी को गंभीरता से लेते हुए भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। अमेरिकी धमकी को दरकिनार किया है। शेष तीन चरण के चुनाव अभियान का आंकलन व चाबहार डील से फायदे का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

शेष समर में भाजपा ने झोंकी ताकत

विश्लेषण
अवधेश कुमार
वरिष्ठ पत्रकार

निश्चय ही शेष तीन चरणों में रायबरेली, अमेठी और वाराणसी सर्वाधिक चर्चा में रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी पहले भी रैलियां कर रहे थे, लेकिन पिछले 10 दिनों में जितना उन्होंने परिश्रम किया है वह सब रोड शो, रैलियां, कार्यकर्ताओं के साथ संवाद और टीवी इंटरव्यू में लगातार दिख रहे हैं। निश्चय ही इसका असर है और विपक्ष के नेताओं के लिए इसके समानांतर उसी रूप में संपूर्ण देश या अपने राज्यों में मतदाताओं को आकर्षित करना कठिन चुनौती है। अगर राहुल गांधी पहले की तरह सक्रिय नहीं दिखते और रायबरेली या कुछ क्षेत्रों तक सीमित रहते हैं तथा केजरीवाल को जगह-जगह स्वाति मालीवाल के प्रश्नों पर झेंपना पड़ता है तो इसका असर चुनाव में नहीं होगा ऐसा कौन कह सकता है।

चुनाव आयोग की यह सूचना निश्चय ही उत्साहित करने वाली है कि 13 मई को हुए चौथे चरण के मतदान में मतदान करने वालों की संख्या 2019 के मुकाबले ज्यादा रही। इस चरण में मतदान 69.56 प्रतिशत हुआ जो 2019 के संसदीय चुनाव में इसी चरण की तुलना में 3.65 फीसदी अधिक है। इससे पहले के तीन चरणों में कम मतदान का कई प्रकार से विश्लेषण किया जाने लगा था। तीसरे चरण में मतदान का आंकड़ा 65.68 प्रतिशत रहा जबकि 2019 में यह आंकड़ा 68.4 फीसदी था। 26 अप्रैल को दूसरे चरण में 66.71 फीसदी मतदान हुआ जबकि 2019 में 69.64 प्रतिशत मतदान हुआ था। पहले चरण में 66.5 प्रतिशत मतदान हुआ जो 2019 के 69.43 फीसदी से कम था। हालांकि अभी चार चरणों के मतदान को मिला दें तो यह 2019 से करीब 2.5 फीसदी के आसपास कम होगा। उम्मीद करनी चाहिए कि आने वाले तीन चरणों में जहां 163 सीटों पर मतदान होना है, आंकड़ा और बढ़ेगा। अगर आंकड़ा नहीं भी बढ़ा तो राष्ट्रीय स्तर पर मतदान में इतनी कमी को ज्यादा चिंताजनक गिरावट के रूप में नहीं देखा जाएगा।

उदाहरण स्थापित किया

अभी इसमें पड़ने की आवश्यकता नहीं है कि मतदान करने वालों में भारतीय जनता पार्टी और राजग के मतदाता अधिक निकल रहे हैं या विरोधियों के। इस चुनाव ने फिर एक बार साबित किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं अपने व्यवहार से कार्यकर्ताओं, समर्थकों के लिए उदाहरण स्थापित करते हैं और राजनीति एवं चुनाव के एजेंडा भी सेट करते हैं। हालांकि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चुनाव प्रचार के लिए उच्चतम न्यायालय द्वारा दी गई एक जून तक की सशर्त्त जमानत को आईएनडीआईए गठबंधन के लिए बड़ी घटना के रूप में प्रचारित किया गया। उन्होंने अपने चरित्र के अनुरूप निकलने के साथ ही ऐसे बयान देना शुरू किया जो अभी तक आईएनडीआईए के एजेंडे में नहीं था। उदाहरण के लिए भाजपा में 75 वर्ष की उम्र में रिटायरमेंट का मुद्दा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही अपनी पार्टी में पदों के लिए 75 वर्ष की उम्र सीमा बनाई थी जिसके कारण अनेक लोगों को चुनावी राजनीति से बाहर होना पड़ा तो वह अपने पर भी इसे लागू करेंगे। चूंकि वे 17 सितंबर, 2025 को 75 वर्ष के हो रहे हैं, इसलिए रिटायरमेंट ले लेंगे। रिटायरमेंट लेंगे तो अपने करीबी अमित शाह को ही प्रधानमंत्री बनाएंगे। उन्होंने यह भी कह दिया कि वह योगी आदित्यनाथ को उनके पद से हटा देंगे। इस पर आगे चर्चा करेंगे। दो दौर में मतदान प्रतिशत की गिरावट के बाद जो संकेत सामने आया उसके बाद प्रधानमंत्री ने ऐसा लगा जैसे नए सिरे से करवट ली हो और चुनाव प्रचार शुरू किया हो। वे अयोध्या गए ,योगी आदित्यनाथ के साथ रामलला के दर्शन किए, रोड शो किए और वहां से संदेश दिया कि चुनाव भाजपा के नियंत्रण में है। उसके बाद से चाहे वाराणसी में चौथे चरण के चुनाव के दिन नामांकन दाखिल करना हो या अन्य कार्यक्रम वे लगातार देश के सामने रहे। वाराणसी में कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए पूरे देश के भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं को संदेश दिया कि मतदान बढ़ाना आपकी भूमिका है, इसके लिए उन्होंने जिस तरह के भावनात्मक शब्दों का इस्तेमाल किया उससे कार्यकर्ता प्रेरित हुए होंगे। समाचार आ रहा था कि भाजपा के कार्यकर्ताओं-नेताओं का एक वर्ग स्थानीय स्तर पर उदासीन है। इसे ही कहते हैं नेतृत्व, जो किसी भी परिस्थिति में लोगों को प्रेरित करने के लिए जान लगा दे। प्रधानमंत्री ने यही दिखाया। उसके साथ उन्होंने दोबारा सभी टेलीविजन चैनलों को इंटरव्यू दिया। आप देखेंगे कि प्रधानमंत्री जहां भी थे वहीं से उन्होंने इंटरव्यू दिया और पूरी बातचीत की।

भ्रम और विरोध पैदा करना

इन सबमें नए सिरे से चुनाव का एजेंडा तथा जीतने के विश्वास के साथ भावी सरकार की कार्य योजनाओं का विवरण था। इसके समानांतर राहुल गांधी लगभग दृश्य से एक सप्ताह के आसपास लगभग ओझल रहे। रायबरेली से नामांकन के बाद वहीं दिखे और उसके बाद लगभग 10 दिन बाद ओडिशा की रैली में सामने आए। अभी तक उन्होंने टीवी चैनलों को चुनाव में एक साक्षात्कार नहीं दिया है। अरविंद केजरीवाल की ओर लौटें तो कहने की आवश्यकता नहीं कि 75 वर्ष में रिटायरमेंट एक शिगूफा था। उन्हें भी पता है कि ऐसा होने वाला नहीं है। भाजपा में 2014 से कुछ समय तक 75 वर्ष की उम्र सीमा का अघोषित बंधन दिखाई पड़ता था। आगे ऐसा बंधन नहीं रहा। वीएस येदियुरप्पा को कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनाया गया तो ई श्रीधरन को केरल के मुख्यमंत्री के उम्मीदवार के रूप में पेश किया गया। संसदीय बोर्ड एवं चुनाव समिति में ऐसे सदस्य हैं जो इस उम्र सीमा के बंधन से आगे निकल चुके हैं। केजरीवाल ने सोचा कि भाजपा के अंदर यह प्रश्न उठेगा और समर्थक भी सोचेंगे कि भाई मोदी जी अगर रिटायर ही हो जाएंगे तो हम उनके नाम पर वोट क्यों दें? योगी आदित्यनाथ के समर्थकों की भाजपा और संगठन परिवार में सबसे बहुत बड़ी संख्या है। यानी भाजपा के समर्थकों को पहले मोदी के नाम पर और योगी समर्थकों को उनके नाम पर भ्रम और विरोध पैदा करना।

आम मतदाताओं तक संदेश

वैसे शेष बचे 163 सीटों में आम आदमी पार्टी केवल 22 पर लड़ रही है। मुख्यतः दिल्ली एवं पंजाब तक सीमित है। गुजरात में कांग्रेस ने उसे एक सीट दी है। इसमें उनके बयान या उनकी यात्राएं दूसरी पार्टी को बहुत लाभ पहुंचाएंगे ऐसा मानने का कोई कारण नहीं है। मुख्यमंत्री आवास पर अरविंद केजरीवाल के सहायक द्वारा राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल की पिटाई सबसे बड़ा राजनीतिक बवंडर का विषय है, जिनका जवाब उनके लिए देना कठिन हो गया। दिल्ली के बाहर उन्होंने पहली यात्रा लखनऊ की। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ पत्रकार वार्ता में जब यह प्रश्न उठा तो माइक अपने साथी राज्यसभा सांसद संजय सिंह की ओर खिसकाना पड़ा। अखिलेश यादव ने यह कहकर कि इससे अलावा भी मुद्दे हैं, वास्तव में ऐसा रक्षात्मक रूप अपनाया जिसके विरुद्ध क्षोभ और गुस्सा पैदा हुआ होगा। संदेश जा रहा है कि महिला से हिंसा और दुर्व्यवहार की निंदा करने से वह बच रहा है। स्वाति मालीवाल की घटना ने आईएनडीआईए के नेताओं को संदेशखाली के बाद दूसरी बार ऐसी स्थिति में ला दिया है जहां सच जानते हुए भी स्टैंड नहीं ले रहे हैं। इसका संदेश आम मतदाताओं तक जा रहा है।

शेष चरण महत्वपूर्ण

शेष बचे मतदान में कांग्रेस का महाराष्ट्र, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों के अलावा बहुत ज्यादा दांव पर नहीं है। उत्तर प्रदेश के रायबरेली से राहुल गांधी चुनाव लड़ रहे हैं, पूरी पार्टी वहां लगी है, लेकिन प्रदेश में सपा मुख्य ताकत है और कांग्रेस को केवल 17 सीटें लड़ने के लिए मिली हैं। बिहार में पार्टी लालू प्रसाद यादव के राजद के सहारे हैं और ओडिशा में इसकी कोई ताकत नहीं। दिल्ली में कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी के बाद दूसरी ताकत होना स्वीकार किया। पंजाब में आम आदमी पार्टी से भी इसे टकराना पड़ेगा और हरियाणा में पार्टी कलह और गुटबंदी का शिकार है। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस का कोई वरिष्ठ नेता चुनाव प्रचार करने नहीं गया। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी के प्रचार में केवल शशि थरूर गए। राहुल गांधी ने वहां झांकना तक जरूरी नहीं समझा। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक हरियाणा और पंजाब के पार्टी नेतृत्व की भी यही शिकायत थी कि केंद्रीय नेता अभी तक रैली करने नहीं आए। भाजपा के लिए शेष चरण निश्चय ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि इनमें 70 प्रतिशत से ज्यादा सीटें पिछले चुनाव में उसे मिली थी। भाजपा हर चुनाव में पूरी ताकत लगाती है और रायबरेली में फिर राहुल की घेराबंदी की कोशिश है। रायबरेली में स्थानीय नेताओं के बीच एकजुटता न देख केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह स्वयं सपा और भाजपा में आए विधायक मनोज पांडे के घर गए और उम्मीदवार दिनेश प्रताप सिंह के साथ मिलकर काम करने का वायुमंडल बनाया। पिछले चुनाव में भाजपा अपनी रणनीति से अमेठी से राहुल गांधी को पराजित कर चुकी है। राहुल गांधी उत्तर प्रदेश के इन दोनों स्थानों से लड़ने के अनिच्छुक थे इसका प्रमाण अंतिम समय तक दोनों स्थानों के लिए उम्मीदवारी की घोषणा नहीं होना था। उनका नाम नामांकन के कुछ समय पहले घोषित किया गया। स्वयं प्रधानमंत्री ने इसे मुद्दा बनाया है। निश्चय ही शेष तीन चरणों में रायबरेली, अमेठी और वाराणसी सर्वाधिक चर्चा में रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी पहले भी रैलियां कर रहे थे, लेकिन पिछले 10 दिनों में जितना उन्होंने परिश्रम किया है वह सब रोड शो, रैलियां, कार्यकर्ताओं के साथ संवाद और टीवी इंटरव्यू में लगातार दिख रहे हैं। निश्चय ही इसका असर है और विपक्ष के नेताओं के लिए इसके समानांतर उसी रूप में संपूर्ण देश या अपने राज्यों में मतदाताओं को आकर्षित करना कठिन चुनौती है। अगर राहुल गांधी पहले की तरह सक्रिय नहीं दिखते और रायबरेली या कुछ क्षेत्रों तक सीमित रहते हैं तथा अरविंद केजरीवाल को जगह-जगह स्वाति मालीवाल के प्रश्नों पर झेंपना पड़ता है तो इसका असर चुनाव में नहीं होगा ऐसा कौन कह सकता है। बचे चरणों में भाजपा-कांग्रेस की साख दांव पर है।

कूटनीति: जो न रुके, न झुके, वो है भारत

चाबहार समझौता
प्रभात कुमार राय
विदेश मामलों के जानकार

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए जितना आवश्यक रहा है थल और हवाई मार्ग और उतना ही आवश्यक रहा है जल मार्ग। जल मार्ग की महत्ता को मद्देनजर रखते हुए भारत सरकार ने सोमवार 13 मई को ईरान के चाबहार में स्थित शाहिद बेहस्ती बंदरगाह के संचालन के लिए 10 वर्षीय समझौता अंजाम दिया है। शाहिद बेहस्ती बंदरगाह वस्तुतः ईरान का दूसरा सबसे बड़ा और अहम बंदरगाह है। 10 वर्ष व्यतीत हो जाने के बाद इस समझौते का फिर से नवीनीकरण किया जाएगा। भारत के जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने देश में जारी आम चुनाव के बीच ईरान पहुंचकर अपने समकक्ष के साथ इस समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए। यह समझौता भारत के लिए कितना अहम है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि भारत ने आम चुनाव के खत्म होने व नई सरकार बनने का इंतजार नहीं किया। चाबहार बंदरगाह समझौता के संपन्न हो जाने के बाद अमेरिका ने भारत को धमकी भरे अंदाज में कहा है कि भारत को ईरान के साथ संपन्न हुए समझौते के कारण अमेरिका द्वारा आयाद आर्थिक प्रतिबंधों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। अमेरिका कदापि नहीं चाहता कि भारत वस्तुतः ईरान के साथ किसी तरह का कोई भी व्यापारिक संबंध स्थापित करे।

कूटनीतिक प्रभाव

उल्लेखनीय है कि ईरान पर अमेरिका द्वारा कड़े आर्थिक प्रतिबंध आयाद किए गए थे। तभी से भारत ने ईरान से कच्चे तेल का आयात बंद कर दिया था और भारत द्वारा ईरान से तेल का आयात अभी तक प्रारंभ नहीं किया गया है। उस वक्त यकीनन भारत ने अमेरिका के कूटनीतिक प्रभाव में आकर ईरान से तेल का आयात बंद कर दिया था। अब फिर से भारत और ईरान के मध्य अंजाम दिए गए चाबहार समझौते के बाद अमेरिका भारत को आर्थिक प्रतिबंध आयाद करने की धमकियां देने पर उतारू हो गया है। गौरतलब है कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में अंजाम दिए गए परमाणु परीक्षणों के बाद भी अमेरिका द्वारा आयद प्रतिबंधों को भारत द्वारा बाकायदा कामयाबी के साथ झेला गया था। तब भी अमेरिका भारत का बाल बांका नहीं कर सका था और भारतीय अर्थव्यवस्था निरंतर गति से आगे बढ़ती चली गई। उस प्रतिबंध से उल्टे अमेरिका का ही नुकसान हुआ कि उसका भारत में निर्यात प्रभावित हुआ। चाबहार बंदरगाह प्रोजेक्ट वस्तुत पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह के लिए भी कड़ी चुनौती बन चुका है, जिसका निर्माण चीन द्वारा किया जा रहा है। चाबहार बंदरगाह भारत की विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए एक शानदार सेतु बन जाएगा, क्योंकि यह बंदरगाह गहरे समुद्र वाला बंदरगाह है।

उल्लेखनीय है कि जब यूक्रेन युद्ध का प्रारंभ हुआ था, उस वक्त भी अमेरिका द्वारा रूस पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध किए गए थे। अमेरिकी प्रतिबंधों की घनघोर अवहेलना करते हुए भारत ने रूस से कच्चे तेल का आयात शुरू किया, तब भी

अमेरिका द्वारा भारत पर आर्थिक प्रतिबंधों को आयाद करने की धमकियां दी गई थीं। किंतु भारत ने अमेरिका की धमकियों की घोर उपेक्षा करते हुए रूस से तेल और प्राकृतिक गैस का आयात निरंतर जारी रखा है और रूस से आयात किए गए तेल और प्राकृतिक गैस के कारण के भारत को कम से कम 300 मिलियन डॉलर की सालाना बचत हो चुकी है। रूस से एंटी मिसाइल डिफेंस सिस्टम एस-400 की डील के वक्त भी अमेरिका ने भारत के खिलाफ त्योरियां चढ़ाई थीं, उस वक्त भी भारत ने परवाह नहीं की थी। अब भी चाबहार समझौते के कारण भारत पर आर्थिक प्रतिबंध आयाद करने की अमेरिकन धमकियों की परवाह न करते हुए भारत द्वारा चाबहार बंदरगाह के विकास का काम बाकायदा जारी रखा जाएगा।

नया संवर्धित प्रारूप करार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ईरान यात्रा के दौरान वर्ष 2016 में चाबहार में स्थित शाहिद बेहस्ती बंदरगाह समझौते की बुनियाद रख दी गई थी। इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल कंपनी द्वारा वर्ष 2018 से चाबहार में स्थित बंदरगाह का संचालन किया जा रहा है। 13 मई 2024 को संपन्न हुए समझौते को वस्तुतः वर्ष 2016 में हुए समझौते का नया संवर्धित प्रारूप करार दिया जा रहा है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर फरमाते हैं कि इस समझौते के बाद चाबहार बंदरगाह प्रोजेक्ट में एक बड़े निवेश का रास्ता भारत के लिए खुल जाएगा। भारत सरकार ने ईरान के चाबहार बंदरगाह को विकसित करने के लिए इंडिया पोर्टस ग्लोबल लिमिटेड नाम की कंपनी को कार्यभार सौंपा है। वर्ष 2016 के बाद वर्ष 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह कहा था कि चाबहार बंदरगाह भारत को व्यापार के लिए एक शानदार और नया समुद्री मार्ग प्रदान कर देगा, जिससे कि पाकिस्तान को बाईपास करते हुए भारत द्वारा अज़रबैजान, रुस और मध्य एशिया के साथ भारत द्वारा अपना व्यापार संपन्न किया जा सकेगा। इस समझौते के तहत भारत की इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड कंपनी कुल मिलाकर भविष्य में चाबहार बंदरगाह को विकसित करने के लिए 3000 करोड रुपयों का निवेश और करेगी। अभी तक भारतीय कंपनी चाबहार बंदरगाह के विकास के लिए 835 करोड रुपये का निवेश कर चुकी है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत द्वारा प्रस्तावित इंटरनेशनल साउथ नॉर्थ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर, जोकि 7200 लंबा प्रस्तावित समुद्री मार्ग है, इस परियोजना को चाबहार बंदरगाह का बड़ा बुनियादी समर्थन प्राप्त हो सकेगा। इंटरनेशनल साउथ नॉर्थ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर के निर्माण हो जाने के पश्चात भारत के समुद्री मार्ग के माध्यम से सीधी पहुंच यूरोप और मध्य एशिया के देशों तक हो जाएगी। इंटरनेशनल साउथ नॉर्थ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर को विकसित करने की परियोजना भारत बना चुका है। प्रस्तावित समुद्री मार्ग परंपरागत समुद्री मार्ग की अपेक्षा चालीस फीसदी कम दूरी वाला और 30 फ़ीसदी से अधिक सस्ता साबित होगा। इस कोरिडोर को अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया, सऊदी अरब, यूएई आदि देशों का समर्थन प्राप्त है।

प्रोजेक्ट रोकने की कोशिश

उल्लेखनीय है कि चीन द्वारा पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में में ग्वादर बंदरगाह को विकसित करने का प्रोजेक्ट पूरा किया जा रहा है। हालांकि बलोच विद्रोही निरंतर चीन के इंजीनियरों पर घात लगाकर हिंसक आक्रमण करते रहे हैं। बलोच विद्रोही ग्वादर बंदरगाह प्रोजेक्ट को रोकने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। ग्वादर बंदरगाह से चाबहार बंदरगाह की दूरी तकरीबन 100 किलोमीटर है। चाबहार बंदरगाह यकीनन अफगानिस्तान और मध्य एशिया के उन लैंडलॉक कंट्रीज के लिए वरदान साबित हो सकता है, जिनकी पहुंच सीधे गहरे समुद्र तक नहीं रही है। इस बंदरगाह से भारत ग्लोबल ट्रेड फ्रंट पर बहुत आगे पहुंच सकेगा। इससे दक्षिण चीन सागर के रास्ते पर निर्भरता भी कम होगी। नया कोरिडोर यूरोप, यूरेशिया व मध्य पश्चिम एशिया की भारत तक पहुंच आसान बनाएगा।

बहुध्रुवीय वैश्विक शक्तियां

विश्व पटल पर विद्यमान शक्ति संतुलन पर निगाह डालें तो अब अमेरिका एक ध्रुवीय विश्व शक्ति नहीं रह गया है। अब विश्व में बहुध्रुवीय वैश्विक शक्तियां उभर कर सामने आ गई हैं। एक तरफ अमेरिका के नेतृत्व में नाटो सैन्य शक्तियां हैं और दूसरी तरफ रुस, चीन, ईरान और नॉर्थ कोरिया आदि सैन्य शक्तियां विद्यमान है। अतः अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय बादशाहत का विश्व पटेल पर अंत हो चुका है। यहां तक कि अमेरिका द्वारा रूस पर आयाद आर्थिक प्रतिबंधों को यूरोप के नाटो देश ही स्वीकार नहीं कर रहे हैं। आजादी के बाद भारत एक गुटनिरपेक्ष देश रहा है। जोकि कोल्ड वॉर के विकट दौर में भी किसी भी सैन्य गुट में शामिल नहीं हुआ। आज जबकि दुनिया फिर से सैन्य गुटों में विभाजित हो रही है भारत ने अपनी स्वतंत्र विदेश नीति को कायम बनाए रखा है। भारत के संबंध रूस के साथ और अमेरिका के साथ मित्रतापूर्ण रहे। अब फिर से अमेरिका भारत की गुटनिरपेक्ष स्वतंत्र विदेश नीति को प्रभावित करने का प्रयास कर रहा है, जिसमें उसे फिर से मुंह की खानी पड़ेगी। विदेश नीति के निर्धारण में किसी भी देश के लिए उसके राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होते हैं। भारत के लिए भी उसके राष्ट्रीय हित सर्वोपरि हैं। भारत अपनी प्रबल सुरक्षा और विकासमान अर्थव्यवस्था के लिए किसी भी देश से व्यापारिक समझौता कर सकता है। भारत के ईरान के साथ सदियों पुराने सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीतिक संबंध कायम बने रहे हैं। कभी-कभी बाहरी ताकतों की वजह से भारत-ईरान संबंध में कुछ व्यवधान जरूर पैदा हुआ है, पर वह अल्पकालीन ही रहा है। अभी चीन व ईरान की बढ़ती नजदीकी के चलते भारत व ईरान के बीच जारी चाबहार पोर्ट डील की गति धीमी पड़ी थी। अमेरिका को कोई हक नहीं बनता है कि ईरान के साथ भारत के व्यापारिक संबंधों को लेकर किसी तरह के आर्थिक प्रतिबंध आयाद करें। रूस पर आयाद प्रतिबंधों को लेकर भी अमेरिका के समक्ष भारत कदाचित नहीं झुका और उसने रूस से तेल का आयात निरंतर जारी रखा। इसी तरह से वह ईरान के साथ स्थापित अपने व्यापारिक संबंधों को लेकर भी अमेरिका के कूटनीतिक दबाव में भारत कदापि नहीं आएगा। जो न रुके, जो न झुके, वो है भारत।

चाबहार प्रोजेक्ट के बारे में सबकुछ

चाबहार, ईरान का एकमात्र समुद्री बंदरगाह है। यह मकरान तट पर सिस्तान एवं बलूचिस्तान प्रांत में ओमान की खाड़ी में स्थित है। चाबहार में दो मुख्य बंदरगाह हैं, शाहिद कलंतरी एवं शाहिद बेहिश्ती बंदरगाह। ईरान से भारत का शाहिद बेहिश्ती बंदरगाह के निर्माण को लेकर दीर्घकालीन समझौता हुआ है। भारत ने मई 2015 में चाबहार बंदरगाह के विकास के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया था। मई 2016 में भारत, ईरान एवं अफगानिस्तान द्वारा अंतर्राष्ट्रीय परिवहन और पारगमन गलियारे की स्थापना के लिए त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसे चाबहार समझौते के रूप में भी जाना जाता है। ऐतिहासिक रूप से अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक भारत की पहुँच काफी हद तक पाकिस्तान के माध्यम से पारगमन मार्गों पर निर्भर रही है। चाबहार बंदरगाह भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया में व्यापार के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करता है, जिसके लिए भारत पहले पाकिस्तान पर निर्भर करता था। चाबहार बंदरगाह भारत की ईरान तक पहुँच को सुविधाजनक बनाएगा, जो अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कोरिडोर-आईएनएसटीसी) का मुख्य प्रवेश बिंदु है, जो भारत, ईरान, रूस, मध्य एशिया और यूरोप को सड़क, रेल और समुद्र के माध्यम से जोड़ता है। संसाधन संपन्न मध्य एशियाई देशों और अफगानिस्तान के साथ संबंध बढ़ाने के भारत के प्रयासों में चाबहार बड़ी भूमिका निभाएगा। यह भारत को अपने व्यापारिक मार्गों में विविधता लाने तथा ईरान व अफगानिस्तान के अतिरिक्त रूस, यूरेशिया और यूरोप के बाज़ारों तक पहुँच बढ़ाने में सहायता करेगा। आईएनएसटीसी मार्ग के माध्यम से कार्गो आवाजाही से लागत में 30% और परिवहन में लगने वाले समय में 40% की बचत होने का अनुमान है, जिससे प्रतिस्पर्धी लागत में त्वरित बदलाव सुनिश्चित हो सकेगा। मध्य एशियाई देश, जो संसाधनों से समृद्ध हैं, लेकिन कज़ाखस्तान और उज़्बेकिस्तान जैसे देशों, जो समुद्र तक सीधी पहुँच नहीं रखते हैं, ने हिंद महासागर क्षेत्र से जुड़ने तथा भारतीय बाज़ार में प्रवेश करने के लिये चाबहार का उपयोग करने में रुचि दिखाई है। चाबहार बंदरगाह अफगानिस्तान में मानवीय सहायता और पुनर्निर्माण प्रयासों के लिये एक महत्त्वपूर्ण प्रवेश बिंदु के रूप में कार्य कर सकता है। कोविड-19 महामारी के दौरान चाबहार बंदरगाह ने मानवीय सहायता की आपूर्ति में अहम भूमिका निभाई है। चाबहार बंदरगाह के माध्यम से भारत से अफगानिस्तान तक 2.5 मिलियन टन गेहूं और 2,000 टन दालों का निर्यात किया है। वर्ष 2021 में भारत ने टिड्डियों के हमलों से निपटने के लिए बंदरगाह के माध्यम से ईरान को 40,000 लीटर पर्यावरण-अनुकूल कीटनाशक मैलाथियान भेजा था।

रणनीतिक प्रभाव

चाबहार बंदरगाह को विकसित और संचालित करके, भारत हिंद महासागर क्षेत्र में अपने रणनीतिक प्रभाव को बढ़ा सकता है, जिससे भारत की भू-राजनीतिक स्थिति मज़बूत हो सकती है। चाबहार बंदरगाह चीन द्वारा पाकिस्तान में ग्वादर बंदरगाह के विकास के प्रतिकार के रूप में कार्य करेगा। चाबहार में उपलब्ध डॉकिंग सुविधाओं के कारण भारत समुद्री डकैती के मामलों पर प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया दे सकता है।

चुनौतियां क्या हैं?

ईरान को लेकर अमेरिका की चिंताः ईरान के चाबहार बंदरगाह के विकास के लिये दीर्घकालिक मुख्य अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के पश्चात संयुक्त राज्य अमेरिका ने भारत को प्रतिबंधों के संभावित जोखिम की चेतावनी दी है। तेहरान में अमेरिकी दूतावास पर कब्ज़ा करने के बाद, वर्ष 1979 से अमेरिका ने विभिन्न कानूनी प्राधिकरणों के तहत ईरान के साथ की जाने वाली आर्थिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। इससे पहले वर्ष 2018 में अमेरिका ने चाबहार बंदरगाह की प्रगति और इसे अफगानिस्तान से जोड़ने हेतु रेलवे लिंक के निर्माण में सहायता के लिए भारत को विशिष्ट प्रतिबंधों से छूट दी थी। हूती विद्रोही संचार के समुद्री मार्गों को बाधित कर सकते हैं, जिससे चाबहार बंदरगाह पर यातायात भी प्रभावित होगा। अफगानिस्तान से अमेरिका सेना की वापसी और तालिबान के पुनः वापसी के कारण वहां अस्थिरता उत्पन्न हो गई है, जिसका भारत के साथ व्यापार संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। ईरान व उसके कुछ पड़ोसी देशों के मध्य अस्थिर संबंधों के साथ अफगानिस्तान तथा पाकिस्तान जैसे देशों में अस्थिर राजनीतिक स्थितियां भी चाबहार बंदरगाह व भारत के आर्थिक हितों को प्रभावित कर रही हैं।

प्रतिस्पर्धा

चाहबहार बंदरगाह में कई परिवहन मार्गों से चुनौतियां हैं, जैसे भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा जो एशिया और पूर्वी यूरोप को जोड़ता है। चाबहार में चीन जैसे मज़बूत प्रतिस्पर्द्धियों के द्वारा किया गया निवेश, ईरान में भारत के हितों को प्रभावित कर सकता है। चाबहार पोर्ट परियोजना का उद्देश्य बंदरगाहों, सड़कों एवं रेलवे जैसे बुनियादी ढांचे में सुधार करना है, जिसके लिए महत्त्वपूर्ण निवेश, समय तथा विशेषज्ञता की आवश्यकता है। कोई भी देरी या अक्षमता इसकी प्रगति में बाधा बन सकती है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने स्वाति मालीवाल प्रकरण में केजरीवाल को घेरा

भारतीय संस्कृति में देवी स्वरूपा मानी जाती हैं महिलाएं, स्वाति मालीवाल प्रकरण को लेकर 'आप' को जनता नहीं करेगी माफ, केजरीवाल जिम्मेदार पर करें कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आम आदमी पार्टी की सांसद स्वाति मालीवाल के मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल से अपनी स्थिति स्पष्ट करने का कहा है।

उन्होंने कहा कि आप पार्टी सांसद स्वाति मालीवाल के साथ दिल्ली के मुख्यमंत्री निवास में हुए दुर्व्यवहार को लेकर सवाल पूछे जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को भोपाल में मीडिया के सवाल का जवाब दे रहे थे।

डॉ. यादव ने कहा- घटना पर संज्ञान लेकर पार्टी स्तर पर आप को लेना चाहिए एक्शन

राज्यसभा सांसद व आप नेत्री स्वाति मालीवाल पार्टी की बड़ी नेता

ऐसा पहली बार, घर में मारपीट हो जाए और मुख्यमंत्री कुछ नहीं करें

डॉ. यादव ने कहा कि यह दिल्ली की आप पार्टी और मुख्यमंत्री केजरीवाल के घर के अंदर और उनके खुद के व्यवहार का मामला है। आजादी के इतिहास में पहली बार ऐसा हो रहा है कि किसी मुख्यमंत्री को प्रकरण में जेल जाना पड़े, वो पद भी नहीं छोड़े। उनके घर में मारपीट हो जाए और मुख्यमंत्री कुछ नहीं करें। इन सब बातों को लेकर मुझे थोड़ी निराशा हुई। उन्हें इस घटना पर तुरंत ही संज्ञान लेकर जो भी जवाबदार है उस पर पार्टी स्तर पर कार्रवाई करना चाहिए।

सीएम डॉ. मोहन ने की घटना की निंदा

डॉ. यादव ने कहा कि राज्यसभा सांसद व आप नेत्री स्वाति मालीवाल उनकी पार्टी की बड़ी नेता हैं। एक महिला होने के नाते से कार्रवाई जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां तो महिलाएं देवी स्वरूपा मानी जाती है। इस प्रकरण को लेकर आप पार्टी को जनता माफ नहीं करेगी, ना उनके किसी पदाधिकारी को माफ करेगी। अभी भी समय है, उनको माफी मांगना चाहिए और इस पूरे मामले में अपनी स्थिति स्पष्ट करना चाहिए।

प्रदेश वासियों को अयोध्या दर्शन कराने के लिए बन रही है योजना

मुख्यमंत्री प्रदेश के वरिष्ठजनों को लेकर अयोध्या पहुंचे, प्रभु श्रीराम के किए दर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को प्रदेश के वरिष्ठजनों के साथ अयोध्या में रामलला के दर्शन किए। उन्होंने कहा कि एक बार मैं मंत्रिमंडल के सभी साथियों के साथ दर्शन करने अयोध्या गया था। सभी साथियों ने सपरिवार अयोध्या में श्रीराम के दर्शन किए थे, तभी यह निश्चित किया था कि प्रदेश के सभी जिलों के लोग अयोध्या जाकर दर्शन करें, ऐसी व्यवस्था की जाएगी। मेरे मन में यह सहज भाव है कि भगवान के दर्शन सभी को करने चाहिए। यह व्यवस्था इसी भाव का प्रकटीकरण होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ भोपाल से पूर्व राज्यसभा सदस्य रघुनंदन शर्मा, पूर्व सांसद नारायण केसरी, वरिष्ठ समाजसेवी ओम मेहता तथा वरिष्ठ पत्रकार रमेश शर्मा के साथ विमान से अयोध्या के लिए रवाना हुए। अयोध्या पहुंचने पर उत्तरप्रदेश विधानसभा सदस्य व भाजपा प्रदेश महामंत्री सुभाष यदुवंश, अयोध्या के विधायक वेद गुप्ता, प्रदेश भाजपा मंत्री मणींद्र पांडे और भाजपा जिला अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव तथा उनके साथ पधारे वरिष्ठ जन का आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्य प्रदेशों के लोग भी प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन करने आएं, इसके लिए भी योजना बनाई जा रही है।

अन्य राज्यों के लोग भी मप्र के धार्मिक स्थलों की यात्रा करें, इसके लिए भी बनेगी योजना

धार्मिक स्थलों की यात्रा और देव दर्शन से मन में रहता है संतोष

मुख्यमंत्री ने कहा कि आंतरिक दृष्टि से मप्र का भौगोलिक क्षेत्र बहुत बड़ा है, ऐसे प्रयासों से प्रदेश के देव स्थानों को लेकर लोगों में जागृति भी आएगी। धार्मिक स्थलों की यात्रा और देव दर्शन से मन में संतोष रहता है, व्यक्ति आंतरिक शक्ति का भी अनुभव करता है। इस प्रकार की यात्राएं और नवाचार क्षेत्रीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहित करने में सहायक होते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ गए वरिष्ठजन ने इस पहल के संबंध में कहा कि यह डॉ. यादव की संवेदनशीलता और वरिष्ठ जन के प्रति सम्मान की अभिव्यक्ति है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रावस्ती में आयोजित जनसभा में कसा तंज

नाम तो समाजवादी पार्टी रखा है, व्यवहार आपका परिवारवादी पार्टी की तरह: डॉ. यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को अयोध्या के बाद उप्र के श्रावस्ती पहुंचे थे। उन्होंने इस दौरान समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कहा नाम तो समाजवादी पार्टी रखा है, व्यवहार आपका परिवारवादी पार्टी की तरह है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव श्रावस्ती में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजमगढ़ में एक स्थान पर आया था तो समाजवादी पार्टी ने कहा, इनका उत्तर प्रदेश में क्या काम? उन्होंने कहा कि पूरे भारत से मेरा संबंध है। यह भारतीय जनता पार्टी है, जो सभी को अवसर देती है। जनता में से कोई भी मुख्यमंत्री बन जाए, मंत्री बन जाए, जनता में से सांसद बन जाए, न कि एक परिवार में से ही सब कुछ बने।

गौरवशाली मौका देने वाली पार्टी का नाम है भाजपा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आम जनों से पूछा कि गरीब किसान के घर में से सांसद, विधायक बनना चाहिए या नहीं। आम आदमी में से मंत्री बने, मुख्यमंत्री बने। यह यदि कोई गौरवशाली मौका देता है, उस पार्टी का नाम ही है, भारतीय जनता पार्टी। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने नाम तो समाजवादी पार्टी रखा, लेकिन व्यवहार परिवारवादी पार्टी की तरह है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अब परिवार में चाचा ही बेचारे लाइन में खड़े रह गए। आज तक उनके साथ तो न्याय नहीं करा, किसके साथ न्याय करोगे?

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन आज मुंबई पहुंचे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को मुंबई प्रवास पर पहुंचे। वहां उन्होंने पत्रकार वार्ता, शोभायात्रा एवं जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सुबह 11.50 बजे मुंबई के नरिमन प्वाइंट स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। इसके बाद दोपहर 1.35 बजे मुंबई दक्षिण मध्य लोकसभा के शिवाजी पार्क दादर में आयोजित शोभायात्रा में शामिल हुए। शाम 4 बजे मुंबई दक्षिण लोकसभा के लालबाग, मेघवाडी में जनसभा को संबोधित किया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग पहुंचे हुए थे।

एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या कर खुद ने भी लगाई फांसी, गांव में दहशत

हरिभूमि न्यूज ⏭ सारंगढ़ बिलाईगढ़

छत्तीसगढ़ के नवगठित सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई। मिली जानकारी के अनुसार सारंगढ़ जिला से 37 किलोमीटर दूर सलिहा थाना क्षेत्र के तहत आने वाले ग्राम थरगांव में एक ही परिवार के पांच लोग, जिनमें हेमलाल, जगमती, मीरा और मीरा के दो मासूम बच्चों को पप्पू टेलर नामक युवक ने हथौड़े और धारदार टंगिया से मौत के घाट उतार दिया। इस घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी ने भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी आग की तरह पूरे गांव में फैल गई और देखते ही देखते मौके पर लोगों की भारी भीड़ एकत्र हो गई, जिसने भी इस घटना के बारे में सुना वह दहशत में आ गया। निर्मम हत्याकांड की जानकारी मिलते ही सलिहा थाने की पुलिस टीम सहित सारंगढ़ पुलिस अधीक्षक पुष्कर शर्मा मौके पर पहुंचे।

प्रेम-प्रसंग हो सकता है हत्या की वजह

ग्रामीणों के अनुसार हत्या का कारण प्रेम प्रसंग हो सकता है। आरोपी पप्पू टेलर जगमती से प्यार करता था उसके परिजनों ने जगमती की कहीं और शादी तय कर दी थी। अंदाजा लगाया जा रहा है कि आरोपी ने इसी वजह से हत्या की बड़ी वारदात को अंजाम देने के बाद खुद भी आत्महत्या कर ली। पुलिस अधीक्षक पुष्कर शर्मा ने बताया कि इस जघन्य हत्या का कारण अभी तक पता नही चला है। साक्ष्य एकत्र कर रहे हैं।

भारी मात्रा में विस्फोटक व अन्य सामग्री बरामद

टेटराई तोलनाई के जंगल में मुठभेड़ पुलिस ने एक नक्सली को किया ढेर

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

छत्तीसगढ़ के सुकमा में टेटराई तोलनाई के जंगल में आज सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया है। पुलिस ने भारी मात्रा में विस्फोटक व अन्य नक्सली सामाग्री भी बरामद की है।

मामले की जानकारी देते हुए सुकमा पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि नक्सलियों की एक पार्टी जंगल मे मौजूद है। जिसके बाद पुलिस को तोलनाई एवं टेटराई के बीच जंगल पहाड़ी में भेजा गया। जैसे ही पुलिस टीम वहां पहुंची पहले से घात लगाए नक्सलियों ने उन पर हमला कर दिया। पुलिस के द्वारा भी जवाबी कार्रवाई की गई। जिसके बाद नक्सली जंगल के रास्ते भाग गए। बाद में जवानों ने इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया तो वहां एक नक्सली का शव बरामद हुआ।

तेंदूपत्ता तोड़ने गईं दो महिलाओं पर भालुओं ने किया हमला

कोरबा। कोरबा जिले के बालको वन परिक्षेत्र के टापरा गांव के शैगोंन जंगल में तेंदूपत्ता तोड़ने गई दो महिलाओं पर दो भालुओं ने हमला कर दिया। घायल 50 वर्षीय फूलकुंवर और घायल 55 वर्षीय चंद्रमति दोनों बालको वन परिक्षेत्र के टापरा गांव की रहने वाली हैं। दोनों रिश्ते में मितानिन होते हैं और सुबह 9 बजे लगभग एक साथ तेंदूपत्ता तोड़ने गांव से लगे जंगल में गए हुए थे। तेंदूपत्ता तोड़ते समय अचानक भालुओं ने हमला कर दिया। घायल फुलकुंवर खून से लतपथ किसी तरह घर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी दी इसके बाद घायल पड़ी महिला को घर लेकर आए।

कार ने बाइक सवार को मारी टक्कर, युवक गंभीर घायल

परपा थाना क्षेत्र के हाईवे के पास हुआ हादसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

जगदलपुर के परपा थाना क्षेत्र के हाईवे के पास एक तेज रफ्तार कार ने एक बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। वहीं, घायल को इलाज के लिए मेकाज अस्पताल लाया गया है।

मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि पामेला निवासी हरिराम मौर्य 30 वर्ष शनिवार की सुबह अपनी बाइक से सवार होकर पामेला से जगदलपुर की ओर सुबह नौ बजे के लगभग जा रहा था कि जैसे ही वह ठाबा के पास पहुंचा तो जगदलपुर की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में युवक को सिर, पैर, हाथ में गंभीर चोट आई है। घटना के बाद वाहन चालक मौके से भाग निकला, वहीं आसपास के लोगों ने मामले की जानकारी परपा थाना पुलिस के दी।

सुपेला को सेक्टर एरिया से जोड़ने वाले अंडर ब्रिज का शुभारंभ

ब्रिज के अंदर लोगों को होता है तारामंडल का अहसास

दीवारों पर उकेरी गई खूबसूरत कलाकृतियां लोगों को करती हैं आकर्षित

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग-भिलाई

सुपेला को सेक्टर एरिया से जोड़ने के लिए रेलवे द्वारा लगभग तीन साल पहले अंडर ब्रिज का निर्माण कार्य शुरू किया गया था, जो कि अब पूरा हो चुका है। अंडर ब्रिज के दोनों तरफ खूबसूरत कलाकृतियां बनाई गई हैं, जो आकर्षण का केंद्र भी हैं। इस अंडर ब्रिज का रेलवे के डीआरएम संजय कुमार ने नारियल फोड़कर उद्घाटन किया और उद्घाटन के बाद ही अंडर ब्रिज से आवाजाही शुरू हो गई। देश में हाई स्पीड ट्रेन चलाने के लिए मुख्य रूप से रेलवे फाटकों को बंद किया जा रहा है और रेलवे फाटक के स्थान पर अब नया फ्लाई ओवर या अंडर ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है।

डीआरएम संजीव कुमार ने नारियल तोड़कर किया उद्घाटन

रायपुर रेल मंडल के डीआरएम संजीव कुमार ने बताया कि भिलाई के सुपेला में बन रहे अंडर ब्रिज का मुआयना किया गया। इसके बाद 32 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए इस अंडर ब्रिज का नारियल फोड़कर उद्घाटन किया गया। जिससे लोगों को आने-जाने में काफी सहुलियत होगी।

बारिश के दिनों में ब्रिज के अंदर पानी भरने की नहीं होगी समस्या

इसी कड़ी में तीन साल पहले सुपेला रेलवे फाटक को भी बंद किया गया था, जिसके बाद अब ट्रेन बिना किसी अवरोध के आवागमन कर सकेगी। टाउनशिप से दुर्ग की ओर 85 मीटर और पावर हाउस की ओर 95 मीटर लंबा है, इसकी चौड़ाई 8.5 मीटर है।

इस अंडर ब्रिज के अंदर वाले हिस्से के दीवार में तारामंडल तक का एहसास यहां से गुजरने वाले लोग कर सकेंगे। वहीं, अंडर ब्रिज के नीचे बरसाती पानी के निकासी के लिए बनाए गए जालीदार ड्रेनेज सिस्टम की गहराई और चौड़ाई भी नए सिस्टम का प्रयोग किया गया, जो बारिश के दिनों में पानी भरने की समस्या नहीं आने की संभावना है।

समुद्र तल से आ रही नमी की वजह से मौसम हुआ ठंडा

राजधानी रायपुर समेत छग के कई जिलों में सुबह हुई बारिश, तापमान में आई गिरावट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में इन दिनों मौसम का मिजाज बदला हुआ है। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में सुबह से ही बादल छाए हुए हैं। समुद्र तल से आ रही नमी की वजह से वातावरण ठंडा हो गया है। इससे प्रदेश में बारिश की स्थिति बनी हुई है। वहीं शनिवार को प्रदेश के कई जिलों में बारिश हुई। नम वातावरण होने की वजह से अधिकतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की जा रही है।

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में आगामी 24 घंटे में दो से तीन डिग्री अधिकतम तापमान में गिरावट होने की संभावना है। इसके बाद अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी होगी। मौसम एक्सपर्ट का कहना है कि द्रोणिका के प्रभाव से प्रदेश में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। इससे छत्तीसगढ़ के एक-दो जगह पर गरज चमक के साथ तेज हवाएं और बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है।

मौसम विभाग का कहना है कि एक द्रोणिका दक्षिण छत्तीसगढ़ से रायलसीमा और उसे सटे उत्तरी तमिलनाडु पर चक्रवती परिसंचरण होते हुए कोमोरिन क्षेत्र तक समुद्र तल से 1.5 किलोमीटर ऊपर बनी हुई है। इससे प्रदेश में भरपूर मात्रा में नमी का आगमन जारी है। यही वजह है कि प्रदेश में सुबह से ही बादल छाए हुए हैं और बारिश की स्थिति बनी हुई है।

तेज धूप और भीषण गर्मी से राहत

छत्तीसगढ़ के चार संभाग के कई जिलों में बारिश बारिश हुई है। वहीं बस्तर संभाग के एक दो जिलों में हल्की बारिश के साथ हवाएं चलने की संभावना है। बारिश की गतिविधियां जारी रहने से प्रदेश में सुबह से ही बादल छाए हुए हैं। इससे लोगों को तेज धूप और भीषण गर्मी से राहत मिल रही है। साथ ही अधिकतम तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है।

हरिभूमि रण भूमि
लोकसभा
सत्ता संग्राम-2024

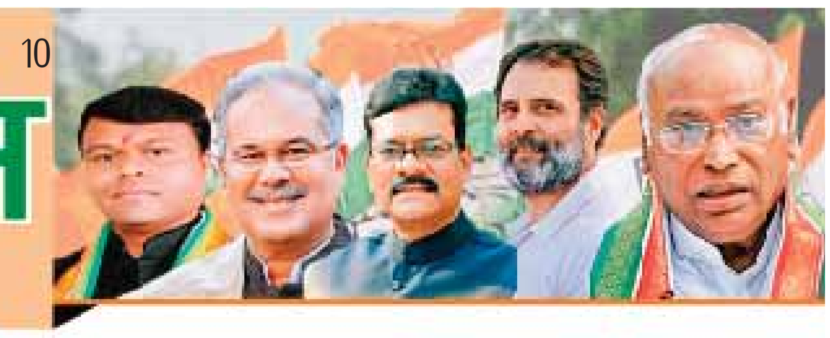

वरिष्ठ राजनैतिक विश्लेषक गिरिजा शंकर से हरिभूमि व आईएनएच न्यूज चैनल के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी का 'चुनावी संवाद'

सभी विपक्षी दल 'एंटी इन्कम्बेंसी' बताकर अपनी स्थिति बेहतर बना सकते थे लेकिन ऐसा कुछ नजर नहीं आ रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

वरिष्ठ राजनैतिक विश्लेषक गिरिजा शंकर का मानना है कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए चुनाव के बाद सहानुभूति की लहर में कांग्रेस को 400 से अधिक सीटें मिली थीं, तब राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने थे। लेकिन, सामान्य माहौल में 400 सीटों की बात करना असहज लगता है। 10 साल लगातार केंद्र में भाजपा की सरकार होने के बाद विपक्षी दलों के सामने यह अवसर था कि वे एंटी इन्कम्बेंसी बतलाकार अपनी स्थिति बेहतर बना सकते थे। लेकिन, ऐसा कुछ नजर नहीं आ रहा है। वे हरिभूमि व आईएनएच न्यूज चैनल के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के 'चुनावी संवाद' कार्यक्रम में अपनी बात रख रहे थे।

inh न्यूज विशेष

प्रश्नः 2024 का यह चुनाव किस दिशा में जा रहा है?

उत्तरः 2024 के चुनाव को लेकर काफी उत्सुकता दिख रही है। जिस प्रकार से विपक्षी दलों ने गठबंधन तैयार किया और भाजपा ने 400 पार का नारा दिया। इस चुनाव में मोदी सरकार की बात हो रही है, भाजपा की बात नहीं हो रही है। मोदी के नाम पर वोट देने की बात हो रही है। मोदी का नेतृत्व पहले भी दो चुनाव में था और उस समय भाजपा सरकार थी लेकिन इस चुनाव में मोदी सरकार की बात हो रही है। 400 सीट का दावा राजनैतिक दावा है। हालांकि, यह दावा अ-तार्किक नहीं है क्योंकि पिछले चुनाव में भाजपा ने करीब 25 सीटें ज्यादा जीती थीं। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए चुनाव के बाद सहानुभूति की लहर में कांग्रेस को 400 से अधिक सीटें मिली थीं, तब राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने थे। लेकिन, सामान्य माहौल में 400 सीटों की बात करना असहज लगता है। 10 साल लगातार केंद्र में भाजपा की सरकार होने के बाद विपक्षी दलों के सामने यह अवसर था कि वे एंटी इन्कम्बेंसी बतलाकार वे अपनी स्थिति बेहतर बना सकते थे। लेकिन ऐसा कुछ नजर नहीं आ रहा है।

प्रश्नः चार चरण में 400 सीटों पर चुनाव के बाद क्या स्थिति स्पष्ट है?

उत्तरः चुनाव के छह महीने पहले बुनियादी तौर पर अलग रहने वाले विपक्षी दल एक हुए। लेकिन, बनते-बनते ही इसका जो हश्र हुआ कि वो गठबंधन कहीं नहीं है। इसलिए चुनाव में इस गठबंधन को लेकर जो माहौल बनता वो नहीं बना। तीनों चुनावों को देखें तो विपक्षी गठबंधन से भाजपा को कोई नुकसान नहीं हुआ। भाजपा और कांग्रेस की सीधी चुनौती वाली 220 सीटों में से लगभग 95 प्रतिशत सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की। उन सीटों पर 2024 के चुनाव में कोई बड़ा उलटफेर होता नहीं दिखाई दे रहा है।

प्रश्नः चुनाव के दौरान केजरीवाल का जेल जाना और बीच चुनाव में जेल से बाहर आना, यह भाजपा को लाभ पहुंचाएगा या नुकसान?

उत्तरः केजरीवाल जिस तरह से मुद्दे उठाते हैं, उसे मैं वैकल्पिक राजनीति ही मानता हूं। सारे विपक्षी दल ऐसा कोई मुद्दा नहीं उछाल पाए जिसमें भाजपा डिफेंसिव हो जाए। लेकिन, केजरीवाल ने जेल से बाहर आते ही यह मुद्दा उछाल दिया कि नरेंद्र मोदी के 75 साल पूरे होने पर भाजपा का पीएम कौन? और भाजपा के सारे बड़े नेता डिफेंसिव हो गए और ऑन रिकॉर्ड सभी को यह बोलना पड़ा कि भाजपा के संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि 75 साल बाद कौन पीएम रहेगा? यह केजरीवाल की राजनीति है। जेल से निकलने के बाद पहले ही दिन केजरीवाल के सवालों से भाजपा असहज हो गई थी जैसे कि पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं को साइड ट्रैक करने को लेकर जो प्रश्न उन्होंने उठाया था, उसका जवाब भाजपा आज तक नहीं दे सकी।

ये भी बोले गिरिजा शंकर

- पीएम मोदी को तानाशाह कहने का आरोप कन्वेंसिंग नहीं लगता
- सामान्य माहौल में 400 सीटों की बात करना असहज लगता है
- अरविंद केजरीवाल के सवालों से भाजपा असहज हो गई

प्रश्नः विपक्षी दल मोदी को तानाशाह करार दे रहे हैं, इस बारे में क्या सोचते हैं?

उत्तरः कोई भी राजनैतिक दल जब कोई नैरेटिव गढ़ता है तो उसके पीछे कारण होता है। विपक्षी दलों द्वारा तानाशाह कहने के पीछे उनके ऊपर ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स के छापे बताए जा रहे हैं। हालांकि, देश में ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। आपातकाल के दौरान तो ऐसा हुआ ही है।

प्रश्नः क्या आप मानते हैं कि विपक्षी दलों के जिन नेताओं के खिलाफ कार्रवाई हो रही है वो निर्दोष नहीं हैं?

उत्तरः नरेंद्र मोदी के पीएम बनने से पहले ऐसा था कि प्रभावशाली लोगों के खिलाफ कोई अंगुली नहीं उठाई जाएगी। पीएम मोदी के काल में उन पर हुई कार्रवाई से वे सब पहली बार असहज हुए। यह तो बिलकुल ही नहीं माना जा सकता कि जिनके खिलाफ कार्रवाई हुई है वे निर्दोष हैं। इन लोगों के यहां से जो भी चीजें बरामद हुई हैं उनको देखकर और अदालतों द्वारा दिए गए निर्णय भी यह साबित करते हैं कि ये लोग निर्दोष नहीं हैं।

प्रश्नः भाजपा दूसरे दलों के नेताओं को इतना तवज्जो क्यों दे रही है?

उत्तरः इस नीति से कोई अच्छा मैसेज भाजपा और उसके कार्यकर्ताओं में नहीं जा रहा होगा। इससे भाजपा को बहुत अधिक कोई राजनैतिक लाभ भी नहीं मिलने वाला। इसके पीछे का कारण विपक्ष को डेजर्ट करना है, विपक्ष की भूमि को बंजर करना है, कमजोर करना है। ताकि प्रत्याशियों को लेने में भी विपक्ष तरस जाए। भाजपा में विपक्ष को लेकर अछूतापन नहीं है।

प्रश्नः दूसरे दलों के नेताओं के भाजपा में आने से भविष्य में भाजपा को कैसी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है?

उत्तरः दूसरे दलों के नेताओं के भाजपा में आने से न सिर्फ भाजपा बल्कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को भी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। आरएसएस की विचारधारा के विरोधी लोग भी भाजपा में आ रहे हैं। तो भविष्य में इसका नुकसान तो भाजपा को जरूर होगा।

प्रश्नः क्या राम मंदिर का मुद्दा इस चुनाव में दिख रहा है?

उत्तरः 1985 में भाजपा को 2 सीटें कांग्रेस को सहानुभूति की लहर के चलते मिली। 1989 में भाजपा को 85 सीटें मिली। राम मंदिर आंदोलन 90 में आया। 91 के चुनाव में 120 सीटों पर पहुंचे। राम मंदिर पूरा हो गया है, इसलिए अब वह मुद्दा नहीं रहा।

सोशल मीडिया

'सिलेंडर वाले लोग अब सरेंडर कर रहे हैं...', अखिलेश यादव

अमेठी में 'सिलेंडर' वाले लोग अब 'सरेंडर' कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेठी में मीठी चीनी के लिए कड़वा झूठ बोला गया था। कड़वे झूठ बोलने वालों ने क्या आपको 13 रुपए किलो चीनी दी है? जबसे समाजवादी पार्टी और कांग्रेस एक साथ आए हैं, उन्होंने अपनी मुंबई वाली टिकट कटवा ली है। हमारा गठबंधन एक और एक मिलकर ग्यारह हो गए हैं, इससे भाजपा वाले नौ दो ग्यारह हो जाएंगे। इन्होंने किसान, नौजवान, व्यापारी और संविधान सभी को धोखा दिया है।

कभी खुद, कभी पत्नी को बनाते सीएम अब बेटे-बेटी को सेट करने की राजनीति

पति-पत्नी की सरकार ने बिहार को बदहाली की ओर ढकेल दिया था। पहले खुद सीएम बने फिर पत्नी को बना दिया। अब बेटे-बेटी को सेट करने में लगे हैं। सीएम ने कहा कि हमने कभी परिवार की बात नहीं की। समूचा बिहार मेरा परिवार है। उन्होंने कहा कि एक दौर था जब शाम ढलने से पहले लोग घरों में कैद हो जाते थे। 2005 में जब हमने भाजपा के सहयोग से सत्ता संभाली तो सबसे पहले विधि व्यवस्था को ठीक किया। हमारी सरकार ने पूरे प्रदेश में सड़कों, पुल-पुलिया और नालों का जाल बिछाया। बिहार का विकास कर देश में बिहारियों को सम्मान दिलाया।

लोकसभा चुनाव के पांचवे चरण की वोटिंग कल तीन केंद्रीय मंत्रियों, पूर्व मुख्यमंत्री की साख दांव पर

राहुल गांधी, राजनाथ, स्मृति, पीयूष जैसे कई दिग्गजों के लिए होगा सियासी प्रतिष्ठा का चुनाव

ओ.पी. पाल ⏭ नई दिल्ली

देश लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में आठ राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की 49 लोकसभा सीटों के लिए कल सोमवार 20 मई को को मतदान होगा। इस दौर की चुनावी जंग में 82 महिलाओं समेत 695 उम्मीदवारों की सियासी किस्मत का फैसला करने के लिए 8 करोड़ 95 लाख 67 हजार 973 मतदाता वोटिंग करेंगे। इस चरण में तीन केंद्रीय मंत्री, एक पूर्व मुख्यमंत्री तथा करीब आधा दर्जन पूर्व मंत्रियों के अलावा कांग्रेस नेता राहुल गांधी जैसे केई दिग्गज नेताओं की प्रतिष्ठा

भी दांव पर होगी। देश में लोकसभा की 543 सीटों के लिए चल रहे इस चुनावी समर के पहले चार चरणों में आधे से भी ज्यादा 380 सीटो पर चुनाव संपन्न हो चुका है, जिसमें 529 महिलाओं और एक थर्डजेंडर समेत 5875 उम्मीदवारों का सियासी भविष्य ईवीएम में कैद हो चुका है। जबकि इनके अलावा गुजरात की सूरत सीट से एक सांसद निर्विरोध घोषित हो चुका है। कल 20 मई सोमवार को 49 लोकसभा सीटों के लिए होने वाले मतदान के लिए शनिवार की शाम चुनाव प्रचार खत्म हो चुका है। अब सोमवार को दो केंद्र शासित प्रदेशों तथा छह राज्यों की इन सीटों पर मतदान के दौरान 695 उम्मीदवारों की किस्मत के लिए मतदाता ईवीएम का बटन दबाएंगे। इस चरण में सबसे ज्यादा महाराष्ट्र की 13 सीटों के लिए 264 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। जबकि लोकसभा सीट के हिसाब से देखा जाए तो महाराष्ट्री की नासिक सीट पर सबसे ज्यादा 31 प्रत्याशी तथा लद्दाख सीट पर सबसे कम तीन प्रत्याशी अपनी किस्मत आजामा रहे हैं। इस चरण में ओडिसा की पांच लोकसभा सीटों के साथ उनके दायरे में आने वाली 35 विधानसभा सीटों के लिए भी मतदान होगा।

इन पूर्व मुख्यमंत्रियों व केंद्रीय मंत्रियों की प्रतिष्ठा दांव पर

लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में यूपी की लखनऊ लोकसभा सीट पर देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह तथा अमेठी सीट से केंद्रीय अल्पसंख्यक तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी की प्रतिष्ठा दांव पर है। वहीं महाराष्ट्र की मुंबई नॉर्थ सीट से केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, कपड़ा मंत्री के अलावा राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल पहली बार लोकसभा चुनाव में परीक्षा देंगे। वहीं इस चरण में जम्मू कश्मीर की बारामूला लोकसभा सीट से पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुला की साख भी दांव पर होगी। इनके अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्रियों में ओडिशा की सुंदरगढ सीट से जुएल ओराम, बिहार की सारण सीट से राजीव प्रताप रूडी, यूपी की फतेहपुर सीट से निरंजन ज्योति तथा झांसी से कांग्रेस के प्रदीप जैन भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।

इन दिग्गजों की साख की भी होगी परीक्षा

पांचवे चरण में यूपी की रायबरेली लोकसभा सीट पर कांग्रेस के दिग्गज राहुल गांधी और योगी सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, ओडिशा की सुंदरगढ़ सीट पर पूर्व हॉकी खिलाड़ी एवं राज्यसभा सांसद दिलीप टिर्की, बिहार की हाजीपुर सीट पर लोजपा के चिराग पासवान, पश्चिम बंगाल की श्रीरामपुर सीट पर टीएमसी के कल्याण बनर्जी तथा मुंबई नॉर्थ सेंट्रल सीट पर आतंकी कसाब को फांसी दिलाने वाले अधिवक्ता उज्जवल निकम भी भाजपा के टिकट पर चुनाव मैदान में हैं। इनके अलावा विभिन्न दलों के सांसदों व पूर्व सांसदों जैसे दिग्गजों की भी सियासी पिच पर परीक्षा होगी।

योगी आदित्यनाथ ने मात्र 49 दिन में की 111 जनसभा समेत 144 कार्यक्रम

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव-2024 के लिए पांचवें चरण का चुनाव 20 मई को है। इस चरण में उत्तर प्रदेश की 14 सीटों पर चुनाव होंगे। इन सभी सीटों पर कमल खिलाने का संकल्प लिए योगी आदित्यनाथ चिलचिलाती धूप और 45 डिग्री तापमान में भी आमजन के बीच पहुंचे तो वहीं मौसम की परवाह किए बिना भी योगी आदित्यनाथ की रैलियों में जबर्दस्त भीड़ उमड़ती रही। आमजन का यह प्यार, स्नेह देख योगी आदित्यनाथ भी यूपीवासियों के विश्वास के प्रति आभारी रहे। वहीं पांचवें चरण पर निगाह दौड़ाएं तो उत्तर प्रदेश के लिहाज से यह चरण काफी महत्वपूर्ण है। उत्तर प्रदेश के अलावा स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ अब तक आठ राज्यों में भी चुनाव प्रचार कर चुके हैं। योगी आदित्यनाथ 49 दिन के भीतर लोकसभा चुनाव-2024 के लिए 144 कार्यक्रम कर चुके हैं। 27 मार्च को मथुरा से सीएम ने प्रबुद्ध सम्मेलन कर यूपी की चुनावी कमान संभाल ली थी। 27 मार्च से 18 मई तक कुल 49 दिन सीएम मैदान में उतरे। इनमें 111 जनसभा कीं। वहीं अब तक उन्होंने 15 प्रबुद्ध सम्मेलन, 12 रोड शो भी कर लिए हैं।

इंडी गठबंधन ने तय कर लिया है पीएम कैंडिडेट का नाम, उद्धव ठाकरे का बड़ा दावा

मुंबई। इंडिया गठबंधन की तरफ से कौन होगा प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार? ये सवाल विपक्षी दलों से लगातार पूछे जा रहे हैं। इस बीच शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा है कि इंडिया गठबंधन में प्रधानमंत्री पद के लिए कई संभावित उम्मीदवार हैं और गठबंधन के भीतर एक निर्णय लिया गया है। हालांकि उन्हें कहा कि इस समय इसका खुलासा करने की आवश्यकता नहीं है। ठाकरे ने इस बात पर जोर दिया कि इंडिया गठबंधन का प्राथमिक उद्देश्य देश के लोकतंत्र और स्वतंत्रता की 'रक्षा' करना है। चुनाव के पांचवें चरण के प्रचार के अंतिम दिन शनिवार को इंडिया गठबंधन ने मुंबई में एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया।

मोदी ने ये कहा था गठबंधन के पीएम के लिए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार अपने भाषणों में इस बात का जिक्र करते आ रहे हैं कि इंडिया गठबंधन एक विभाजित घर है, जिसमें कई नेता और नारे हैं। प्रधानमंत्री पद के लिए एक-दूसरे में होड़ सी मची है। पीएम मोदी ने मुंबई की रैली के दौरान पूछा था कि अगर इंडिया गठबंधन की सरकार बन भी जाती है तो क्या पांच साल में पांच प्रधानमंत्री होंगे।

ठाकरे ने मोदी पर किया पलटवार

उद्धव ठाकरे ने मोदी के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा, मोदी ने कम से कम स्वीकार किया है कि हमारे पास इस पद के लिए कई चेहरे हैं, लेकिन भाजपा के पास इस पद के लिए सोचने के लिए कोई दूसरा चेहरा नहीं है। उनके पास केवल एक ही चेहरा है जो गिनती में भी नहीं है। क्या बीजेपी एक ही चेहरा पेश करने जा रही है? पीएम ने स्वीकार कर लिया है कि हम सरकार बनाने जा रहे हैं।

अंबाला-सोनीपत में रैली को किया संबोधित

'पाकिस्तान के हाथ में है भीख का कटोरा' मोदी ने पड़ोसी मुल्क पर बोला हमला

अंबाला। हरियाणा में पीएम मोदी आज अंबाला और सोनीपत में रैली के लिए पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अंबाला कुरुक्षेत्र और करनाल के मतदाताओं को संबोधित किय। वहीं, रतनलाल कटारिया की पहली पुण्यतिथि पर चुनावी रैली को संबोधित किया। मोदी ने पाकिस्तान पर भी हमला बोलते हुए कहा कि पाकिस्तान के हाथ में भीख का कटोरा है। पीएम मोदी ने कहा कि ये हमारी सरकार है, जो अफगानिस्तान के युद्धक्षेत्र से गुरु ग्रंथ साहिब के स्वरूपों को अदब के साथ स्वदेश लाई। हमारी सरकार ने ही साहिबजादों की याद में 'वीर बाल दिवस' मनाना शुरू किया है।

कांग्रेस का इतिहास धोखा देने का रहा है

अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि देश का पहला घोटाला कांग्रेस ने भारत की सेना में ही किया था। इस ट्रैक रिकॉर्ड को कांग्रेस जब तक सत्ता में रही, हमेशा बनाए रखा। बोफोर्स घोटाला, पनडुब्बी घोटाला, हेलीकॉप्टर घोटाला... कांग्रेसी, भारत की सेनाओं को कमजोर बनाकर रखते थे ताकि विदेश से हथियार मंगाने के नाम पर मोटी कमाई कर सकें।

पाकिस्तान के हाथ में बम नहीं अब भीख का कटोरा

पीएम मोदी ने कहा कि जो पाकिस्तान 70 वर्षों से भारत को परेशान कर रहा था, जिसके हाथ में बम का गोला रहता था, आज उसके हाथ में भीख का कटोरा है। जब धाकड़ सरकार होती है, तो ऐसे ही दुश्मन कांपता है। पहले के समय में आतंकवादी भारत में घुसकर लोगों को मारते थे लेकिन आज भारत पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों का मारता है।

जातिगत जनगणना का वादा

किसानों से किया वादा, राहुल ने कहा भाजपा के 3 काले कानून के बदले देंगे 3 संजीवनी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि उनकी सरकार बनती है तो वो किसानों के लिए 3 संजीवनी लेकर आएगी। राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी के तीन काले क़ानून के बॉक्स ये तीन संजीवनी उनकी तरफ़ के किसानों के लिए वादा है और उनकी पार्टी हमेशा से किसानों के हित के लिए प्रतिबद्ध है। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा है कि 'नरेंद्र मोदी ने किसानों को 3 काले कानून दिए थे, हम उनके लिए 3 संजीवनी लेकर आ रहे हैं। कांग्रेस ने कहा कि वो फूड सिक्योरिटी स्कीम लाई, शिक्षा का अधिकार दिया और मनरेगा शुरू किया और आगे भी हमेशा किसानों, ग़रीबों, युवाओं और वंचितों के साथ खड़ी रहेगी।

गिनाई संजीवनी की खूबियां

पहली संजीवनीः एमएसपी की कानूनी गारंटी। दूसरी संजीवनी : कर्ज माफी और जीएसटी मुक्त किसानी। तीसरी संजीवनी : 30 दिन के अंदर फसल बीमा की रकम का भुगतान। इन तीन संजीवनी रूपी गारंटियों के साथ-साथ हम गरीब परिवारों की महिलाओं को 1 लाख रू साल देने और युवाओं की 1 लाख की पहली नौकरी पक्की करने जा रहे हैं, जिसका सीधा लाभ भी किसान परिवारों को मिलेगा।

भाजपा ने कांटे बिछाए, कांग्रेस प्रगति की राह बनाएगी

भाजपा ने किसानों पर लाठियां बरसाई, उनकी राहों में कीलें बिछाई, कांग्रेस उनके लिए प्रगति की राह बनाएगी। कर्ज से मुक्त खुशहाल किसानों के साथ, अब हाथ बदलेगा हालात'। राहुल ने कहा कि कांग्रेस लगातार ये वादा दोहरा रही है कि अगर इंडिया गठबंधन की सरकार बनती है तो वो युवा न्याय, नारी न्याय, किसान न्याय, श्रमिक न्याय और हिस्सेदारी न्याय देंगे। इसी के साथ उसने जातिगत जनगणना का वादा भी किया है।

नेशनल कांफ्रेंस व पीपुल्स कांफ्रेस के मुकाबले को चुनौती देते पीडीपी व एआईपी के प्रत्याशी

हॉट सीट बारामूला: अपने ही गढ़ में चुनावी चक्रव्यूह में फंसे उमर अब्दुल्ला

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटने के बाद नए परिसीमन के कारण बदले सामाजिक और राजनैतिक समीकरण के बीच केंद्र शासित प्रदेश की पांच सीटों पर हो रहे लोकसभा चुनाव में से एक नियंत्रण रेखा से सटी बारामूला लोकसभा सीट पर भी सभी की नजरें टिकीं है, जहां पांचवे चरण में 20 मई सोमवार को मतदान होगा। इस सीट पर राजग गठबंधन या भाजपा का कोई प्रत्याशी नहीं है, लेकिन विपक्षी इंडी गठबंधन में शामिल फारुख अब्दुल्ला की नेशनल कांफ्रेंस और और महबूबा मुफ्ती की पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के बीच आपसी स्पर्धा के बीच पीपुल्स कांफ्रेंस के सज्जाद गनी और एआईपी

के इंजीनियर राशिद ने चुनावी जंग को दिलचस्प मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है। यहां से इस बार नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष एवं जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला खुद चुनावी मैदान में है। राजनीतिज्ञों की माने तो इस सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला होने की संभावना है, लेकिन तिहाड़ जेल में बंद इंजीनियर रशीद के चुनावी जंग में आने से बने चक्रव्यूह में उमर अब्दुल्ला की राह मुश्किल नजर आ रही है। पाकिस्तान सीमा के नजदीक अलगाववाद और आतंक का गढ़ रही बारामूला लोकसभा सीट पर नए परिसीमन के बाद बदले समीकरणों के बीच चुनाव मैदान में उतरे राजनीतिक दलों के मुद्दे और सुर भी बदले हैं। भले ही ज्यादातर सियासी दलों के मुद्दों में धारा 370 की बहाली या आजादी अथवा स्वायत्तता या फिर स्वशासन हो, लेकिन जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटने के बाद इतिहास बन चुके ऐसे मुद्दों के विपरीत बदले सामाजिक और राजनैतिक परिदृश्य के बीच यहां के लोगों के सामने शांति बहाली और विकास पहला सरोकार बनता नजर आ रहा है।

ऐसे बदला लोकसभा क्षेत्र

जम्मू कश्मीर में वर्ष 2022 में परिसीमन के बाद कुपवाड़ा, बारामूला, बांदीपोरा और बडग़ाम जिलों को मिलाकर बारामूला लोकसभा क्षेत्र का गठन किया गया, जिसमें अब 18 विधानसभा सीटें शामिल हो गई हैं। इसमें कुपवाड़ा जिले की करनाह, बेहगाम, कुपवाड़ा, लोलाब, हंदवाड़ा, और लंगेट, बारामूला जिले की सोपोर, रफियाबाद, उरी, बारामूला, गुलमर्ग, वागुरा-क्रीरी व पट्टन, बांदीपुरा जिले की सोनावरी, बांदीपुरा और गुरेज(सु) तथा बडगाम जिले की बडगाम व बीरवाह विधानसभा सीटें शामिल हैं।

ये हैं प्रमुख प्रत्याशी

जम्मू कश्मीर के उत्तरी भाग की मुस्लिम बाहुल्य बारामूला लोकसभा सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेशनल कांफ्रेंस के उमर अब्दुल्ला के अलावा जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस से सजाद गनी लोन, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के मीर मोहम्मद फैयाज और आवामी इतिहाद पार्टी (एआईपी) के जेल में बंद इंजीनियर राशिद यानी अब्दुल राशिद शेख चुनावी जंग में हैं। वहीं नेशनल यूथ पार्टी, राष्ट्रीय जनक्रांति पार्टी, नेशनल पीपुल्स फ्रंट, नेशनल पैंथर पार्टी और नेशनल लोकतांत्रिक पार्टी ने भी अपने प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारे हैं।

क्या है इस सीट का सियासी सफर

जम्मू कश्मीर में 1967 में अस्तित्व में आई बारामूला लोकसभा सीट पर अभी हुए 15 लोकसभा चुनाव में सबसे ज्यादा 10 बार जम्मू-कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस(नेकां) के प्रत्याशी जीतकर लोकसभा पहुंचे हैं। पहले तीन चुनाव में यहां कांग्रेस ने जीत दर्ज की, तो उसके बाद नेशनल कांफ्रेस ने यहां 1977 से 1989 तक हुए चुनाव में पांच बार लगातार नेशनल कांफ्रेंस ने जीत दर्ज की, जिसमें तीन बार यहां से सैफुद्दीन सोज सांसद रहे। 1996 के चुनाव में फिर यहां गुलाम रसूल ने कांग्रेस को जीत दिलाकर वापसी की, जहां उस चुनाव में नेशनल कांफ्रेंस चुनाव मैदान में नहीं थी। लेकिन उसके बाद फिर नेकां के सैफुद्दीन सोज ने कांग्रेस को ऐसा बेदखल किया कि अब तक कांग्रेस यहां जीत का स्वाद नहीं चख पाई। इसके बाद नेशनल कांफ्रेंस के प्रत्याशियो ने 2009 तक लगातार अपना परचम लहराया, लेकिन 2014 के चुनाव में यहां पहली बार पीडीपी के मुजफ्फर हुसैन बेग ने जीत दर्ज की, लेकिन साल 2019 के चुनाव में नेशनल कांफ्रेंस के मोहम्मद अकबर लोन ने चुनाव जीतकर साबित कर दिया कि यह नेशनल कांफ्रेंस का सियासी गढ़ है।

ये हैं 10 सबसे कमजोर पासवर्ड और पिन, एक सेकेंड में ही हो जाते हैं ब्रेक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पासवर्ड का इस्तेमाल हम मोबाइल से लेकर सोशल मीडिया अकाउंट और बैंक अकाउंट तक के लिए करते हैं। आसानी के लिए हम एक ही पासवर्ड का इस्तेमाल कई अकाउंट्स के लिए करते हैं और यहीं हम सबसे बड़ी गलती हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो ऐसा करके हम हैकर्स को न्योता देते हैं। इसी कारण हैकर्स के राह आसान हो जाते हैं और हम खुद ही उनके शिकार बन बैठते हैं। अब सबसे आम या यूं कहें तो सबसे कमजोर 10 पासवर्ड और पिन की लिस्ट जारी हुई है जिनका इस्तेमाल हमें नहीं करना चाहिए, आइए जानते हैं।

तुरंत बंद करें इनका इस्तेमाल

भारत में इस्तेमाल होने वाले 10 सबसे कॉमन 4 डिजिट पिन और पासवर्ड

1234
1111
0000
1212
7777
1004
2000
4444
2222
6969

ऐसे बनाएं मजबूत पासवर्ड

- पासवर्ड में नाम, जन्म तारीख, गाड़ी का नंबर और मोबाइल नंबर का इस्तेमाल ना करें।
- एक ही पासवर्ड का इस्तेमाल कई सारे अकाउंट के लिए ना करें।
- पासवर्ड में स्पेशल कैरेक्टर का इस्तेमाल जरूर करें।
- पासवर्ड के अलावा टू फैक्टर ऑथेंटिकेशन का भी इस्तेमाल करें।
- मैनुअल पासवर्ड की जगह गूगल पासकीज का इस्तेमाल कर सकते हैं।

10 सबसे खास और यूनिक पासवर्ड और पिन

8557
8438
9539
7063
6827
0859
6793
0738
6835
8093

सिक्योरिटी एजेंसी ने जारी की लिस्ट

साइबर सिक्योरिटी एजेंसी चेक पॉइंट सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें इन कमजोर पासवर्ड और पिन की जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक 2024 की पहली तिमाही में साइबर अटैक के मामलों में साल-दर-साल 33% का इजाफा हुआ। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में 10 ऐसे आम (कॉमन) पासवर्ड हैं, जिन्हें महज कुछ सेकेंड में ही तोड़ा जा सकता है। यदि आप भी कॉमन या कमजोर पासवर्ड इस्तेमाल करते हैं, तो इन्हें तुरंत बदल लीजिए। '1234' या '0000' जैसे कॉमन पिन और पासवर्ड को आसानी से तोड़ा जा सकता है। कई बार लोग पासवर्ड में अपने नाम या मोबाइल नंबर का इस्तेमाल करते हैं जो पूरी तरह से गलता है। ऐसा नहीं करना चाहिए।

हिन्दू हैवन, द फ़ेस ऑफ मदर इंडिया जैसी कई किताबें हैं भारत में बैन

नई दिल्ली। दुनियाभर में पढ़ाई करना अच्छा ही माना जाता है, जिससे तरह-तरह का नॉलेज मिलता है। कई लोग किताबें पढ़ने के बेहद शौक़ीन होते हैं, लेकिन क्या आप उन किताबों के बारे में जानते हैं जिन्हें हमारे देश की सरकार ने बैन कर दिया है। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि इन किताबों को पढ़ना तो दूर यदि आपने रखा भी तो आपको जेल तक की सज़ा हो सकती है। चलिए आज कुछ उन्हीं किताबों के बारे में जानते हैं।

ये किताबें हैं भारत में बैन

द फ़ेस ऑफ मदर इंडिया- इस किताब के सब्जेक्ट की बात करें तो भारत में जब सेल्फ रूल यानी स्वशासन की मांग उठ रही थी, तब कैथरीन मेयो ने इस किताब को लिखा था। इसमें कैथरीन ने भारत की संस्कृति, और यहां के पुरुषों के कमजोर होने की बात की थी। इस किताब के मदर इंडिया नाम को सुन कई लोग कंफ्यूज हो जाते हैं। इस किताब को बैन करने का कारण भारत को ब्रिटिश नजरिये से बताना था। जिसमें भारत को स्वशासन करने के योग्य नहीं बताया गया था। इस किताब को बैन तो किया ही गया है साथ ही इसके भारत में आयात पर भी पाबंदी है।

हिन्दू हैवन

अमेरिकी मिशनरीज के काम पर आधारित इस किताब को मैक्स वाइली ने लिखा है। इसमें बताया गया है कि वो भारत में किस तरह काम कर रहे थे और उस समय भारत किन चीजों से जूझ रहा था। जब ये किताब छपी उस समय के लोगों को लगा कि इसमें बहुत बढ़ा चढ़ाकर बताया गया है। इसलिए इसे बैन करने के साथ इसके इम्पोर्ट पर भी पाबंदी लगी हुई है।

अंगारे

इस किताब में उर्दू में छोटी-छोटी 9 कहानियां लिखी गई हैं। हालांकि मुस्लिम समाज में फैली कट्टरता और पितृसत्ता को बताती ये किताब उन्हें पसंद नहीं आई. ख़ासकर उत्तर भारत के मुसलमानों को. ऐसे में इस किताब को बैन कर दिया गया। पुलिस ने 5 कॉपियों को छोड़कर इसकी सभी कॉपियां जला दी थीं।

अनआर्म्ड विक्ट्री

वैसे तो ये किताब क्यूबा के मिसाइल क्राइसिस के बारे में है, लेकिन इसमें भारत-चीन युद्ध के बारे में भी बताया गया है। इस किताब को लिखने वाले बरट्रंड भारत के रुख़ को लेकर बहुत क्रिटिकल दिखे. ऐसे में इस किताब के रिलीज़ होते ही इसे बैठ कर दिया गया था।

द टरूं फुरकान

इस किताब में क़ुरआन की सीखों को क्रिश्चियनिटी से मिला जुलाकर लिखा गया था। ऐसे आरोप लगाए गए कि ये मुस्लिमों का मज़ाक उड़ाने के लिए लिखी गई है। साथ ही आरोप ये भी लगे कि उन्हें अपने धर्म के रास्ते से हटाकर उन्हें ईसाई धर्म अपनाने के लिए ये किताब प्रोत्साहित करती है। ये किताब भारत में इम्पोर्ट करके भी नहीं लाई जा सकती। कस्टम विभाग भी अपनी साईट पर ये साफ-साफ लिख चुका है।

अब एक्सडॉटकॉम पर ही खुलेगा सोशल मीडिया प्लेटफार्म

फाइनली बदल ही गया ट्विटर का डोमेन नेम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आज सुबह तक ट्विटर डॉट कॉम खुल रहा था, मगर दोपहर बाद यह अपने आप एक्सडॉटकॉमहो गया। इस तरह 2022 में एलन मस्क ने खरीदे गए सोशल मीडिया प्लेटफार्म को पूरी तरह बदल डाला है। बहुत सारे फीचर तो पहले ही बदल गए थे, एक डोमेन का नाम ही बचा था, उसे भी अब बदल दिया गया है। कंपनी के मालिक एलन मस्क ने खुद इस बारे में लोगों को जानकारी दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि अब सभी कोर सिस्टम एक्स.कॉमपर हैं। एक और जानकारी ये है कि एक्स के लॉगिन पेज के नीचे अब एक मैसेज भी दिखाई दे रहा है जिसमें लिखा है, 'हम आपको बता रहे हैं कि हम अपना URL बदल रहे हैं, लेकिन आपकी प्राइवेसी और डेटा प्रोटेक्शन सेटिंग्स वही रहेंगी।' गौरतलब है कि

एलन मस्क ने अक्टूबर 2022 में माइक्रो ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ट्विटर को खरीदा था। उन्होंने इसे खरीदने के लिए 44 बिलियन डॉलर दिए थे। एलन मस्क ने जैसे कि ट्विटर को टेकओवर किया, उसी समय से प्लेटफार्म में काफी बदलाव किए जा चुके हैं।

महालक्ष्मी फायनेंस
*महिलाओं को विशेष छूट
(सरकार द्वारा रजिस्टर)
1% ब्याज 50% छूट
सभी प्रकार की योजनाओं के द्वारा लोन ऑनलाईन पाएं
एजेंट आमंत्रित वेतन - 25,000/- प्रतिमाह + कमीशन
मार्कशीट | पर्सनल | बिजनेस
कृषि | होमलोन | प्रॉपर्टी
व्यवसाय | राशनकार्ड | आधारकार्ड
मुर्गीपालन | ईंटभट्टा | समूह लोन
नया रोजगार शुरु करने के लिए जनधन मुद्रा योजना के द्वारा 1 लाख से 50 लाख तक 24/48 घंटे में घर बैठे लोन
9917370725

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष मन परेशान हो सकता है। कारोबार में अभी कठिनाइयां बनी रहेंगी। सचेत रहें। कोई नया निवेश करने से बचें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में संयत रहें। कारोबार विस्तार के लिए परिवार से आर्थिक सहयोग मिल

मिथुन मन परेशान हो सकता है। आत्मसंयत रहें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि

कर्क किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। वाहन सुख में वृद्धि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में विदेश यात्रा पर जा सकते हैं।

सिंह आत्मविश्वास में कमी आएगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान

कन्या मन में निराशा एवं असन्तोष रहेगा। मन अशान्त रहेगा। संयत रहें। परिवार में व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा।

तुला मन प्रसन्न रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां तो रहेंगी, लेकिन परिश्रम भी अधिक रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से लाभ के अवसर मिल सकते हैं।

वृश्चिक मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी। बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में बदलाव भी हो सकता है।

धनु आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु अतिउत्साही होने से बचें। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

मकर क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है।

कुंभ आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु संयत भी रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि

मीन दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। खर्चों की अधिकता से परेशान हो सकते हैं।

डार्क पैलेस डांस क्लब करवा रहा खास एग्रीमेंट, खूब हो रही तारीफ

बीजिंग। चीन में डार्क पैलेस नाम का एक डांस क्लब है, जो अपने यहां आने वाले पुरुषों से एग्रीमेंट पर साइन करवा रहा है कि वे अंदर किसी मेहमान के साथ गलत हरकत नहीं करेंगे। हिदायत दी जा रही कि महिलाओं के साथ ठीक से पेश आएं, जो लोग साइन नहीं करते, उन्हें अंदर प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। दरअसल, इस क्लब में कुछ महिलाओं को दुव्यर्वहार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से क्लब ने ये फैसला लिया है।

क्या आपको अपनी लाडली के लिए अच्छा वर चाहिए...
या आपको तलाश है... एक अच्छी बहु की...
तो हमसे जुड़िए...
हरिभूमि वैवाहिकी

वधु चाहिए
वधु चाहिए
महाराष्ट्रीयन तलाकशुदा 47 वर्षीय प्राईवेट कर्मचारी हेतु वधु चाहिए। जाति बंधन नहीं छत्तीसगढ़ वासियों को प्राथमिकता।
संपर्क करें- 7869005408

वधु चाहिए
वधू चाहिए
गवर्नमेंट जॉब, दिव्यांग पुरुष (100% ब्लाइंड) उम्र 36 वर्ष, हाइट 5'-5" सरकंडा बिलासपुर निवासी हेतु वधु चाहिए। जाति बंधन नहीं (40% से अधिक और आंखों से दिव्यांग संपर्क ना करें)
संपर्क करें 7049076472 8827118285

वधु चाहिए
वधू चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17.09.1980, 6 फीट, MBBS अविवाहित डॉक्टर प्रायवेट क्लीनिक हेतु B.Sc, B.com B.A. शिक्षित, अविवाहित, घरेलू, संस्कारी, सुन्दर एवं गृहकार्य में दक्ष, सजातीय, अपर कास्ट, मध्यमवर्गीय, निर्धन (शिक्षित परिवार) की वधु चाहिए (ब्यूरो क्षमा)
संपर्क करें 9131453175

वधु चाहिए
वधू चाहिए
बंगाली, इंजीनियरिंग, एमबीए एकलौते लड़के के लिए सुन्दर सुशील ग्रेजुएट वधू चाहिए 31 वर्ष, हाइट- 5'-4" रंग सांवला पैतृक पश्चिम बंगाल वर्तमान बिलासपुर (छ.ग.)
संपर्क करें 7529977997 9827954228

वर चाहिए
वर चाहिए
जाति बंधन नहीं अनमैरिड महिला हेतु उम्र 18/11/1980 हाईट 5'-4" बीकॉम पीजी डिप्लोमा, कम्प्यूटर ऑपरेटर सालाना आय 19लाख, सभी मान्य है टाइम पास करने वाले क्षमा करें। जरूरतमंद कॉल करें- 7440917990 7415070430

वर चाहिए
वर चाहिए- सतनामी (मधुकर कन्या) 32, 5' 2", MA हिंदी आईटीआई ,सीटीआई, कन्या हेतु वर चाहिए। अन्य जाति भी मान्य। मैरिज ब्यूरो क्षमा करें। संपर्क मो.-78989-70604 (468)

शब्द पहेली - 5515

बाएँ से दाएँ
1.लूटमार,डाका-4
5.रपटना -4
9.डोली उठानेवाले-3
10.पुत्र,लड़का-3
12.अधिकार-2
14.नवीन,नया-2
15.एक विदेशी शराब-2
16.कला,हुनर-2
17.मां का प्यार-3
19.दम,बल,जोर-3
21.पपीहा,पपीहरा-3
22.करामात,कारनामा-4
24.शमशीर,कृपाण-4
25.तरंगित,लहरीय-5
26.बोरिया-बिस्तर-4
29.साले की पत्नी-4
33.प्रयास,यत्न-3
34.सहायता,सहयोग-3
36.लीन,तल्लीन-3
37.गहन वन,बुनाई कर्म-2
38.टुकड़ा,कण-2
39.मैं का बहुवचन-2
41.भीगा हुआ-2
42.अंधकार,अंधेरा-3
43.द्रव मापने की इकाई-3
45.प्राचीर,स्तंभ-4
46.बादला,जरबाफ-4

ऊपर से नीचे
2.अधिकार-2
3.जगत,दुनिया-3
4. सुनसान शांति,-4
5.आदत-4
6.साजन, बालम-3
7.क्रमबद्धता-2
8.मूर्ख,बेवकूफ-4
11.बुनाई करने वाला-4
13.कटि,मध्यांग-3
16.धार्मिक आज्ञा-3
18.पितामह-2
20.कमर में पहनने वाला आभूषण -5
21.चलने का ढ़ंग-2
23.पिया,साजन-3
24.दया,रहम-3
26.बेमिसाल, अनूठा-4
27.स्वदेश,मातृभूमि-3
28.जनता,आम लोग -2
30.मैं का बहुवचन-2
31.अभिरुचि,तल्लीनता-3
32.जनता की राय-4
34.उपाधि,पदवी-4
35.देहरी,चौखट-4
38.कक्ष,रूम-3
40.बटाणा,काबुली-3
42.स्तर,परत-2
44.ईश्वर,खुदा,भगवान-2

शब्द पहेली- 5514 का हल

सूडोकु नवताल - 5526

★★★★★ कठिनतम

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

MANGAL SEMACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5525 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	6	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

{ प्रिकॉशन / शिखर चंद जैन }

यह सही है कि सोशल मीडिया ताजा घटनाओं से अपडेट रहने, तरह-तरह के लोगों से संपर्क बनाने का अच्छा माध्यम है। लेकिन कई बार लापरवाह यूजर्स को इसकी वजह से बड़ा खामियाजा भी भुगतना पड़ जाता है।

सोशल मीडिया पर पोस्ट करने से पहले...

इन दिनों फेसबुक, व्हाट्सएप या अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की वजह से अनेक अपराध घटित हो रहे हैं। ऐसी अप्रिय घटनाओं या हादसों से बचना है तो बेहतर होगा कि सोशल साइट्स पर कुछ भी पोस्ट करते समय जरा संयम और विवेक से काम लिया जाए और कुछ इंफॉर्मेशंस पोस्ट करने से बचा जाए।

वोटर आईडी या आधार कार्ड फोटो : जिन युवाओं को पहली बार वोटर आईडी या आधार कार्ड मिलता है, वे कई बार अति उत्साह में उसकी फोटो फेसबुक पर पोस्ट कर देते हैं और सबको बताते हैं कि अब वे भी कार्ड धारक बन चुके हैं। शातिर लोग न सिर्फ यहां से आपका नाम पता बल्कि और भी कई महत्वपूर्ण जानकारियां चुरा सकते हैं। इतना ही नहीं इन कार्ड्स की कॉपी हासिल करके सिम कार्ड खरीदने, कोई बड़ी बेनामी खरीद करने या फर्जी बैंक खाता खोलने में इनका दुरुपयोग भी किया जा सकता है। इसके मिसयूज से आप मुसीबत में पड़ सकते हैं।

टिकट-बोर्डिंग पास की फोटो: माना कि आप फ्लाइट की यात्रा या ट्रिप के लिए बेहद एक्साइटेड हैं, लेकिन लोगों को यह बताने के लिए बोर्डिंग पास या टिकट की फोटो पोस्ट करना सही नहीं है। यहां पीएनआर नंबर से आपके बारे में काफी गहरी जानकारियां हासिल की जा सकती हैं, जिससे आपको आर्थिक और मानसिक क्षति उठानी पड़ सकती है। इतना ही नहीं अपराधी प्रवृत्ति के लोग घर पर चोरी का प्लान भी बना सकते हैं।

रेग्युलर अपडेट करना : जरूरत से ज्यादा बेबाक होना अच्छी बात नहीं मानी जाएगी। अपनी हर छोटी-बड़ी गतिविधियों, शौक और आदतों के बारे में पोस्ट लिखना, पारिवारिक फोटो पोस्ट करना आपको काफी महंगा पड़ सकता है। इस प्रकार आपकी आर्थिक स्थिति, परिवार में मौजूद सदस्यों, आपके शौक और आपकी कमजोरियों के विषय में काफी कुछ मालूमात हासिल किए जा सकते हैं। इन तस्वीरों या पोस्ट्स का इस्तेमाल आपको ब्लैकमेल करने के लिए भी किया जा सकता है।

ज्यादा बोल्ड दिखने की कोशिश

कई युवक-युवतियां खुद को मॉडर्न, अपटूडेट और आजाद ख्यालों का दिखाने के फेर में जरूरत से ज्यादा बोल्ड पोस्ट लिखते हैं, उल्टी सीधी पोज में अपने फोटो पोस्ट करते हैं और किसी दूसरे की पोस्ट पर बेबाक कमेंट्स लिख देते हैं। ध्यान रहे, आपका एंप्लॉयर, पति-पत्नी या रिलेटिव्स भी आपकी पोस्ट पढ़ सकते हैं। इसका कई तरह से विपरीत असर हो सकता है। रिश्ता होने में दिक्कत आ सकती है, आजकल हर ऑफिस में स्त्री-पुरुष साथ काम करते हैं, ऐसे में आपका जरूरत से ज्यादा बेबाक होना अच्छी बात नहीं मानी जाएगी।

हेट पोस्ट : अगर आपकी हर राजनीतिक खबर पर तीखी टिप्पणी लिखने या दबंग कमेंट्स करने की आदत है, तो जरा संभल जाइए। इससे किसी की शिकायत पर आपको सजा हो सकती है। माना कि हमारे देश में हर किसी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, लेकिन इसमें शिष्टता की सीमा रेखा का उल्लंघन नहीं होना चाहिए।

घर की तस्वीरें : कई लोग अपने घर के कोने-कोने की तस्वीर पोस्ट करते रहते हैं। इससे हर कोई आपके घर से वाकिफ हो जाता है। फेसबुक पोस्ट को हजारों लाखों लोग देख सकते हैं और कौन किस मानसिकता और मकसद से आपकी पोस्ट देखेगा, इसका अंदाजा लगाना असंभव है। इससे आप परेशानी में फंस सकते हैं।

सेल्फी की ओवरडोज: पिछले साल 800 लोगों पर हुई एक स्टडी में भी कहा गया कि जो सोशल साइट पर ढेर सारी सेल्फी पोस्ट करते हैं, उनके साइकोपैथ होने की अधिक संभावना होती है। क्योंकि लंबे समय तक ऐसा करने से अलग तरह की सोच विकसित होने लगती है। इसलिए सोशल मीडिया पर सब कुछ पोस्ट करने से बचें। *

फैक्ट्रियों और रिस्की मैकेनिकल कार्यों में तो रोबोट्स का इस्तेमाल बढ़ ही रहा है, लेकिन एआई बेस्ड ह्यूमनाइड रोबोट्स अब अन्य फील्ड्स में भी एंट्री करने लगे हैं। ऐसे ही एक रोबोटीचर ने केरल के एक स्कूल में पढ़ाना शुरू किया है। इसकी खासियतों समेत रोबोटीचर्स के बढ़ते चलन से उपजने वाली संभावनाओं और आशंकाओं पर एक नजर।

टीचिंग का एआई अवतार रोबोटीचर आइरिस

{ कवर स्टोरी / दिव्यज्योति 'नंदन' }

एक ऐसे देश में जहां साल 2021-22 की एक रिपोर्ट के मुताबिक 95,07,123 टीचर थे और अगर इस रिपोर्ट में दूरदराज के निजी स्कूल टीचरों को भी जोड़ लिया जाए तो इनकी संख्या एक करोड़ से काफी ऊपर पहुंचती है। उस देश की समूची टीचर बिरादरी की नींद, केरल की एक टीचर ने उड़ा दी है। ऐसा हो भी क्यों न? क्योंकि यह कोई सामान्य टीचर नहीं है। केरल की राजधानी तिरुअनंतपुरम के एक हायर सेकेंडरी स्कूल में पिछले महीने टीचिंग जॉब के लिए देश की पहली एआई रोबोट टीचर नियुक्त की गई। इसका नाम आइरिस है और इसे मेकरलैब्स एडुटेक की मदद से बनाया गया है। यह भारत की पहली जनरेटिव आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस टीचर है यानी आइरिस एक ह्यूमनाइड रोबोट है।

अनेक सब्जेक्ट्स में एक्सपर्ट

रोबोट होने के बाद भी दिखने में आइरिस बिल्कुल सामान्य केरलाइट महिला जैसी लगती है। लगभग 48 किलो वजन वाली 5 फीट 7 इंच की आइरिस फर्राटे से हिंदी, अंग्रेजी और मलयालम भाषाएं बोलती है। यह एक ऐसी स्कूल टीचर है, जो कला से लेकर कृषि तक और विज्ञान से लेकर संस्कृत तक न सिर्फ आसानी से पढ़ाती है बल्कि छात्रों के सवालों का उत्तर बिल्कुल सहजता से देती है। आप इस टीचर से किसी एक विषय का नहीं, किसी भी विषय का प्रश्न कर सकते हैं, यह लगभग सभी सवालों का जवाब दे देगी बशर्ते क्लास में शोरगुल न हो। केरल की महिलाओं की तरह गहरे रंगों की पारंपरिक साड़ी पहनने वाली आइरिस को शोर-शराबे से चिढ़ है। शोर-शराबा होते ही उसका मूड उखड़ने लगता है और सवालों का जवाब देने की बजाय वह मौन होने लगती है।

रियल टीचर्स में बढ़ी चिंता

आइरिस भले स्कूल बच्चों के बीच बेहद प्यारी मैम हो, लेकिन केरल के करीब पौने दो लाख और देशभर के लाखों टीचरों की इसने नींद उड़ा दी है। अगर सब इससे खफा या परेशान नहीं हैं तो भी शिक्षक बिरादरी में आइरिस को एक विलेन की तरह देखा जा रहा है। ऐसा हो भी क्यों न! भारत में जहां पढ़े-लिखे लाखों नौजवान बेरोजगार हों, जहां देशभर में करीब 20 लाख प्राथमिक अध्यापकों की कमी हो और उन्हें इसलिए न भर्ती किया जाना संभव हो रहा हो कि राज्य सरकारों को उन्हें वेतन देने के लिए पर्याप्त फंड की कमी हो, उस देश में 20 से 25 लाख की इस रोबोट टीचर का शिक्षक बिरादरी के बीच विलेन बन जाना स्वाभाविक है।

कई मायने में बेहतर

आइरिस भले रोबोट टीचर हो, लेकिन अब तक के अनुभव से साफ है कि उसके पास बच्चों के 99.99 फीसदी सवालों का सही और सटीक जवाब है। वह बिल्कुल सही समय पर पढ़ाने के लिए कक्षा में प्रवेश करती है और बिल्कुल सही समय पर अपना पाठ खत्म करके दूसरी क्लास की तरफ बढ़ जाती है। फालतू की बातें, किसी से ईर्ष्या नहीं, किसी को विशेष और किसी को गैर विशेष समझने की कोई आदत नहीं। सबसे बड़ी बात यह है कि आइरिस जरा भी वक्त जाया नहीं करती। भला ऐसी टीचर किसे पसंद नहीं होगी।

कुछ को पसंद-कुछ को नापसंद

पिछले करीब एक दशक से पूरी दुनिया में आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस को लेकर जो नैतिक और सामाजिक बहस छिड़ी हुई है, क्या आइरिस ने उस बहस को और नजदीक से हवा दे दी है? लगता तो ऐसा ही है। आइरिस के अपने काम पर नियुक्त होने के एक दिन बाद ही सोशल मीडिया में ऐसे ह्यूमनाइड रोबोट टीचरों के विरोध में लाखों पोस्ट का तूफान आ गया, जिससे यह पता चलता है कि पहले से ही बेरोजगारी के चक्रव्यूह में फंसे देश में एआई कितना बड़ा संकट है। लेकिन पूरी तरह से सभी लोग उसका विरोध भी नहीं कर रहे। एक बड़ी संख्या है, ऐसे लोगों की जो आइरिस के पक्ष में हैं। एक नजरिए से देखें तो यह स्कूल मैनेजमेंट के लिए भी अनुकूल है। क्योंकि महज 20 से 21 लाख में बनने वाली और करीब 500 से 1000 रुपए मासिक के बीच की मेंटेनेंस का खर्च कराने वाली यह अध्यापिका स्कूल मैनेजमेंट के लिए फायदे का सौदा है। आमतौर पर प्राइवेट या मान्यता प्राप्त स्कूलों में टीचर्स को 50 से 60 हजार रुपए की मासिक सैलरी मिलती है और करीब-करीब हर विषय के टीचर रखने पड़ते हैं। इसलिए एक तरफ जहां ये रोबोट टीचर, स्कूल मैनेजमेंट के लिए फायदे का सौदा हैं, वहीं छात्रों और अभिभावकों के लिए भी ये स्वीकार्य हैं। क्योंकि एक बार बड़े पैमाने पर रोबोट टीचर आ जाएं तो जहां शिक्षा के बजट में भारी कटौती संभव है, वहीं करीब-करीब सभी विषयों की भरपूर जानकारी रखने वाले ये टीचर छात्रों के लिए भी ज्यादा मुफीद साबित होंगे।

आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि ऐसे रोबोटीचर्स की तादाद बढ़ती है या इंसानी टीचर्स के विरोध के चलते ये रोबोटीचर्स सीमित ही रह जाते हैं। *

कई देशों में एक्टिव रोबोटीचर्स

हालांकि न तो देश में न ही दुनिया में आइरिस कोई पहली ह्यूमनाइड रोबोट टीचर है। इस समय यूरोप से लेकर अमेरिका तक 2 लाख से ज्यादा ऐसे ह्यूमनाइड रोबोट टीचर मौजूद हैं, जो छोटे बच्चों के स्कूलों से लेकर यूनिवर्सिटीज तक में पढ़ा रहे हैं। हालांकि मौलिक रूप से ये रोबोटिक टीचर इस कदर आकर्षित करने वाले नहीं हैं कि हर कोई उनके विकल्प के बारे में सोचें। लेकिन यह उस देश में जहां 90 फीसदी टीचर पढ़ाने में बहुत अच्छे और इनोवेटिव न माने जाते हों, जहां बड़ी संख्या में सरकारी टीचर रुचि न लेते हों और बड़े पैमाने पर अपने पढ़ाए जाने वाले विषयों में पर्याप्त समझ और जानकारी न रखने वाले टीचर, आइरिस जैसी स्मार्ट-एक्सपर्ट टीचर से भय तो खाएंगे ही।

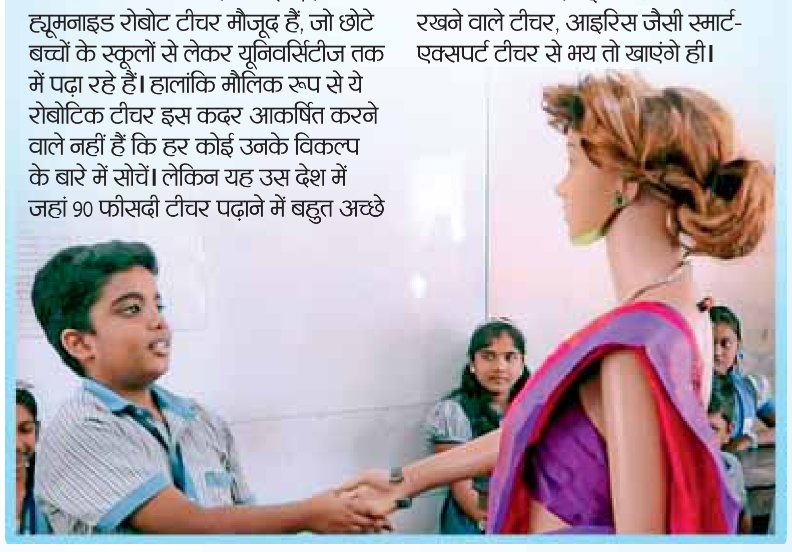

{ सजेशन / डॉ. मोनिका शर्मा }

अच्छी हेल्थ और फिटनेस के लिए फिजिकल एक्टिविटीज का होना बहुत जरूरी है। अनेक स्टडीज से साबित हुआ है कि स्टेबल लाइफस्टाइल कई तरह की हेल्थ प्रॉब्लम्स को बढ़ा सकती है। इसलिए इस बारे में एलर्ट रहना जरूरी है।

स्टेबल लाइफस्टाल बढ़ाती हेल्थ प्रॉब्लम्स

अच्छे स्वास्थ्य के मामले में डाइट और एक्सरसाइज ही नहीं हमारी रोजाना की एक्टिविटीज भी अहम भूमिका निभाती हैं। खासकर इन एक्टिविटीज को दिया जाने वाला समय। जैसे बहुत समय बैठना सेहत के लिए घातक है तो जरूरत और क्षमता से बहुत ज्यादा चलना-दौड़ना भी। नींद की कमी भी परेशानी का सबब बनती है और सोने-जागने का समय निर्धारित न होना भी। यानी दिनभर की गतिविधियों में एक संतुलन आवश्यक है। अच्छे स्वास्थ्य को लेकर किए एक अध्ययन में वैज्ञानिकों द्वारा शारीरिक गतिविधियों के समय को लेकर कहा गया है कि दिनभर में खड़े रहने और बैठने के समय में एक बैलेंस होना चाहिए।

बैलेंस है जरूरी : ऑस्ट्रेलिया में स्विनबर्न यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के शोधकर्ताओं के अनुसार लोगों को दिन में पांच घंटे खड़े रहना चाहिए और छह घंटे बैठना चाहिए। इसके अलावा प्रतिदिन चार घंटे हल्की और मध्यम शारीरिक गतिविधि करनी चाहिए। हल्की-फुल्की फिजिकल एक्टिविटी का अर्थ चलने से लेकर खाना पकाने और घर के काम-काज पूरा करने तक से है। अध्ययन के अनुसार नियमित रूप से शारीरिक गतिविधियां करने से हार्ट हेल्थ भी बेहतर होती है। असल में आज की बदली हुई जीवनशैली में बैठने, चलने का यह संतुलन हर उम्र के लोगों के लिए जरूरी हो गया है। मौजूदा लाइफस्टाइल में मनोरंजन से लेकर काम-काज और आस-पास की आवाजाही तक, गाड़ी हो या आरामदायक कुर्सी-सोफा, अधिकतर समय बैठने तक सिमट गया है। यह गतिहीन जीवनशैली कई तरह से घातक है। यह निष्क्रियता हड्डियों, मांसपेशियों में जकड़न और मानसिक रूप से थकावट लाने वाली भी है। थोड़े समय के लिए भी चलने-फिरने का ब्रेक ना लेकर लगातार बैठे रहना, स्वास्थ्य से जुड़े जोखिम बढ़ा रहा है।

सजग रहना बहुत आवश्यक

ऑस्ट्रेलिया में स्विनबर्न यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के शोधकर्ताओं द्वारा 2000 लोगों को लेकर किए गए अध्ययन में यह भी पता चला है कि बेहतरीन स्वास्थ्य के लिए लोगों को रोजाना आठ घंटे की बेहतर नींद लेनी चाहिए। आमतौर पर गतिहीन जीवनशैली वाले लोगों में अच्छी नींद ना ले पाने की परेशानी भी देखने को मिलती है। ठीक से आराम ना कर पाने की स्थिति में शारीरिक और मानसिक सेहत भी प्रभावित होती है। साथ ही रोग-प्रतिरोधक क्षमता भी कमजोर होती है। समग्र रूप से स्वस्थ जीवनशैली में नियमित गतिशील बने रहने के प्रयास आवश्यक हैं।

लेते रहें ब्रेक: घर, दफ्तर या स्कूल, कॉलेज लगभग हर आयुवर्ग के लोगों का लंबा समय एक ही जगह बैठे बीत रहा है। घंटों बैठे रहना आजकल की लाइफस्टाइल में आम बात है। यूं देर तक बैठे रहना सही-गलत पोस्चर का ख्याल भी नहीं रहने देता। साथ ही फिजिकल एक्टिविटी की कमी से डायबिटीज, हार्ट प्रॉब्लम्स, कैंसर, वैरिकोज नर्व, कमर दर्द की परेशानी भी बढ़ रही है। मोटापा और आलस्य जैसी तकलीफें भी आती हैं। इतना ही नहीं लगातार बैठे रहने से तनाव और अवसाद भी बढ़ता है। आमतौर पर काम-काजी और घरेलू दोनों ही मोर्चों पर गतिहीन जीवनशैली जी रहे लोग कुछ समय निकालकर सुबह शाम तेज गति से की गई एक्सरसाइज जैसे साइकिलिंग, जॉगिंग या वॉक को ही महत्वपूर्ण मानते हैं। ज्यादातर लोग लंबे समय तक बैठे रहने के दौरान बीच-बीच में ब्रेक लेकर कुछ कदम चलने या शरीर को स्ट्रेच करने की ओर ध्यान नहीं देते। जबकि नियमित रूप से ऐसे छोटे-छोटे विराम और हल्की-फुल्की मूवमेंट्स शरीर और मन-मस्तिष्क के लिए बेहद जरूरी हैं। इतना ही नहीं चहलकदमी के लिए कुछ पल निकालने जैसी सब गतिविधियां भी अच्छी नींद, मन के सुकून और शरीर की सेहत से गहराई से जुड़ा है। *

{ गजल / हबीब कैफी }

सो गए फुटपाथ पर

हम सिरहाने धर के हाथ हाथ पर
थक गए तो सो गए फुटपाथ पर।
शोर सारी रात होता है तो हो
ऐतराज उनको तो है नग्मात पर।
कीजिए मत रोजी-रोटी के सवाल
वो खफा हो जाएंगे इस बात पर।
कोई पाकर हीरे-मोती चुप रहा
कोई इतराता रहा खैरात पर।
हो रहा है खुश बहुत वो इन दिनों
हो रहा था कल खफा जिस बात पर।
नींद में उनकी खलल पड़ जाएगा
तब्सरा मत कीजिए हालात पर।
नाम पर मजहब के लड़ते देखकर
जानवर हंसते हैं आदमजात पर।

{ व्यंग्य / प्रियदर्शी खैरा }

गमछा बदलते ही सिद्धांत बदल जाते हैं, मान्यताएं बदल जाती हैं, वाणी बदल जाती है, भाषा-शैली में परिवर्तन आ जाता है। जिन्हें जीवन भर गाली देते रहे, वे मित्र बन जाते हैं, मित्र दुश्मन हो जाते हैं। ऐसे क्रांतिकारी परिवर्तन आत्मा की आवाज ही कर सकती है। इसे गमछा क्रांति कहते हैं।

...और गमछा बदल गया

इधर कुछ समय से मौसम की तरह राजनीतिक पार्टियां रंग बदल रही हैं और राजनेता, पार्टियां। कब उनके गमछे का रंग और डिजाइन बदल जाए, पता नहीं चलता। दो बुद्धिजीवी इस विषय पर मोबाइल पर इत्मीनान से चर्चा कर रहे थे, उन्हें पता ही नहीं चला कुछ देर बाद उनकी बातचीत का ऑडियो वायरल हो गया। वायरल ऑडियो का आप भी आनंद लीजिए-

-भाई साहब, राजनीति में भी आजकल अध्यात्म प्रवेश कर गया है।

-सच..! कैसे?

-हमारे माननीय को आत्मज्ञान हो गया, उन्हें आत्मा की आवाज सुनाई देती है।

-आत्मा बोलती है?

-वो तो माननीय बताएंगे, बोलती नहीं तो सुनते कैसे?

-अच्छा, हमें तो पचास साल हो गए साधना करते-करते, आज तक आत्मा की आवाज नहीं सुनाई दी।

-आपके गुरु ठीक नहीं, माननीय के ये चौथे गुरु हैं।

-गजब, माननीय तो क्रांतिकारी निकले। यहां एक गुरु बनाने में जिंदगी निकल गई, माननीय ने चार-चार गुरु बना लिए। पुरानी साधना का क्या हुआ?

-गुरु बदला, साधना बदली। नए गुरु ने उन्हें गमछा दीक्षा दे दी।

-यह गमछा दीक्षा क्या होती है?

-नए गुरु ने पुराना गमछा उतारा और अपने अखाड़े का नया गमछा पहना दिया। माननीय वही हैं, पर गमछा बदल गया।

-पहले तो टोपी पहनाते थे वह।

-दौर बदल गया है, अब टोपी जनता को पहनाते हैं। इनका सिर्फ गमछा बदलता है। गमछा बदलते ही वैचारिक-कल्प हो जाता है।

-ये वैचारिक कल्प क्या होता है?

-आप भी प्रभु, जैसे कायाकल्प, वैसे ही वैचारिक-कल्प। गमछा बदलते ही सिद्धांत बदल जाते हैं, मान्यताएं बदल जाती हैं, वाणी बदल जाती है, भाषा शैली में परिवर्तन आ जाता है। जिन्हें जीवन भर गाली देते रहे, वे मित्र बन जाते हैं, मित्र दुश्मन हो जाते हैं। ऐसे क्रांतिकारी परिवर्तन आत्मा की आवाज ही कर सकती है। इसे गमछा क्रांति कहते हैं।

-यह गमछा दीक्षा तो बड़ी शक्तिशाली है।

-हां भई हां, इसे डालते ही शक्तिपात होता है, आप विपक्ष से सत्ता पक्ष में आ जाते हैं, सत्ता पक्ष से विपक्ष में चले जाते हैं। आजकल इसकी बहुत मांग है, अब तो सामूहिक गमछा दीक्षा होने लगी है।

-यह गमछा भी गजब की चीज है भाई साहब, कहीं भी उपयोग कर लो। गर्मी में सिर पर बांध लो और ठंडी में कान पर। चाहो तो पसीना पोंछ लो, आवश्यकता पर तकिया बना लो। अगर कहीं गए और अंडरवियर ले जाना भूल गए, तो इसको पहनकर नहा लो। आपने तो इसका एक और उपयोग बता दिया, रंग बदल दो, डिजाइन बदल दो तो अखाड़ा (पार्टी) बदल जाता है, पर आदमी वही रहता है।

-भाई साहब, आजकल गमछा का साइज छोटा हो गया है, वह पट्टे में बदल गया है। अब पट्टा पहनाने लगे हैं। जिससे वफादारी बनी रहे।

-हां भैया अब समझ में आया पट्टा क्यों पहनाते हैं। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

किताबों पर बातें

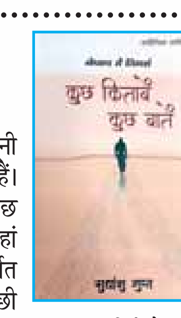

वरिष्ठ लेखक-पत्रकार सुधांशु गुप्त गंभीर और जुनूनी पाठक हैं। ना केवल पाठक बल्कि अच्छे समीक्षक भी हैं। हाल में छपकर आई उनकी किताब 'कुछ किताबें कुछ बातें' उनकी दोनों विशेषताओं को साबित करती है। यहां हिंदी समेत कई देशी, विदेशी भाषाओं में छपी अनेक चर्चित किताबों पर लेखक ने अपने विचार व्यक्त किए हैं। अच्छी बात यह है कि लेखक के ये समीक्षात्मक विचार, आलोचनात्मक गांभीर्य से मुक्त होते हुए भी कृति को समझने का सहज रास्ता खोलते हैं। *

पुस्तक: कुछ किताबें कुछ बातें (साहित्यिक समीक्षाएं), **लेखक:** सुधांशु गुप्त, **मूल्य:** 500 रुपए, **प्रकाशक:** भावना प्रकाशन, दिल्ली

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से। हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-

- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

फोर्ब्स रिपोर्ट : सबसे ज्यादा कमाई करने वाले शीर्ष 10 एथलीट्स में पांच फुटबॉलर, बास्केटबॉल के तीन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

फोर्ब्स ने साल 2024 के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले शीर्ष 50 एथलीटों की सूची जारी कर दी है। इस लिस्ट में कोई भी भारतीय नाम नहीं है और न ही क्रिकेट खेलने वाला कोई खिलाड़ी है। पिछली बार 2020 में किसी भारतीय एथलीट ने इस लिस्ट में जगह बनाई थी।

तब विराट कोहली शीर्ष 100 की सूची में 66वें नंबर पर रहे थे। 2021 से वह फोर्ब्स की सूची से गायब हैं। 2024 की ताजा लिस्ट में पुर्तगाल और अल नस्र के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो शीर्ष पर हैं। उन्होंने इस साल 260

मिलियन यूएस डॉलर यानी 2167 करोड़ रुपए की कमाई की है। रोनाल्डो ने इस मामले में अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर और कप्तान लियोनल मेसी जैसे खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया।

रोनाल्डो पिछले साल भी शीर्ष पर थे। हालांकि, तब उनकी कमाई 136 मिलियन यूएस डॉलर यानी 1133 करोड़ रुपए थी, जो कि इस साल लगभग दोगुनी हो गई है। साल 2024 में शीर्ष-10 कमाई करने वाले एथलीट्स की सूची में फुटबॉल के सबसे ज्यादा पांच खिलाड़ी हैं, जबकि बास्केटबॉल के तीन और गोल्फ-रग्बी (अमेरिकी फुटबॉल) के एक-एक खिलाड़ी हैं।

मेसी तीसरे स्थान पर

इस साल सबसे ज्यादा कमाई करने वाले एथलीटों में दूसरे नंबर पर गोल्फ के खिलाड़ी जॉन रैम हैं। उनकी कुल कमाई 218 मिलियन यूएस डॉलर यानी 1818 करोड़ रुपए की है। तीसरे नंबर पर 135 मिलियन यूएस डॉलर यानी 1126 करोड़ रुपए की कमाई के साथ मेसी हैं। मेसी पिछले साल दूसरे नंबर पर थे और उनकी कमाई 130 मिलियन यूएस डॉलर यानी 1084 करोड़ रुपए की रही थी। इस साल उनकी कमाई तो बढ़ी है, लेकिन रोनाल्डो की तुलना में बेहद कम रही है। रोनाल्डो को सऊदी फुटबॉल लीग में अल नस्र से जुड़ने का फायदा हुआ, जबकि मेसी पीएसजी छोड़कर मेजर लीग सॉकर में मियामी टीम को जॉइन किया था।

नेमार ने भी टॉप-10 में बनाई जगह

इस साल सबसे ज्यादा कमाई करने वाले एथलीटों में चौथे नंबर पर स्टार बास्केटबॉल खिलाड़ी लेब्रोन जेम्स हैं। उन्होंने इस साल 128.2 मिलियन यूएस डॉलर यानी 1069 करोड़ रुपए की कमाई की है। पिछले साल लेब्रोन चौथे नंबर पर ही थे। तब उनकी कमाई 119.5 मिलियन यूएस डॉलर यानी 996 करोड़ रुपए की रही थी। इस साल पांचवें नंबर पर गियानिस हैं। उनकी कमाई 111 मिलियन यूएस डॉलर यानी 925 करोड़ रुपए की रही है। छठे नंबर पर पीएसजी और फ्रांस के स्टार फुटबॉलर किलियन एम्बाप्पे हैं। उनकी कमाई 110 मिलियन यूएस डॉलर यानी 917 करोड़ रुपए की रही है। एम्बाप्पे पिछले साल तीसरे स्थान पर थे। तब उनकी कमाई 120 मिलियन डॉलर यानी 1000 करोड़ रुपए की रही थी। सातवें नंबर पर 108 मिलियन यूएस डॉलर यानी 900 करोड़ रुपए की कमाई के साथ ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार हैं।

10वें स्थान पर जैकसन

आठवें नंबर पर 106 मिलियन यूएस डॉलर यानी 883 करोड़ रुपए की कमाई के साथ फ्रांस के पूर्व स्टार फुटबॉलर करीम बेंजेमा हैं। जबकि नौवें नंबर पर 102 मिलियन यूएस डॉलर यानी 850 करोड़ रुपए की कमाई के साथ स्टार बास्केटबॉल प्लेयर स्टीफन करी हैं। 10वें स्थान पर अमेरिकी फुटबॉल यानी रग्बी प्लेयर लमार जैकसन हैं। उन्होंने इस साल 100.5 मिलियन यूएस डॉलर यानी 838 करोड़ रुपए की कमाई की है।

पिछले साल की लिस्ट से काफी अंतर

पिछले साल से इस साल की लिस्ट में पांच खिलाड़ियों का अंतर है। पिछले साल इस लिस्ट में ज्यादातर खिलाड़ी बास्केटबॉल के थे। पिछले साल बॉक्सर कनेलो अल्वारेज (पांचवां स्थान, 110 मिलियन यूएस डॉलर), गोल्फर डस्टिन जॉनसन (छठा स्थान, 107 मिलियन यूएस डॉलर), गोल्फर फिल मिकेलसन (सातवां स्थान, 106 मिलियन यूएस डॉलर), पूर्व टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर (नौवें स्थान, 95.1 मिलियन यूएस डॉलर) और बास्केटबॉल खिलाड़ी केविन डुरंट (10वां स्थान, 89.1 मिलियन यूएस डॉलर) इस लिस्ट में शामिल थे।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
कोलकाता	13	9	3	19
राजस्थान	13	8	5	16
हैदराबाद	13	7	5	15
चेन्नई	13	7	6	14
दिल्ली	14	7	7	14
लखनऊ	14	7	7	14
बेंगलोर	13	6	7	12
गुजरात	14	5	7	12
पंजाब	13	5	8	10
मुंबई	14	4	10	8

ऑरेंज कैप

विराट कोहली
661 रन
बेंगलोर

पर्पल कैप

हर्षल पटेल
22 विकेट
पंजाब

बाउंड्री मीटर

2011 चौके

1158 छक्के

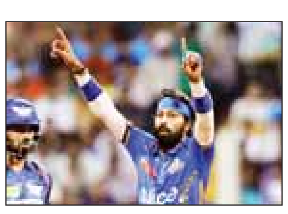

हार्दिक पर एक मैच का बैन, 30 लाख का जुर्माना

मुंबई। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या पर आईपीएल के इस सत्र में धीमी ओवरगति के तीसरे अपराध के लिए एक मैच का निलंबन और 30 लाख रुपए जुर्माना लगाया गया है। लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ शुक्रवार को आखिरी लीग मैच के साथ ही इस सत्र में मुंबई का अभियान खत्म हो गया यानी पंड्या अगले सत्र में पहला मैच नहीं खेल सकेंगे। एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया, 'मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या पर आईपीएल 2024 में लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम पर 17 मई को हुए मैच के दौरान धीमी ओवरगति के लिए जुर्माना लगाया गया है। इंपैक्ट खिलाड़ी रोहित शर्मा समेत टीम के बाकी सदस्यों पर मैच फीस का 50 प्रतिशत या 12 लाख रुपए में से जो कम हो, जुर्माना लगाया गया है।

सिफत, नीरज ने जीते ओलंपिक चयन ट्रायल

भोपाल। सिफत कौर सामरा ने ओलंपिक चयन ट्रायल तीन और चार में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस स्पर्धा तीसरी बार जीत ली जबकि नीरज कुमार ने पुरुष वर्ग में दूसरी बार जीत दर्ज की। सिफत ने महिलाओं की थ्री पोजिशंस ट्रायल 4 में 461.3 स्कोर करके निच्छल को एक अंक से हराया। पुरुष वर्ग में नीरज ने 462.9 स्कोर करके पहला स्थान हासिल की। चार ट्रायल में तीन जीतकर सिफत इस वर्ग में शीर्ष रही जबकि अंजुम दूसरे स्थान पर रही। पुरूष वर्ग में ऐश्वर्य तोमर और कुसाले पहले दो स्थान पर रहे।

प्राणवी, दीक्षा और त्वेसा ने कट हासिल किए

ब्रेंडेनबर्ग। प्रणवी उर्स, दीक्षा डागर और त्वेसा मलिक अमुंडी जर्मन मास्टर्स गोल्फ में कट में जगह बनाने में सफल रहीं। प्रणवी और दीक्षा ने दूसरे दौर में एक-ओवर 73 का कार्ड खेला। दो दौर के खेल के बाद दोनों खिलाड़ी तीन ओवर के एक समान स्कोर के साथ संयुक्त 30वें स्थान पर है। त्वेसा (77) पांच ओवर के स्कोर के साथ कट में जगह बनाने में सफल रही। टूर्नामेंट में भाग ले रही चार अन्य भारतीयों में से स्नेहा सिंह (75) एक शॉट से, वाणी कपूर (77) तीन शॉट से और अमनदीप द्राल (78) पांच शॉट से कट में जगह बनाने से चूक गई।

आईपीएल : तीन साल में पहली बार प्लेऑफ में पहुंची हैदराबाद की टीम

जीत से टॉप-2 पर पहुंचेगी सनराइजर्स पंजाब अंतिम लीग मैच में देगी चुनौती

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

पिछले तीन साल में पहली बार प्लेऑफ में जगह बनाने के बाद आत्मविश्वास से लबरेज सनराइजर्स हैदराबाद की टीम रविवार को यहां जब लीग चरण के अपने अंतिम मुकाबले में पंजाब किंग्स के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो उसकी कोशिश अंक तालिका में शीर्ष दो में जगह बनाने पर होगी। आईपीएल के पिछले तीन सत्र में अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर रही सनराइजर्स की टीम ने इस साल अति-आक्रामक बल्लेबाजी दृष्टिकोण और बेहतरीन गेंदबाजी के साथ खुद को खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में स्थापित किया है।

हैदराबाद ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ पिछला मैच बारिश से धुल जाने के बाद अंतिम चार में अपनी जगह पक्की की। सनराइजर्स अभी 13 मैचों में 15 अंक के साथ तालिका में तीसरे पायदान पर है। पंजाब किंग्स को हराने के बाद टीम 17 अंक तक पहुंच सकती है। रविवार को खेले जाने वाले एक अन्य मैच में अगर संजू सैमसन की अगुवाई वाली राजस्थान रॉयल्स की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स को हराने में सफल रही तो उसके 18 अंक हो जाएंगे और टीम दूसरे स्थान पर पहुंच जाएगी। केकेआर का शीर्ष दो स्थान में रहना पक्का है।

केकेआर को हराकर दूसरा स्थान पक्का करना चाहेंगे रॉयल्स

गुवाहाटी। राजस्थान रॉयल्स चार मैचों के हार के सिलसिले को तोड़कर रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग के अहम मैच में चोटी की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स को हराकर शीर्ष दो में जगह पक्की करने उतरेगी । सोलह अंक लेकर प्लेआफ में जगह बना चुके रॉयल्स लगातार चार मैच हार चुके हैं । पिछले दो मैचों में टीम 150 के पार भी नहीं पहुंच सकी और अब इंग्लैंड के स्टार सलामी बल्लेबाज के स्वदेश लौटने के बाद उसकी राह और कठिन हो गई है। ऐसे में यशस्वी जायसवाल, कप्तान संजू सैमसन और स्थानीय हीरो रियान पराग को अतिरिक्त जिम्मेदारी निभानी होगी। प्लेआफ में शीर्ष दो में रहकर जाने से उनके पास फाइनल में पहुंचने के दो मौके रहेंगे। केकेआर के 19 अंक है और उसका शीर्ष पर रहना तय है।

टीम के हौसले बुलंद

सनराइजर्स पिछले छह मैचों में सिर्फ दो में जीत दर्ज करने में सफल रही। उसे तीन में हार का सामना करना पड़ा जबकि एक मैच बारिश की भेंट चढ़ गया। टीम के हौसले हालांकि इस बात से बुलंद होगे की गुजरात के खिलाफ बारिश के कारण मैच धुलने से पहले उसमे लखनऊ सुपरजायंट्स को 10 विकेट से करारी शिकस्त दी थी। टीम के दोनों सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा शानदार लय में है और ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से विरोधी गेंदबाजों में खौफ पैदा करने में सफल रहे हैं। इसमें हेड ज्यादा आक्रामक रहे है। उनके नाम 11 मैचों में 201.89 की शानदार स्ट्राइक रेट से 533 रन हैं।

खास खबर

फाइनल में ज्वेरेव का सामना जेरी से होगा

एजेंसी ▶▶| रोम

पांचवीं रैंकिंग वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने चिली के अलेजांद्रो ताबिलो को 1-6, 7-6, 6-2 से हराकर इटालियन ओपन टेनिस के फाइनल में प्रवेश कर लिया।

फाइनल में उनका सामना चिली के ही निकोलस जेरी से होगा जिन्होंने टॉमी पॉल को 6-3, 6-7, 6-3 से हराया। रोम में ज्वेरेव का यह तीसरा फाइनल है। उन्होंने 2017 में नोवाक जोकोविच को हराकर पहला मास्टर्स सीरिज खिताब जीता था। इसके एक साल बाद वह रफेल नडाल से हार गए। महिला फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्वियाटेक का सामना दूसरी रैंकिंग वाली एरिना सबालेंका से होगा।

टाइमिंग सही नहीं होने पर भारत का कोच बनना बेहद थकाऊ काम

मुंबई। भारत का कोच बनना क्रिकेट जगत की सबसे बड़ी जिम्मेदारियों में से एक है और आस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य कोच जस्टिन लैंगर का मानना है कि अगर टाइमिंग सही नहीं हो तो यह काफी थकाऊ काम हो सकता है। आईपीएल के इस सत्र में लखनऊ सुपर जाइंट्स के कोच रहे लैंगर से कई बार पूछा गया कि क्या वह भारत का कोच बनने के इच्छुक हैं चूंकि राहुल द्रविड़ का कार्यकाल टी20 विश्व कप के बाद खत्म हो रहा है। लैंगर ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'यह क्रिकेट का सबसे बड़ा काम है, भारतीय टीम का मुख्य कोच बनना। एक तो इतना अधिक क्रिकेट हो रहा है और दूसरा अपेक्षाओं का भारी दबाव। यह काफी चुनौतीपूर्ण है लेकिन रोमांचक भी होगा। इसके लिए टाइमिंग सही रहने की जरूरत है। मैं आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के साथ करीब चार साल था।

निकहत और मीनाक्षी ने जीता स्वर्ण, एलोर्डा कप में भारत के नाम 12 पदक

एजेंसी ▶▶| अस्ताना

मौजूदा विश्व चैंपियन निकहत जरीन और मीनाक्षी ने अपने-अपने भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीते जिससे भारतीय टीम ने शनिवार को यहां एलोरडा कप मुक्केबाजी में अपना अभियान अब तक के सर्वश्रेष्ठ 12 पदकों के साथ खत्म किया। निकहत और मीनाक्षी के स्वर्ण पदकों के अलावा, भारतीय मुक्केबाजों ने दो रजत और आठ कांस्य पदक जीतकर पिछले सत्र से काफी बेहतर प्रदर्शन किया।

भारतीय मुक्केबाजों ने पिछले सत्र में पांच पदक अपने नाम किए थे। निकहत (52 किग्रा) ने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपना दबदबा जारी रखते हुए कजाकिस्तान की जजीरा उराकबायेवा को 5-0 के स्कोर से हराकर अपने प्रभावशाली करियर में एक और स्वर्ण पदक जोड़ा। मीनाक्षी

ने दिन की शानदार शुरुआत करते हुए महिलाओं के 48 किग्रा फाइनल में उज्बेकिस्तान की रहमोनोवा सैदाहोन को 4-1 से हराकर भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। अनामिका (50 किग्रा) और मनीषा (60 किग्रा) को फाइनल में हार का सामना करना पड़ा और उनका अभियान रजत पदक के साथ समाप्त हुआ।

भारतीय पदक विजेता

स्वर्ण : मीनाक्षी (48 किग्रा) और निकहत जरीन (52 किग्रा)
रजत : अनामिका (50 किग्रा) और मनीषा (60 किग्रा)
कांस्य (पुरुष): याइफाबा सिंह सोइबम (48 किग्रा), अभिषेक यादव (67 किग्रा), विशाल (86 किग्रा) और गौरव चौहान (92 किग्रा से अधिक);
कांस्य (महिला) : सोनू (63 किग्रा), मंजू बम्बोरिया (66 किग्रा), शलाखा सिंह संसनवाल (70 किग्रा) और मोनिका (81 किग्रा से अधिक)।

टी20 विश्व कप : 25 को न्यूयॉर्क रवाना होंगे भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली। *भारत के अधिकांश क्रिकेटर और सहयोगी स्टाफ टी20 विश्व कप के लिए 25 मई को न्यूयॉर्क रवाना होगा जबकि बाकी 26 मई को आईपीएल फाइनल के बाद जाएंगे। इससे पहले आईपीएल प्लेआफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी टीमों के सदस्यों को 21 मई को रवाना होना था लेकिन बाद में योजना में बदलाव हुआ। अब वे 25 मई को रवाना होंगे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, 'रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या, सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह, ऋषभ पंत, अर्शदीप सिंह, अक्षर पटेल और सहयोगी स्टाफ 25 मई को रवाना होगा। पहले जत्थे को 21 मई को जाना था लेकिन भारतीय टीम एकमात्र अभ्यास मैच (एक जून को बांग्लादेश के खिलाफ) खेल रही है तो खिलाड़ियों को घर पर कुछ अतिरिक्त समय मिल जाएगा।' आईपीएल फाइनल खेलने वाले खिलाड़ी 27 मई को रवाना होंगे। भारत को पहला मैच पांच जून को आयरलैंड से और नौ जून को पाकिस्तान से खेलना है।*

सात्विक-चिराग की जोड़ी थाईलैंड ओपन खिताब से एक कदम दूर

एजेंसी ▶▶| बैंकॉक

विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल ने शनिवार को यहां चीनी ताइपे के लू मिंग-चे और तांग काई-वेई की जोड़ी पर सीधे गेम में आसान जीत के साथ थाईलैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया।

एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सात्विक और चिराग को सुपर 500 स्तर के इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल को जीतने में महज 35 मिनट का समय लगा। उन्होंने 21-11 21-12 से आसान जीत दर्ज की। सात्विक और चिराग ने सुपर 500 स्तर के टूर्नामेंट में पहली बार सफलता का स्वाद थाईलैंड ओपन में ही चखा था। यह जोड़ी पांच साल पहले 2019 में यह चैंपियन बनीं थी। मौजूदा सत्र में यह भारतीय जोड़ी चौथी बार बीडब्लूएफ विश्व टूर स्पर्धा के टूर्नामेंट में फाइनल में पहुंची है। यह जोड़ी मार्च में फ्रेंच सुपर 750 का ताज पहनने के बाद मलेशिया सुपर 1000 और इंडिया सुपर 750 में उपविजेता रही थी। टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी के सामने खिताबी मुकाबले में चेन बो यांग और लियू यी की जोड़ी की चुनौती होगी।

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने की नियम की आलोचना

इंपैक्ट खिलाड़ी के नियम ने खेल का संतुलन बिगाड़ा

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

कप्तान रोहित शर्मा से सहमति जताते हुए स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इंपैक्ट खिलाड़ी के नियम की आलोचना करते हुए कहा कि इससे खेल का संतुलन बिगड़ रहा है। आईपीएल के पिछले सत्र से पारी के बीच में स्थानापन्न खिलाड़ी को उतारने का नियम शुरू हुआ है जिस पर रोहित ने भी नाराजगी जताई थी।

अब कोहली ने कहा, 'मैं रोहित का समर्थन करता हूं। मनोरंजन खेल का एक पहलू है लेकिन संतुलन भी होना चाहिए। इससे खेल का संतुलन बिगड़ा है और कई लोगों को ऐसा लगता है, सिर्फ मुझे नहीं।' रोहित ने पॉडकास्ट में कहा, 'मैं इस नियम का

मुरीद नहीं हूं। इससे हरफनमौलाओं पर विपरीत असर पड़ेगा। क्रिकेट 11 खिलाड़ियों का खेल है, 12 का नहीं।' आईपीएल के इस सत्र में आठ बार 250 रन से अधिक का स्कोर बना और कोहली गेंदबाजों का दर्द समझते हैं। उन्होंने कहा, 'गेंदबाजों को लग रहा है कि हम क्या करें। मैने कभी ऐसा नहीं देखा जब गेंदबाजों को लगता है कि वे हर गेंद पर चार या छह रन देंगे।

हर टीम के पास बुमराह या राशिद खान तो है नहीं। एक अतिरिक्त बल्लेबाज के कारण पावरप्ले में मैं 200 प्लस के स्ट्राइक रेट से खेल रहा हूं क्योंकि मुझे पता है कि आठवें नंबर पर भी एक बल्लेबाज है। मेरा मानना है कि शीर्ष स्तर पर क्रिकेट में इस तरह का दबदबा नहीं होना चाहिए। बल्ले और गेंद के बीच समान संतुलन होना चाहिए।'

पश्चिम मध्य रेल
ई–निविदा सूचना संख्या:
DY-CE-C-KURJ-02-2024
दिनांक: 16.05.2024
उप मुख्य अभियंता/निर्माण/पश्चिम मध्य रेल/पश्चिम मध्य रेल/खजुराहो भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई–निविदायें आमंत्रित करते हैं। **निविदा सं.: DY-CE-C-KURJ-02-2024, कार्य का नाम लोकेशन सहित:** कन्स्ट्रक्शन ऑफ अर्थवर्क, माइनर एंड मेजर ब्रिजिज एंड अदर एन्सिलरी वर्क्स बिटवीन चैनेज 115000.00 टू चैनेज 120000.00 (टोटल 5.00 किमी लेन्थ) इन पन्ना –खजुराहो सेक्शन इन कनेक्शन विथ ललितपुर – सिंगरौली न्यू बीजी लाईन प्रोजेक्ट, **निविदा का अनुमानित मूल्य कीमत(लाखों में):** 7301.78 लाख, **बयाना राशि रूपये:** 3800900.00, **निविदा खुलने की तिथि:** 10.06.2024, **कार्य समापन अवधि (माह):**15 माह, ई–निविदा का संपूर्ण विवरण वेबसाइट IREPS (www.ireps.gov.in) पर देखा जा सकता है एवं उप मुख्य अभियंता/निर्माण/पश्चिम मध्य रेल/ खजुराहो के कार्यालय के सूचना पट पर भी उपलब्ध है। ई–निविदा के अलावा और कोई निविदा मान्य नहीं है। निविदाकार वेबसाइट को निविदा खुलने की तिथि तक लगातार देखते रहे ताकि यदि कोई शुद्धिपत्र है तो उसकी जानकारी हो सके।
उपमुख्य अभियंता, निर्माण, पमरे, खजुराहो
स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

हाई कोर्ट न वक्फ बोर्ड को दी 60 दिन की मोहलत

मुतवल्ली नियुक्त करने के दावे का निराकरण करें

जबलपुर। हाई कोर्ट ने हजरत खलीलुल्लाह शाह दरगाह, रीवा का मुतवल्ली नियुक्त किए जाने संबंधी दावे का निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति मनिंदर सिंह भट्टी की एकलपीठ ने इसके लिये वक्फ बोर्ड को 60 दिन की मोहलत दी है।

याचिकाकर्ता रीवा निवासी मोहम्मद नसीम अंसारी की ओर से अधिवक्ता शीतला प्रसाद त्रिपाठी व सुशील त्रिपाठी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि मप्र वक्फ बोर्ड ने याचिकाकर्ता के पिता स्व. महमूद रजा अंसारी को छह मई, 2005 को दरगाह में मुतवल्ली नियुक्त किया था। सात अप्रैल, 2023 को उनका इंतकाल हो गया। याचिकाकार्ता अपने पिता के जीवनकाल से दरगाह की देखभाल कर रहा है। इसलिए याचिकाकर्ता ने 14 जून, 2023 को समस्त दस्तावेजों के साथ बोर्ड के समक्ष आवेदन पेश कर उक्त दरगाह का मुतवल्ली नियुक्त किए जाने की मांग की। लेकिन लंबा समय बीत जाने के बाद भी याचिकाकर्ता के आवेदन पर कोई विचार नहीं किया गया। लिहाजा, हाई कोर्ट की शरण ली गई है।

दैवेभो कर्मी पेंशन का हकदार नहीं

हाई कोर्ट ने निरस्त की याचिका

जबलपुर। हाई कोर्ट ने अपने एक आदेश में कहा कि दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी पेंशन का अधिकारी नहीं है। न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल ने याचिका निरस्त करते हुए कहा कि अर्हकारी सेवा में आने के बाद कर्मचारी पेंशन का अधिकारी होता है। यह मामला रीवा निवासी मोतीलाल धर की ओर से दायर किया गया था। जिसमें कहा गया था कि वह साल 1995 से 2011 तक जल संसाधन विभाग में कार्यरत था। पेंशन में उसकी इस सेवा को नहीं जोड़ा गया है। सरकार की ओर से तर्क दिया गया कि याचिकाकर्ता को उस दौरान दैनिक वेतन भोगी के रूप में रखा गया था। इसलिए वह पेंशन का अधिकारी नहीं है। एकलपीठ ने याचिका की सुनवाई के दौरान पाया कि पेंशन नियमों के नियम-तीन (पी),1976 अर्हकारी सेवा से संबंधित है। अर्हकारी सेवा उस तिथि से प्रारंभ होती है जब कर्मचारी पेंशन योग्य सेवा में शामिल हो जाता है। दैनिक वेतन भोगी रोजगार से जुड़ता तो है, परंतु यह पेंशन योग्य सेवा नहीं है। हाई कोर्ट ने उक्त टिप्पणी के साथ दायर याचिका निरस्त कर दी।

आदेश के बावजूद झोपड़ वासियों को विस्थापित क्यों नहीं किया गया

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने जबलपुर विकास प्राधिकरण से पूछा है कि आदेश के बावजूद शिक्षा समिति को आवंटित की गई योजना क्रमांक 11 की भूमि से झोपड़ वासियों को विस्थापित क्यों नहीं किया गया। जस्टिस एमएस भट्टी की एकलपीठ ने जेडीए के सीईओ दीपक कुमार वैद्य को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मप्र केसरवानी समिति की ओर से अधिवक्ता ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि जेडीए ने समिति को शैक्षणिक उद्देश्य से योजना क्रमांक 11 में जमीन लीज पर आवंटित की थी। इसके पूर्व समिति की ओर से याचिका दायर की गई थी। बताया गया कि आवंटित जमीन में से कुछ भाग में बहुत सी झोपड़ पट्टियां बना ली गई हैं। इतना ही नहीं कई अनैतिक गतिविधियां भी संचालित होती हैं। जेडीए ने झोपड़ी वासियों को विस्थापित करने के लिए संस्था से राशि मांगी थी। समिति द्वारा 3 लाख रुपए की राशि जमा भी की गई। हाईकोर्ट ने एक दिसंबर 2023 को जेडीए को निर्देश दिए थे कि 3 माह के भीतर उक्त जमीन को कब्जामुक्त कराया जाए। जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो अवमानना याचिका दायर की गई।

एमपी स्टेट बार ने आज के शिलान्यास समारोह से विरत रहने का लिया निर्णय

जबलपुर। एमपी स्टेट बार काउंसिल ने मप्र राज्य न्यायिक अकादमी, जबलपुर व हाई कोर्ट की इंदौर-ग्वालियर खंडपीठ में नवीन कोर्ट रूप निर्माण के शिलान्यास समारोह से विरत रहने का निर्णय लिया है। यह कार्यक्रम रविवार, 19 मई को सायं पांच बजे से मानस भवन, जबलपुर में होना है।

स्टेट बार चेयरमैन प्रेम सिंह भदौरिया ने बताया कि कि शनिवार को सामान्य सभा की बैठक में यह मुद्दा उठा। सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से आयोजन से विरत रहने का प्रस्ताव रखा, जिसे स्वीकार कर लिया गया। दरअसल, न्यायिक संस्थान के सबसे महत्वपूर्ण अंग अधिवक्ता हैं। प्रदेश में उनकी सर्वोच्च संस्था स्टेट बार है। इसके बावजूद हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने नए निर्माणों व पुनर्निर्माणों के सिलसिले में न तो स्टेट बार और न ही स्थानीय अधिवक्ता संघों को भरोसे में लिया है। उनसे किसी तरह की चर्चा की जेहमत तक नहीं उठाई गई।

महाधिवक्ता की भी हुई अवहेलना

स्टेट बार चेयरमैन भदौरिया ने जारी बयान में अवगत कराया कि शिलान्यास कार्यक्रम में स्टेट बार ही नहीं मध्य प्रदेश के महाधिवक्ता तक की उपेक्षा की गई है। इससे साफ है कि न्यायिक संस्थान के बड़े वर्ग अधिवक्ता समुदाय के सम्मान व हितों की उपेक्षा करके कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

पहले से निर्मित कोर्ट रूमों का नहीं हो पा रहा समुचित उपयोग

स्टेट बार चेयरमैन भदौरिया ने साफ किया कि हाई कोर्ट की मुख्यपीठ जबलुपर व खंडपीठद्वय इंदौर व ग्वालियर में पहले से निर्मित कोर्ट रूमों का समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा है। इस तरह इन निर्माणों पर आमजन के धन का अपव्यय स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहा है। आलम यह है कि पहले से स्वीकृत पदों जजों आदि के पदों तक को नहीं भरा जा रहा है। कुल स्वीकृत जजों के पदों के मुकाबले अपेक्षाकृत कम जजों से काम चलाया जा रहा है। मौजूदा कोर्ट रूप खाली पड़े हैं, तो सवाल उठता है कि नए कोर्ट रूम बनाने की क्या आवश्यकता। 2047 के विजन को ध्यान में रखकर किया जा रहा निर्माण कार्य लोकधन की बर्बादी है।

बीटेक, बी-फार्मेसी में जून से मिलेगा प्रवेश

- एसआईसीटीई का सत्र 2024-25 के लिए अकादमिक कैलेंडर जारी
- 15 सितंबर से आरंभ होंगी कक्षाएं

जबलपुर। प्रदेश में इंजीनियरिंग, फार्मेसी सहित अन्य तकनीकी संस्थानों में प्रवेश के लिए आगामी जून माह से प्रक्रिया प्रारंभ होगी। संबंधित कालेजों में पढ़ाई 15 सितंबर से आरंभ होगी। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद-एसआइसीटीइ ने सत्र 2024-25 के लिए अकादमिक कैलेंडर जारी कर दिया है। प्रदेश में तकनीकी शिक्षा विभाग बीटेक, बी फार्मेसी एवं अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया संचालित है। एआईसीटीई के कलेंडर में प्रवेश प्रक्रिया की काउंसलिंग का कार्यक्रम लगभग गत वर्ष की तरह ही रखा गया है। इससे प्रदेश में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से संबद्ध कालेजों में नए शिक्षण सत्र में छात्र-छात्राओं के प्रवेश की अंतिम तिथि 15 सितंबर ही रहेगी। इसी दौरान लेटरल एंट्री के माध्यम से तकनीकी पाठ्यक्रम में द्वितीय वर्ष में प्रवेश दिए जाएंगे।

इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश मिलेगा

प्रदेश में इंजीनियरिंग, फार्मेसी, आर्किटेक्चर, मैनेजमेंट कालेजों में प्रवेश के लिए तकनीकी शिक्षा विभाग काउंसलिंग करता है। इस काउंसलिंग से प्रदेश के लगभग 1133 कालेज जुड़े हैं। इसमें रांझी स्थित जबलपुर इंजीनियरिंग कालेज, कला निकेतन पालीटेक्नीक कालेज, महिला पालीटेक्नीक कालेज सहित अन्य निजी इंजीनियरिंग संस्थान सम्मिलित हैं। तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले और आरजीवीवी से संबद्ध कालेजों में लगभग 29 प्रकार के पाठ्यक्रम संचालित होते है। इसमें बी. फार्मेसी, डी.फार्मेसी, बीई/बीटेक, बी आर्किटेक्चर, एमबीए, एमसीए, एमटेक, डिप्लोमा इंजीनियरिंग व अन्य पाठ्यक्रम सम्मिलित हैं, जिनमें लगभग पौने दो लाख सीटें हैं।

31 जुलाई तक मिलेगी संबद्धता

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद ने नए शिक्षण सत्र के लिए कालेजों को 30 जून तक मान्यता प्रदान करेगी। विश्वविद्यालय को कालेज की जांच और संबद्धता जारी करने के लिए 31 जुलाई तक समय दिया गया है।

11 सितंबर तक शुल्क वापसी

अकादमिक कलेंडर के अनुसार छात्र-छात्राएं आवंटित सीट पर अपना प्रवेश 11 सितंबर तक निरस्त करेंगे तो उन्हें शुल्क की पूरी राशि वापस की जाएगी। पीजीडीएम/पीजीसीएम में भी प्रवेश की अंतिम तिथि 15 सितंबर है।

जून से पंजीयन, 30 जुलाई के बाद सीट आवंटन

हायर सेकेंडरी के परीक्षा परिणाम घोषित हो चुके है। एसआइसीटीइ के कलेंडर के बाद तकनीकी शिक्षा विभाग ने सत्र 2024-25 का काउंसलिंग कार्यक्रम बनाना आरंभ कर दिया है। स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए जून के पहले सप्ताह से आनलाइन पंजीयन आरंभ किए जा सकते है। कालेज की संबद्धता के लिए 31 जुलाई तक समय निर्धारित है। संबद्धता के बाद ही कालेजों में पाठ्यक्रम की सीटें निर्धारित और मान्य होगी। इससे माना जा रहा है कि तकनीकी संस्थानों में प्रवेश के लिए काउंसलिंग के पहले चरण में सीटों का आवंटन 30 जुलाई के बाद ही हो सकेगा।

आंध्र की दुर्घटना को जबलपुर का बताकर किया वायरल

फ्लाई ओवर दुर्घटना के वीडियो ने मचाया हड़कंप

जबलपुर। इंटरनेट मीडिया मे वायरल हो रहे एक वीडियो में जबलपुर में हड़कंप मचा दिया। सीसीटीव्ही के फुटेज से यह वीडियो वायरल किया गया है और सोशल मीडिया प्लेटफार्म में यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें एक बाईक चालक युवक तेज गति से आता है और फ्लाईओवर की दीवाल से टकराकर नीचे गिर जाता है। बाद में पता चला कि यह वीडियो आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम का निकला। पिछले दो दिनों से यह वीडियो बहुत तेजी के साथ जबलपुर के फ्लाईओवर के घटना के नाम से वायरल हो रहा है। जबकि जबलपुर फ्लाईओवर अभी बनकर तैयार भी नहीं हुआ है और उस पर ट्रैफिक भी चालू नहीं हुआ। इसलिए प्रथम दृष्टया यह वीडियो को संदिग्ध लग रहा था। जब इस वायरल वीडियो की सच्चाई निकाली गई तो यह वीडियो जबलपुर का नहीं आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम का निकला। फ्लाई ओवर की रोटरी पर एक तेज रफ्तार बाइक फ्लाइओवर की दीवार से टकराई और दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बाइक सवार टक्कर से छलकर दीवार से नीचे करीब 40 फीट नीचे गिर गए।

वीडियो में घटना 12 मई की रात की बताई जा रही है हालांकि निर्माण एजेंसी ने फ्लाई ओवर में इस तरह के किसी भी हादसे से इंकार किया है। उनके अनुसार फेक वीडिया बनाया गया है जबलपुर में फ्लाईओवर में ट्रैफिक चालू नहीं हुआ तो दुर्घटना होने और रिकार्ड होने का सवाल ही नहीं उठता।

फ्लाईओवर से उछलकर नीचे गिरता है युवक

वायरल वीडियो में एक युवक बाइक पर सवार होकर तेजी से फ्लाई ओवर की रोटरी से टकराता हुआ नजर आ रहा है। वीडियो में यह दिख रहा है कि बाईक की गति तेज होने से वह बाईक को मोड़ नहीं पाया और सीधे रोटरी की दीवाल से टकराकर उछलकर बाईक सड़क पर गिरती है और वह रोटरी को पार कर जमीन पर आ जाता है। जबलपुर में फ्लाईओवर का निर्माण कर रही एनसीसी कंपनी के सुपरवाइजर हरि राजू ने कहा कि जबलपुर फ्लाई ओवर में कोई दुर्घटना नहीं हुई है। वायरल वीडियो फर्जी है।

टेंकर वालों से लेकर हार्वेस्टर एजेंटों को बेचता था

ढाबे वाले के पास मिला हजारों लीटर डीजल, पेट्रोल

जबलपुर। सिहोरा पुलिस और क्राईम ब्रांच की टीम ने ग्राम धनगवां सूर्य ढाबा के पीछे अवैध रुप से डीजल, पेट्रोल बेच रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1 हजार 350 लीटर डीजल एवं 300 लीटर पेट्रोल तथा पेट्रोल बिक्री के नगद 15 हजार 500 रुपए जब्त किए है।

सिहोरा थाना प्रभारी विपिन बिहारी सिंह ने बताया कि धनगवां निवासी 44 वर्षीय खिलावन सिंह उर्फ बबलू ठाकुर गत दिवस अपने सूर्या ढाबा के पीछे डीजल बेचने के लिए रखे हुए था। मुखबिर की सूचना पर पहुंची सिहोरा पुलिस और क्राईम ब्रांच की टीम ने आरोपी खिलावन सिंह उर्फ बबलू ठाकुर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से कुल 1350 लीटर डीजल, एक टीन की नापने वाला डिब्बा, 2 सटक, तथा 5 प्लास्टिक की बाल्टी, आरोपी के डीजल पेट्रोल की बिक्री के नगदी 15 हजार 500 रूपये जब्त किए है। जब्त किए गए डीजल की कीमत लगभग 1 लाख 24 हजार 200 रूपये बताई गई है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि ढाबे में रोड से आने जाने वालें टेंकर चालक अपने खर्चे पानी के लिए उसे डीजल दे जाते है टेंकर कहा के हैं यह वह नहीं जानता। चूंकि ढाबे में हर हार्वेस्टर के एंजेट आते जाते रहते है उक्त डीजल उनको वह बेच देता जिससे उसका खर्चा पानी निकलता था। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध धारा 285 के तहत तथा 3, 7 ईसी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

केंट पुलिस ने भी पकड़ा 12 लीटर डीजल

इसी प्रकार केंट पुलिस ने लियो कम्पाउण्ड शीला टाकीज के पास मुखबिर की सूचना पर पुल नंबर 2 निवासी आदित्य अग्रवाल को गिरफ्तार कर 12 लीटर डीजल जब्त किया। आरोपी केन से एक गाड़ी में डीजल पलटा रहा था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दो केन मे भरा कुल 12 लीटर डीजल, 2 मीटर की पाईप, कोल्डड्रिंक की कटी हुयी बाटल में प्लास्टिक की पाईप लगी हुयी, 2 चुंगी, जब्त करते हुये आरोपी के विरूद्ध 285 तथा 3, 7 ईसी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

यूजी-पीजी में प्रवेश के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया जारी

करीब एक लाख पंजीयन हुए, 29 को सीटों का होगा आवंटन

जबलपुर। प्रदेश के 1275 सरकारी और निजी कॉलेजों में संचालित यूजी-पीजी पाठ्यक्रमों की 10 लाख सीटों में प्रवेश के लिए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया चलाई जा रही है। अब तक यूजी-पीजी में करीब एक लाख दस हजार विद्यार्थियों ने पंजीयन कराए हैं, जबकि करीब 98 हजार 477 विद्यार्थियों ने अपने पसंद का विकल्प का चयन किया है। अब तक करीब 78 हजार विद्यार्थियों के ही दस्तावेजों का सत्यापन हो पाया है। यूजी के लिए पंजीयन 20 मई और पीजी कोर्स में 21 मई तक होंगे, जबकि सत्यापन 21 मई तक होगा। यूजी के पहले चरण की सीट आवंटन होने के बाद विद्यार्थियों को 25 मई से तीन जून तक फीस जमा करनी होगी। दो चरणों की मुख्य काउंसलिंग के बाद कॉलेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) की जाएगी। पंजीयन करवाने के बाद कॉलेजों में मेरिट के आधार पर विद्यार्थियों की सूची लगाई जाएगी। सीट आवंटन 25 मई को होगा। वहीं पीजी में दो लाख सीटों के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 21 मई और 29 मई को सीटों का आवंटन होगा। बता दें, कि पिछले वर्ष सिर्फ एक ही काउंसलिंग का राउंड रखा गया था। मालूम हो कि यूजी व पीजी की कुल 10.18 लाख सीटें है। यूजी की कुल 8.9 लाख सीटें हैं, पीजी की 2.08 लाख है। यूजी में 91,642 पंजीयन और 67,151 सत्यापन हुआ। इसी तरह पीजी में पंजीयन 17,450 और सत्यापन 10,735 का हुआ।

मौसम शुष्क होते ही 40 डिग्री के पार निकला तापमान

आज से पारा मारेगा उछाल

जबलपुर। मौसम शुष्क हो गया है लेकिन बादलों की आवाजाही बनी हुई है। इस बीच पारा उछाल लेकर फिर 40 डिग्री के पार निकल गया है। लेकिन चक्रवात का असर बना हुआ है जिससे जिले में कहीं-कही गरज चमक के साथ हल्की बारिश और तेज झंझावत (तेज हवाएं) चलने की संभावनाएं है। आज से अधिकतम तापमान भी उछाल ले रहा है। पश्चिमी हवाओं ने अपना प्रभाव जमा लिया है। तापमान ऊंचाई छूने के लिये लपक रहा है। पश्चिमी हवाओं में वातावरण को और गर्म कर दिया है। दिन में लू के थपेड़े अब शरीर को झुलसाने लगे हैं। लोगों के शरीर में पसीना टपकने लगा है। शनैः शनैः गर्मी अपना रौद्र रूप धारण करते जा रही है। कल दिन का तापमान 40 डिग्री को पार कर गया था। वहीं गर्म हवाओं के थपेड़े जनजीवन को परेशान करने लगे हैं। दिन में जहां तेज धूप की तपन ने खूब पसीना बहाया, वहीं शाम को उमस ने हलाकान किया। प्रदेश के अनेक स्थानों पर तापमान 45 डिग्री पर पहुंच गया।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार स्थानीय बादलों की वजह से बना हवा का कम दबाव वाला क्षेत्र अब पूरी तरह से समाप्त हो गया है और मौसम शुष्क हो जाने पर तापमान उछाल मारने लगा है। हवा में नमी का प्रतिशत भी घट जाने से गर्मी का प्रभाव बढ़ा है। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 40.3 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री कम दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 25.8 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री कम दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातकाल 59 प्रतिशत, सायंकाल 24 प्रतिशत दर्ज की गई। सूर्येदय सुबह 5.27 बजे और सूर्यास्त शाम 6.46 बजे हुआ। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 39.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26.4 डिग्री दर्ज किया गया था।

हरिभूमि: पाठक पुरस्कार योजना के प्रतिभागी हुए पुरस्कृत

जबलपुर। राष्ट्रीय दैनिक हरिभूमि पाठक पुरस्कार योजना के परिणाम घोषित होने के बाद जबलपुर संस्करण में सांत्वना पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किये गये। हरिभूमि के रिछाई स्थित कार्यालय में मंगलवार को पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में यूनिट हैड अखिलेश रिछारिया व प्रसार प्रमुख अमरेंद्र सिंह ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किये गये। ज्ञात हो कि हरिभूमि द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर पाठक पुरस्कार योजना आयोजित की गई थी। जिसमें

हरियाणा, नई दिल्ली, छत्तीसगढ के प्रतियोगी शामिल हुए। पुरस्कार मिलने से विजेता प्रतिभागी खुश नजर आये। प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय स्तर पर कार, एलईडी टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन सहित सांत्वना पुरस्कार जीते। जबलपुर में सांत्वना पुरस्कार प्राप्त करने वालों में निधि पाण्डे, शामिल रहे।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240